हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च, 1991

खण्ड 1, अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 12 मार्च, 1991

पृश्ठ संख्या

स्थगित तारांकित प्र न एव उत्तर	(8)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)10
वाक आउट	(8)22
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(8)23

विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(8)31
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री किरपा राम पुनिया द्वारा	(8)33
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– हरियाणा ऐग्रो तथा अन्य प्राईवेट एजैंसियों द्वारा घटिया किस्म की कीटना ाक दवाई सप्लाई करने संबंधी	(8)34
वक्तव्य– कृशि मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	(8)34
विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(8)36
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री बनारसी दास गुप्ता द्वारा	(8)38
वर्श 1991–92 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)40
बैठक का समय बढाना	(8)85
वर्श 1991–92 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)85

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 12 मार्च, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

स्थगित तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे। We will first take up the list of postponed starred question.

Constituency-wise construction/repairs of Roads in the State

***1243. Comrade Harpal Singh, Dr. Harnam Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the constituency-wise number of new roads constructed/repaired in the State during the period from 1st January, 1990 to 1st January, 1991, togetherwith the expenditure incurred thereon separately ?

लोक निर्माण मन्त्री (श्री जगन नाथ):

एक विवरणी सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरणी

निर्वाचन क्षेत्रानुसार निर्मित सडकें/मुरम्मत की गई सडकें तथा 1.1.1990 से 1.1.1991 तक किये गये खर्चों की सूची।

क्रम संख्या	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	निर्मित सड़कें		मुरम्मत की गई सड़कें			
				वि ोश मुरम्मत		वार्शिक सरफेसिंग	
		संख्या	खर्चा	संख्या	खर्चा	संख्या	खर्चा
1	कालका	1	0.50	17	23.00	20	12.60
2	नारायणगढ़	1	3.68			26	19.89
3	सढौरा	1	3.77			15	6.46
4	छछरौली			6	12.20		
5	जगाधरी	1	4.39	3	6.42		
6	यमुनानगर	1	2.36	8	13.44		
7	मुलाना			1	17.28	40	9.79
8	अम्बाला कैंट			2	5.98		
9	अम्बाला भाहर			6	5.24		
10	नग्गल	6	8.29	14	18.33	12	8.24

11	इन्द्री	5	9.74	7	2.19	14	6.57
12	नीलोखेड़ी	1	2.94	5	3.59	5	0.88
13	करनाल	1	7.57	1	3.77	3	0.60
14	जुंडला	1	1.60	4	2.46	14	7.87
15	घरौंडा	1	1.18	6	5.73	14	7.67
16	असंध	1	0.16	14	13.70	17	13.53
17	पानीपत					3	4.28
18	समालखा	1	0.47	4	1.76	8	6.55
19	नौलथा	2	3.42	11	13.25	20	8.04
20	भााहबाद			7	4.89	17	14.89
21	रादौर	3	3.03	3	1.92	7	2.54
22	थानेसर	2	1.88	9	6.30	7	2.41
23	पिहोवा	2	13.01	18	15.56	7	2.89
24	गुहला	1	1.49	3	9.03	4	1.62
25	कैथल			3	4.61	7	6.00

26	पुन्डरी	3	6.65	4	4.97	7	4.11
27	पाई			7	14.42	10	7.69
28	हसनगढ़	2	0.18	3	13.23	2	0.82
29	किलोई			3	3.04	7	5.75
30	रोहतक						
31	मेहम	1	0.01	1	5.91	4	1.85
32	कलानौर			4	1.55	3	2.52
33	बेरी	1	5.92	5	8.91	3	2.83
34	साहलावास	1	0.32			7	1.53
35	झज्जर	2	3.12	1	1.13	9	8.40
36	बादली	2	3.07	7	4.44	5	3.95
37	बहादुरगढ़					3	3.43
38	बरोदा					7	6.62
39	गोहाना					7	4.40
40	केलाना	1	0.37			12	10.97

41	सोनीपत	1	1.96			5	6.23
42	राई					9	4.57
43	रोहट					10	0.18
44	कलायत	1	7.75	10	23.83	4	3.58
45	नरवाना	2	5.62	10	16.45	9	7.14
46	उचाना			3	8.86	10	5.60
47	राजौंद	2	2.42	2	0.02	6	4.43
48	जींद	1		6	9.85	9	10.52
49	जुलाना			4	9.72	7	6.08
50	सफीदों	1	2.30	2	0.81	8	6.66
51	फरीदाबाद	1	0.16	25	8.80	12	8.70
52	मेवला महाराजपुर			14	5.85	7	10.45
53	बल्लभगढ़	3	6.59	8	0.89	20	11.59
54	पलवल	3	0.63	19	7.48	5	1.46
55	हसनपुर	3	11.16	15	22.92	6	1.91

56	हथीन			10	5.50	1	1.13
57	फिरोजपुर झिरका	2	15.56	15	12.55	44	17.74
58	नूंह	2	4.63	16	8.91	16	10.31
59	तावडू	4	10.66	6	5.58	36	17.50
60	सोहना	1	3.45	15	9.56	7	4.37
61	गुड़गांव			13	11.42	8	7.77
62	पटौदी			4	8.52	8	8.37
63	बाढड़ा	1	0.97	8	21.38	18	9.73
64	दादरी			20	42.17	16	9.15
65	मुंढाल			6	12.73	14	10.98
66	भिवानी	1	1.06	3	8.22	13	7.63
67	तो ाम			4	8.29	11	10.39
68	लोहारू	3	2.52	6	1.96	17	12.74
69	बवानी खेड़ा	1	0.36	12	31.31	14	6.74

70	बरवाला			7	11.10	11	8.88
71	नारनौंद			5	2.75	5	5.03
72	हांसी			3	1.92	11	2.34
73	भट्टू कलां	2	1.88	2	2.17	12	6.28
74	हिसार			3	5.99	3	3.21
75	घिराये			6	12.64	13	6.58
76	टोहाना	2	5.76	7	7.28	8	7.64
77	रतिया	1	0.78	4	1.32	7	0.17
78	फतेहाबाद					8	2.48
79	आदमपुर					11	2.12
80	दड़बा कलां	1	0.42	2	8.21	6	8.00
81	ऐलनाबाद	3	10.04	3	6.80	3	8.63
82	सिरसा					2	2.68
83	रोड़ी	1	3.01			4	8.24
84	डबवाली	2	1.49	2	6.76		

85	बावल	3	4.89	23	12.26	34	14.77
86	रिवाड़ी	1	1.37	8	1.59	7	3.67
87	जाटुसाना	1	10.30	9	1.78	12	4.33
88	महेन्द्रगढ़	1	0.66	8	3.53	6	7.74
89	अटेली			2	6.62	5	13.18
90	नारनौल	6	5.03	7	37.02	9	7.27
	कुल योग	102	212.55	544	661.59	873	550.08

नोटः– उपरोक्त वर्णित सची में दिये गये खर्चे में रूटीन की मुरम्मत के खर्चे यानि माईनर पैचवर्क/वरम की मुरम्मत/सड़क की साईड स्ट्रक्चर, साईन बोर्डों की पेंटिंग आदि भाामिल नहीं किये गये हैं। इन कार्यों पर रा ि ा 480.00 लाख रूपये का खर्च है परन्तु इनकी डिटेल निर्वाचन क्षेत्रानुसार नहीं दी गई है क्योंकि इसमें काफी समय तथा मेहनत लगेगी और इससे कोई ज्यादा लाभ नहीं पहुंचने वाला।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, कांस्टिचुऐंसी वाइज जो ब्यौरा इन्होंने दिया है, उसमें दडबा कलां के अंदर एक सडक पर 42 हजार रूपये खर्च हुए हैं। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इसके अलावा वहां पर और कितना खर्च किया गया है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, कांस्टियुऐंसी वाइज सडकों का ब्यौरा दे दिया गया है और दडबा कलां में जो खर्च हुआ है वह विवरण भी इसमें है कि वहां पर 42 हजार रूपये खर्च किये गये हैं।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, अपने लिखित जवाब में मंत्री महोदय ने दडबां कलां में 42 हजार रूपये खर्च होने के बारे में कहा है। मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि जो सडकें इस साल नई बनी हैं, जिन पर मिटटी का काम हुआ है, सोलिंग और मैटलिंग का काम हुआ है, क्या उनको विवरण इसमें है या नहीं ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, प्र न में यह बात नहीं पूछी गई थी। सवाल यह था कि वर्श 1990–91 में कांस्टिचुऐंसी वाइज जो नई सडकें बनाई गई या मुरम्मत की गई उन पर कितना खर्च हुआ है। हरियाणा में कई सडकें ऐसी हैं जो पुरानी हैं और उन पर काम हुआ है कुछ नई सडकें भी भाुरू हुई हैं, कुछ पर काम चल रहा है और कुछ सडकों पर काम इस समय नहीं भी हो रहा है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्र न यह था कि इस पीरियड के दौरान कितनी सडकों का निर्माण कार्य भाुरू किया गया और उसके उपर कितना ऐक्सपैंडीचर आया है। क्या 42

हजार रूपये के अतिरिक्त दडबा कलां में कोई और निर्माण कार्य भ्रारू किया गया है ? यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, इन्होंने कांस्टिचुऐंसी वाईज सडकों का ब्यौरा मांगा था और मैंने इनको बता दिया है कि कौन कौन से नये काम भ्रारू हुए हैं या कम्पलीट हुए हैं और उन पर कितना खर्च हुआ है। यदि इन्हें कोई और जानकारी चाहिए थी तो यह सवाल उसी तरह से पूछ लेते।

Mr. Speaker: Let us read the question again. It says-"Will the Minsiter for P.W.D. (B&R) be pleased to state the constituencywise number of new roads construced/repaired in the State during the period from 1st January, 1990 to 1st January 1991..."

जो अन्डर कंस्ट्रक ान है वह इसमें नहीं है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, लिखित जवाब में जगाधरी में तीन सडकों की रिपेयर और एक नई सडक का जिक्र किया गया है। क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि नई बनाई गई सडक कौन सी है और जो सडकें रिपेयर की गई हैं वे कौन कौन सी हैं ? (विघ्न)

Mr. Speaker: I do not think, it will possible to reply off hand. Please take your seat.

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, एक बात मैं क्लीयर करना चाहता हूं। श्री हरपाल सिंह जी को यह भाक है कि दडबा

कलां हल्के और मेहम हल्के पर ज्यादा पैसा खर्च किया गया है लेकिन ऐसी कोई बात नहीं है। सरकार ने सबसे ज्यादा पैसा नारनौल जिले के अंदर खर्च किया है। नारनौल अपोजी ान का हल्का है और जितना पैसा वहां पर खर्च किया गया है उतना पैसा तो मुख्य मंत्री जी के हल्के में भी नहीं खर्चा गया। बावल में 45 हजार रूपये खर्च किये गये हैं। किसी भी हल्के के साथ भेदभाव की बात नहीं है। हरपाल सिंह जी को वैसे ही भाक हो रहा है। (विघ्न)

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, जवाब से जाहिर है कि 27 हलकों में वर्श 1990 में कोई सडक नहीं बनाई गई। मैं मंत्री महोदय से केवल इतनी जानकारी चाहता हूं कि सडकें बनाने के लिये जो सलैक ान किया जाता है, उसका आधार क्या है और क्राइटेरिया क्या है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, मैंने पहले भी बताया है कि नारनौल का हल्का अपोजी ान का है और वहां पर पैसा सबसे ज्यादा खर्च किया गया है। जो ब्यौरा दिया गया है उसमें कुछ सडकें पहले कम्पलीट हुई हैं और कुछ पर पहले से काम भाुरू हुआ है। इसलिए भेदभाव जैसी कोई बात नहीं है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी की नीयत या सरकार की नीयत पर भाक नहीं कर रहा हूं। यह सरकार तो बहुत ही योग्य सरकार है जिसने कई निर्माण कार्य

किये हैं। मेरा सवाल यह था कि कांस्टिचुऐंसी वाइज कौन सी सडकें हैं, जिनका निर्माण कार्य भाुरू कर रखा है ? (विघ्न)

स्पीकर साहब, मेरा सवाल तो कुछ और था, इन्होंने उसको बदल दिया है। जो मैंने रिटन, क्वै चन दिया था, उसको आप देखें उसमें मैंने यह पूछा था कि 1.1.1990 से लेकर 1.1. 1991 तक कितनी सडकों का निर्माण हुआ है और कितना पैसा उन पर खर्च हुआ है। (व्यवधान व भाोर)

श्री जगन नाथः सर, बात ऐसे नहीं है कि इन्होंने जो पूछा था, वह कुछ और था। हरपाल जी के हल्के की ही बात होती, तब भी कुछ और बात बनती इन्होंने सारी सूचना हलका वाईज पूछी है। हमने यह बता दिया है कि 102 सडकें तो कम्पलीट की हैं और 1417 सडकों पर काम भाुरू है।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में मेरे भााहबाद हल्के के बारे में यह बताया है कि 7 रोडज की स्पै ाल रिपेयर की है और 17 सडकों की ऐनुअल सरफेसिंग की है। स्पै ाल रिपेयर के लिये इन्होंने 4.89 लाख रूपया और ऐनुअल सरफेसिंग के लिये 14.89 लाख रूपया खर्च किया है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि स्पै ाल रिपेयर के लिये ज्यादा पैसा खर्च होता है या ऐनुअल सरफेसिंग के लिये ज्यादा पैसा खर्च होता है और कैसे यह देखते हैं कि किसी सडक को स्पै ाल रिपेयर की जरूरत है या सरफेसिंग की जरूरत है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, आम तौर पर स्पै ाल रिपेयर पर ज्यादा पैसा खर्च होता है। वहां पर स्टेट हाई वे है और उस पर आने जाने वालों का र ा रहता है। उसको रोकने से आने जाने वालों को असुविधा होती है। हमने कैथल में, नारनौंद में और महेन्द्रगढ हल्कों में भी सडकें रिपेयर की हैं। वहां पर आने जाने में बाधा पडती है जब सडकें टूट जाती हैं। हमने ऐसी जगहों का सबसे ज्यादा ध्यान रखा है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जब वे इतने काबिल मंत्री हैं कि नारनौंद का और महेन्द्रगढ का बता सकते हैं कि वहां पर सडकें रिपेयर की गयी हैं तो दडबा कलां हल्के के अंदर कितनी सडकों का निर्माण हुआ है यानी कितने किलोमीटर सडकों का निर्माण हुआ है, मुरम्मत हुई है या नई बनी हैं यह क्यों नहीं बता सकते ? यह बताने में सरकार को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

श्री जगन नाथः मैं एक एक सडक का विवरण कैसे और कहां से ला दूं।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, आपने इस क्वै चन को री–डीफाइन करके बहुत अच्छा किया है। मंत्री जी ने एक जनवरी 1990 से लेकर एक जनवरी 1991 तक जो नयी सडकें बनी हैं या रिपेयर की गई हैं, उसकी तो सूचना दे दी है लेकिन मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे कोई एक कमेटी

नियुक्त करेंगे जो यह देखें कि दडबा कलां में कितनी सडकें बनी हैं। हम यह कहते हैं कि वहां एक किलोमीटर नहीं बल्कि 20 किलोमीटर सडक बनी हैं और इसी अवधि के दौरान बनी हैं लेकिन वह इसमें भाामिल नहीं की गयी है।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, हम यह कहते हैं कि जो कम्पलीट हुई हैं, वे ही इसमें भाामिल हैं। जिन पर काम अभी भाुरू है, उनको विवरण तो इनहोंनें मांगा ही नहीं है। इन्होंने यह पूछा है कि इस साल में कितना पैसा खर्च हुआ है, वह हमने बता दिया है कि इतना पैसा खर्च हुआ है।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, सोनीपत जिला ऐसा जिला है कि उसके अंदर 6 हल्के आते हैं। दो गोहाना के और 4 सोनीपत के आते हैं। इनहोंने इन छः हल्कों के अंदर वि ोश मुरम्मत के बारे में जवाब दिया है, वहां पर वर्श 1990–91 में कोई काम नहीं हुआ है। इस पूरे जिले की सडकें टूटी पडी हैं। इन्होंने अपने जवाब में यह कहा है कि हम कोि ा ा कर रहे हैं कि जल्दी से जल्दी इनकी रिपेयर का काम हो जाये। क्या यह बात सही नहीं है कि सोनीपत जिले के साथ सडकों के बनाने के मामले में कोई भेदभाव किया गया है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, इस साल के दौरान पहले तो बरसात के कारण काम नहीं हो सका। उसके बाद तीन महीने तक आरक्षण का जो आन्दोलन चला, उसकी वजह से

विकास कार्य बिल्कुल बन्द रहा। उसके बाद सर्दी आ गयी। सर्दी का भी काम पर असर पडता है। जहां तक इनकी भेदभाव की बात का संबंध है, यह बात ठीक नहीं है कि सोनीपत जिले के साथ कोई भेदभाव किया गया है। मैं इनको यह भी बता दूं कि हम इस साल में वहां पर पुल बनाने जा रहे हैं।

श्री महा सिंहः मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह बताना चाहता हूं कि इन्होंने राई हल्के के बारे में जो सूचना दी है, उसमें निल बटा निल लिखा है। क्या यह सब उसके साथ वि ोश प्रेम के कारण से किया जा रहा है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, निल बटा निल नहीं है। नई सडकों का ब्यौरा जिन पर काम चल रहा है, वह इसमें नहीं है। इसमें तो केवल मुरम्मत की सडकों की सूचना है।

डा0 रघुबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले सप्ताह मंत्री महोदय ने रोडज बनाने के लिये बजट में तकरीबन छः करोड की ऐलोक ान बताई थी। बहुत सारे एम0एल0एज0 अपने हल्कों में सडक बनवाना चाहते हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि नई रोडज बनाने का क्या क्राइटेरिया है ? क्या रोडज बनाने का क्राइटेरिया जन सुविधा है या पोलीटिकल क्राइटेरिया है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, ज्यादा तो जन सुविधा को ही देखा जाता है लेकिन फिर भी अगर हमारे कोई मंत्री या

एम0एल0ए0 ज्यादा जोर दें कि उसके यहां सडक बननी ही चाहिये तो उसको भी कंसीडर कर लिया जाता है।

श्री भगवान सहाय रावतः स्पीकर साहब, सारा कालम खाली है और हथीन का कहीं नाम नहीं है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह भेदभाव क्यों है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, यह ठीक है कि वहां पर कोई नई सडक नहीं बनी है लेकिन रिपेयर का और सरफेसिंग का तो काम हुआ है।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने जो लिस्ट दी है उसमें दडबा कलां का नाम नहीं है। बाकी कहीं पर एक किलोमीटर और कहीं पर दो किलोमीटर सडक बनी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि दडबा कलां में ही सारी सडकें बनी हों और उसको सभी हल्कों में बांट दिया हो ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, ऐसी कोई बात नहीं है। हमने नब्बे हल्कों का ही ध्यान रखना है, खाली दडबा कलां से ही हमारी सरकार चूंकि चलने वाली नहीं है, इसलिये हम नब्बे हल्कों का ध्यान रखते हैं।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, सडक बनाने का टारगेट दो सौ किलोमीटर का था लेकिर 102 किलोमीटर सडक इसमें दिखाई गई हैं और जो सडकें बनी हैं उन पर कहीं दो

लाख खर्च हुआ है, कहीं एक लाख खर्च हुआ है और कहीं पर डेढ लाख खर्च हुआ है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या कहीं पर इससे भी कम खर्चा हुआ है।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, यह ठीक है कि टारगेट पूरा नहीं हुआ। हमने मैटीरियल ले रखा है। अब गर्मी आ गई हैं इसलिये अब काम भुरू करेगे।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि हम जन सुविधा को देखकर सडक बनाते हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यमुनानगर से पीपली तक सडक टूटी पडी है, उसकी कब तक रिपेयर करवा दैंगे ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, इस सडक की रिपेयर की बात बहन जी ने अभी हमारे नोटिस मं लाई है हम जल्दी से जल्दी इस पर काम करवाएंगे।

Mr. Speaker: Now, we will take up the regular list of questions for today.

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Agricultural Land

***1221. Sh. Rattan Lal Kataria:** Will the Minister for Revenue be pleased to state the total area of Agricultural Land in the State together with the area of said land which is in possession of the persons belonging to Scheduled Castes in the State at present ?

राजस्व मंत्री (श्री सचदेव त्यागी):

(1) कृशि भूमि का कुल रकबा– 3713858 हैक्टेयर

(2) इसमें से कितना रकबा अनुसूचित जाति के लोगों के पास है। – 74573 हैक्टेयर।

(इस समय श्री रतन लाल कटारिया प्र न पूछे के लिए खडे हुए।)

श्री अध्यक्षः कटारिया जी, यह पगडी किसने बांधी है ? (हंसी)

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, यह लोगों ने बांधी है और अब यह पार्लियामैंट में जाएगी। (विघ्न) इस बार चूंकि लाल किले पर केसरिया लहराया जाएगा इसलिये मैंने अभी से भाुरूआत कर दी है ? (हंसी)

श्री अध्यक्षः अब आप सप्लीमैंटरी पूछें।

श्री रतन लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, जवाब में मंत्री महोदय ने टोटल रकबा और उसमें से जो भाडयूल्ड कास्टस को दिया गया है वह दिखाया है। भाडयूल्ड कास्टस को 74573 हैक्टेयर्ज रकबा दिया गया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह टोटल रकबा ओनरि ाप का है या इसमें से कुछ रकबा टैनसीि ाप का भी है ? अगर है तो कितना रकबा ओनरि ाप का है और कितना टैन्नसीि ाप का है ?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, इसमें दो तरह का एरिया है। ओनरि ाप का भी है और टैन्नसीि ाप का स्टेटस भी है। ओनरि ाप का एरिया 67158 हैक्टेयर्ज है और यह 90 प्रति ात है और टैन्नसीि ाप का जो एरिया है वह 4943 हैक्टेयर है और यह 6.6 प्रति ात बनता है।

डा0 हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इसमें भाडयूल्ड कास्टस का नम्बर कितना है और इस रकबे के मालकान कितने हैं ?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, भाडयूल्ड कास्टस का अलग से तो है नहीं लेकिन मैं मैम्बर साहेबान को यह बता देता हूं कि स्टेट के अन्दर आपरे ानल होल्डर्ज की संख्या 1347391 है और भाडयूल्ड कास्ट होल्डर्ज की संख्या 39925 है जो 2.96 परसैन्ट बनती है।

श्री रतन लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो जानकारी दी है उसके अनुसार 98 परसैन्ट भाडयूल्ड कास्टस हैं। वे लैण्ड लैस हैं। क्या सरकार के ध्यान में ऐसी कोई योजना विचाराधीन है कि जो भाामलात व बंजर भूमि स्टेट के अन्दर फालतू पडी है, वह भूमि ऐसे लोगों को का त करने के लिए दे दी जाए जिनके पास जमीन नहीं है ?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, इसके लिये मैम्बर साहेबान अलग से नोटिस दें।

Declaration of Surplus Land in the State

***1245. Comrade Harpal Singh:** Will the Minister for Revenue be pleased to state –

(a) the total area of land declared surplus under the Ceiling on Land Holdings Act, 1972 in the State so far;

(b) the number of complaints regarding non-transferring of the said land received by the Govt. during the period from 1st July, 1987 to 1st January, 1991; and

(c) the area of land out of that as referred to in part (a) above that has been allotted so far ?

राजस्व मंत्री (श्री सचदेव त्यागी):

(क) हरियाणा भूमि जोत अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत अब तक 26133 एकड भूमि सरप्लस घोशित की गई है।

(ख) 101 ि ाकायतें।

(ग) अब तक 21962 एकड भूमि अलाट की गई है।

कामरेड हरपाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने उत्तर में यह कहा कि 26133 एकड भूमि अब तक सरप्लस घोशित की गई है। क्या सरकार इन आंकडों को ठीक मानती है ? इसके अलावा भूमि के स्थानांतरित करने बारे सरकार को 101 ि ाकायतें प्राप्त हुई हैं। क्या ये बताएंगे कि ये ि ाकायतें किस

किस नेचर की थीं ? क्या इन ि ाकायतों पर सरकार ने कोई कार्यवाही की है ? अगर कोई कार्यवाही की है तो कितने लोगों को इसके लिये सजा दी गयी है ?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, जो 101 ि ाकायतें हमें मिली हैं उन्हें संबंधित डी0सीज0 के पास कानूनी कार्यवाही करने के लिये भेज दिया गया है और अब सरकार के पास इस तरह की कोई ि ाकायतें पैंडिंग नहीं हैं।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, ये जो सूचना दे रहे हैं, यह सही नहीं है। मैं इस बात को चैलेंज करता हूं। लोगों द्वारा दिये गये ऐफीडैविट मेरे पास हैं कि कई कई सालों से सरकार के पास इस तरह के केसिज पैंडिंग पडे हुए हैं जिन पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी। इस तरह मन्त्री महोदय गलत सूचना देकर हाउस को गुमराह कर रहे हैं। जिन जिन अलाटीज को अलाटमैंट की गयी है, उन द्वारा दिये सर्टीफिकेट मेरे पास मौजूद हैं लेकिन जिन को जमीनें अलाट की गयी हैं उनके पास कुछ नहीं है, सब कुछ सरकारी कागजों पर ही है। मालकान इन जमीनों के कोई दूसरे ही हैं। जो ि ाकायतों की बात मिनिस्टर साहब कर रहे हैं कि सरकार ने संबंधित डी0सीज0 को सभी ि ाकायतें कानूनी कार्यवाही के लिये भेज दी हैं, मेरे विचार से यह सारा काम कागजों पर ही है। कोई किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं हुई है। मैं यह जानना चाहता हूं कि इस समय

कोर्ट के अंदर कितने केस चल रहे हैं और कितने लोगों को नोटिसीज इ ा किये जा चुके हैं। ?

श्री सचदेव त्यागी: अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने जवाब में बताया है कि 26133 एकड भूमि सरप्लस है और 4104 एकड भूमि अन्डर लिटिगे ान है और 21962 एकड का एरिया अलाट किया गया है जिसमें से 10007 एकड ऐरिया भाडयूल्ड कास्टस को अलाट किया गया है। टोटल नम्बर आफ बैनीफि ारीज 6332 हैं जिनमें 2972 भाडयूल्ड कास्टस हैं। एरिया अन्डर ऐकचुअल पोजे ान 17928 एकड है जिसमें 8283 एकड भाडयूल कास्टस का है और नम्बर आफ बैनीफि ारीज 5312 हैं जिनमें 2399 भाडयूल्ड कास्टस हैं। अलाटमैंट के लिये जो एरिया हमारे पास बचता है, वह केवल 31 एकड है जो कि हिसार में है।

श्री भागमल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि भाूगर मिल यमुनानगर के पास जो जमीन है वह भी सरप्लस जमीन में इंकलूड की गयी है कि नहीं ?

श्री अध्यक्ष: भागमल जी, यह प्र न भाूगर मिल से संबंधित नहीं है।

श्री सूरज भान: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर लैण्ड सीलिंग एक्ट लागू है और 18 एकड से ज्यादा जमीन किसी के पास नहीं होनी चाहिए। लेकिन यमुनानगर भाूगर मिल वालौं के

पास 116 एकड भूमि है। क्या उनके ऊपर लैण्ड सीलिंग एक्ट की धारा लागू नहीं होती ?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, इसके लिये सदस्य महोदस अलग से नोटिस दें तो हम बता देंगे।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो 101 ि ाकायतें बताई हैं, क्या उनमें कर्ता राम सुपुत्र उदय राम का नाम भाामिल है ?

Mr. Speaker: It is not possible to reply off hand. Harpal Ji, if you have any particular complaint you may hand over the same to the Minister. He will let you know about that.

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये 101 कम्पलेंटस कितनी जमीन की हैं और किस नेचर की हैं और इन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, मैंने पहले ही बताया है कि सरकार को जो 101 ि ाकायतें मिली थीं वे कानूनी कार्यवाही के लिए कंसर्नड डी0सीज0 को भेज दी गई हैं। हमने वायरलैस मैसेज भी भिजवाया है लेकिन अभी तक इंन्फर्मे ान कलैक्ट नहीं हो सकती है। सूचना आते ही उससे अवगत करवा दिया जाएगा।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो सरप्लस जमीन हरिजनों को दी

जाती है यह केवल कागजों में दी जाती है लेकिन उसका पोजे ान उनको नहीं दिया जाता। इसी कारण से हरिजनों के ऊपर अत्याचार हो रहे हैं।

श्री अध्यक्षः यह कोई सप्लीमैंटरी नहीं है, आप बैठिए।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह था कि जो कम्पलेंटस आई हैं। वे किस नेचर की हैं और कितनी जमीन के बारे में आई हैं क्या इनके पास अभी डी0सीज0 से कोई रिपोर्ट आई है। दूसरे मेरे पास कुछ डाकुमैंटस हैं; क्या ये उनको लेने का कश्ट करेंगे ?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, जो इनके पास स्पैसिफिक ि ाकायतें हैं वह मुझे दे दें। उनको एग्जामिन करवा लेंगे और इनकी पूरी तरह से तसल्ली करवा देंगे।

तारांकित प्र न संख्या 1239

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री मोहम्मद असलम खां, सदन में उपस्थित नहीं थे।

Completion of S.Y.L. Canal

***1256. Sh. Kailash Chand Sharma:** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state whether thte construction work of S.Y.L. Canal is in progress ?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) नहीं।

श्री कैला ा चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी की जानकारी में है कि हमारे आदरणीय उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा में अपनी जन सभाओं में घोशणा की थी कि आने वाली फसल यानि सितम्बर तक एस0वाई0एल0 नहर का पानी हरियाणा में आ जाएगा। लेकिन इन्होंने जो उत्तर दिया है उसमें लिखा है कि उस नहर पर कोई काम नहीं चल रहा है। फिर पानी लोने का इन्होंने क्या तरीका खोजा है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, 23.7.90 को पंजाब के चीफ इंजीनियर का चंडीगढ में मर्डर हो गया था। एस0वाई0एल0 का काम उनकी देख रेख में हो रहा था। उसके बाद काम बिल्कुल रूक गया था। इन्होंने पूछा कि पानी कैसे लेकर आएंगे ? जब 23 तारीख को काम रूक गया था उसके बाद 26 तारीख को आदरणीय मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में कैबिनेट की मीटिंग हुई। उसमें पहला रैजोल्यू ान पास करके उस मर्डर को कंडैम किया गया। दूसरा रैजोल्यू ान उस समय के प्राईम मिनिस्टर को बना कर भेजा। उसमें लिखा गया था कि चूंकि यह नहर हरियाणा की लाईफ लाइन है उस पर या तो किसी सैंट्रल एजेंसी से काम भुरू करवाया जाए वरना वर्तमान ठेकेदारों को पूरी सिक्योरिटी प्रोवाइड की जाए ताकि नहर पर काम चल सके। लेकिन उस पर कार्यवाही ही नहीं हुई। उसके बाद जब सैंटर में सरकार बदली तो दोबारा प्राइम मिनिस्टर से खतों किताबत किया। 20.2.91 को हमारे

आदरणीय मुख्य मंत्री जी तथा मैं, प्रधान मंत्री जी से मिले उनकी हाई पावर्ड कमेटी की मीटिंग हुई उसमें आदरणीय प्रधान मंत्री जी, वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर, फाइनैन्स मिनिस्टर, होम मिनिस्टर और उनके सैक्रेटरीज थे। उन्होंने उस मीटिंग में एस0वाई0एल0 कैनाल की कंस्ट्रक ान के बारे में हम से सारे बयान लिये और यह पूछा कि उसका कितना काम हो चुका है और कितना बाकी है। हमारी सारी बात सुनने के बाद प्रधान मंत्री जी ने इस बात का बहुत ही सीरियस नोटिस लिया और यह कहा कि मैं नहीं जानता किसी न किसी तरीके से एस0वाई0एल0 कैनाल का काम पूरा करवाया जाए। इसलिए आदरणीय उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने यह कहा है कि अगली फसल तक एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी हरियाणा में आ जाएगा। गवर्नमैंट औफ इंडिया के आदमी उस नहर को देखने के लिये आए थे और उनको उस समय हमारी तरफ से बाकायदा सिक्योरिटी प्रोवाईड की गई थी। उन्होंने कहा था कि एस0वाई0एल0 की कंस्ट्रक ान का काम जल्दी ही भुरू हो जाएगा।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, रावी ब्यास का अन अलौटिड वाटर 1.7 लाख फुट पानी था जो कि सरकार ने खुद माना हैं मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रावी ब्यास का जो अन अलोटिड वाटर लेकर आए हैं वह अब कहां कहां पर इस्तेमाल हो रहा है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम जो पानी भाखडा मेन लाइन में लेकर आ रहे हैं, वह हरियाणा प्रदे ा में ही यूज हो रहा है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि एस0वाई0एल0 कैनाल की कंस्ट्रक ान का अब तक कितना काम हुआ है और कितना बाकी है। इसके साथ साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि सारे प्रयत्नों के बाद कब तक उस नहर की कंस्ट्रक ान का काम भुरू हो जाएगा और कितने दिन में पूरा हो जाएगा ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने 1987 में आने के बाद एस0वाई0एल0 कैनाल की कंस्ट्रक ान के लिए पूरी कोि ा ा के साथ गवर्नमैंट औफ इंडिया से बार बार मिल करके, उनके साथ खतोकिताबत करके, बार बार विजिट करके उन पर अपना असर डाल कर जो काम करवाया है वह मैं आपको बता देता हूं। स्पीकर साहब, 1987 से पहले पंजाब के एरिया में इस कैनाल की कंस्ट्रक ान के लिए जमीन बिना ऐक्वायर हुए पडी थी। जब कोई नहर की कंस्ट्रक ान करनी होती है तो पहले उसके लिये लैंड ऐक्वायर करनी होती है। चौधरी बंसी लाल जी के मुख्य मंत्री होते हुए पंजाब के एरिया में लैंड ही ऐक्वायर नहीं हो सकी। हमारी सरकार ने पंजाब के एरिया में इस कैनाल की कंस्ट्रक ान के लिये जमीन ऐक्वायर करवाई है कुछ ऐसी जमीन ऐक्वायर हुए बिना रहती है जो पहाडी है और कुछ एरिया फलड के कारण

डैमेज हो गया है जो ऐक्वायर नहीं हो सका। इस तरह की जमीन के अलावा 100 फीसदी जमीन ऐक्वायर हो चुकी है। अर्थ वर्क का काम 93.26 परसैंट पूरा हो चुका है। इसी तरह से लाइनिंग का काम 93.41 परसैंट पूरा हो चुका है। मीडियम और लार्ज क्रौस ब्रिज जो ड्रेनेज के बनने थे वह टोटल 52 थें कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में एक भी ब्रिज नहीं बना था। हमारी सरकार के आने के बाद 52 में से 47 मीडियम और लार्ज क्रोस ब्रिज कम्पलीट हो चुके हैं। इनके अलावा जो रोडज और रेलवे लाइनों पर ओवर ब्रिज बनने थे वह टोटल 76 थे जिनमें से हमारी सरकार ने 62 ब्रिज कम्पलीट कर दिए हैं। कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में इनमें से एक भी ब्रिज कम्पलीट नहीं हुआ था तो हमारे समय में उस कैनाल का इतना काम हो चुका है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा के अंदर तीन नदियों का पानी आ रहा है यानी सतलुज, रावी और ब्यास। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो ब्यास नदी का पानी हरियाणा में आ रहा है वह किन किन इलाकों में जाना चाहिए था और कहां कहां पर यूज हो रहा है ?

11.00 बजे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं इनको बताना चाहता हूं कि यह जो टोटल पानी मिलना है। यह सारे इलाके में नहीं जाना है बल्कि कुछ इलाके में जाना है। हमारे एरिया में इस

नहर का जो काम होना था वह चैनल टेल तक बन चुकी है और जब भी पानी आएगा तो वह पानी टेल एण्ड तक जाएगा।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने कहा कि इस नहर पर काम करने वाले एक चीफ इंजीनियर की चण्डीगढ में जब हत्या हुई तो उससे कुछ देर के लिये काम बन्द हो गया था। इसी संबंध में मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि चीफ इंजीनियर की हत्या से पहले भी वहां पर मजदूरों की हत्याएं हो चुकी हैं। इसलिये क्या हरियाणा सरकार ने भारत सरकार को पत्र लिख कर यह आग्रह किया है कि वहां पर काम करने वाले मजदूरों और अधिकारियों व कर्मचारियों को सुरक्षा देने के लिये केन्द्रीय सेना या सेना बल नियुक्त किए जाएं ताकि इस नहर की खुदाई का काम ठीक प्रकार से हो सके।

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैं इसका जवाब तो पहले ही दे चुका हूं लेकिन फिर भी दोबारा स्थिति कलियर कर देता हूं। चीफ इंजीनियर साहब की हत्या होते ही हमने अपनी कैबिनेट की मीटिंग बुलाई और उस मीटिंग में इस हतया की निन्दा का एक रैज्योल्यू ान पास किया गया यह रैज्योल्यू ान गवर्नमैंट आफ इण्डिया को भेजा गया दूसरा एक और रैज्योल्यू ान पास करके गवर्नमैंट आफ इण्डिया को यह लिखा कि आप वहां पर काम करने वाले स्टाफ को पूरी सुरक्षा की गारंटी प्रोवाइड करवायें। इसके बाद मुख्य मंत्री जी प्रधान मंत्री जी से मिले और प्रधान मंत्री जी ने उसी वक्त हिदायत दी और कहा कि

वहां पर काम करने वालों को बाकायदा सिक्योरिटी प्रदान की जाएगी।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि इस योजना को कन्द्र द्वारा अपने हाथ में लेने से पहले अपनी सरकार का 55 करोड रूपये खर्च हो चुका था। उस पैसे को वापस लेने के लिए सरकार ने क्या प्रयास किए हैं ? इस बारे में मैं यह पूछना चाहता हूं कि इस 55 करोड रूपये में से कितना पैसा वापस मिल चुका है और जो पैसा अभी नहीं मिला है वह क्यों नहीं मिला है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जो यह नहर हरियाणा क्षेत्र में बनी है उसका पैसा तो हरियाणा सरकार की तरफ से लग चुका है लेकिन जो पोर ान पंजाब में बना है और वहां पर खर्चा आया है वह कुछ तो मिल चुका है ओर कुछ को लेने के लिये कार्यवाही चल रही है। हमने बाकायदा सैंट्रल वाटर रिसोर्सिज मंत्री को पत्र भी लिखा है। इसके अलावा सैंटर से जो हमने और आसिस्टैंस मांगी है उसमें भी इस पैसे को लिए जाने का जिकर किया है कि जो पैसा हमारा इस नहर पर पहले खर्च हो चुका है वह भी हमें वापस दिया जाये।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बडे विस्तार के साथ बताया है कि केन्द्रीय सरकार के साथ मीटिंगें हुई हैं और कई बार सेंटर के मिनिस्टर को लिखा भी जा

चुका है। साथ ही यह भी कहा है कि वहां पर कुछ राजनैतिक और सामाजिक हालात की वजह से इस नहर के काम में बाधा है। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि पंजाब में जिन लोगों की वजह से यह हालात पैदा हो गए हैं उनके साथ इनकी दोस्ती भी है। (ाोर) मैं जानना चाहता हूं कि इन्होंने उनके साथ क्या प्रयास किए हैं जिससे यह नहर जल्दी से जल्दी बन सके ?

Prof. Sampat Singh: Speaker Sir, it is a political stunt.

मैंने कोई सो ाल या पोलिटिकल हालात का जिकर नहीं किया। स्पीकर साहब, ये बार बार उनके साथ हमारी दोस्ती की चर्चा करते रहते हैं यह गलत बात है। (ाोर) मैं इनको स्पश्ट कर देना चाहता हूं कि पंजाब से जब भी उग्रवादी हरियाणा में आए और उन्होंने यहां पर आकर गडबड फैलाने की कोि ा ा की तो उनको मुंह तोड जवाब दिया गया। यहां पर आने पर या तो वे मारे गए हैं या फिर जेलों की सलाखों में बंद किए गए हैं। हमने पंजाब के उग्रवादियों को हरियाणा के अंदर एक कदम नहीं रखने दिया। (ाोर) आपकी पार्टी के लोग ऐसा करते होंगे। (विघ्न)

Mr. Speaker: I would not permit interruptions like this. Please take your seats. Next question.

Primary School Building Sector 13, Karnal

***1289. Seth Lachhman Dass Bajaj:** Will the Minister of State for Education be pleased to state –

(a) whether it is a fact that the school building of Urban Estate in Sector 13, Karnal is meant for Primary School;

(b) if so, whether it is also a fact that the classes upto 10th class are being held in the same building as referred to above; if so, the reasons therefor;

(c) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct building for starding 10+2 system for Sector 13, 14 and 6 Urban Estate and Char Chaman Colonies in District Karnal; and

(d) if so, the time which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

कृशि मंत्री (श्री कि ान सिंह सांगवान):

(क) हां।

(ख) हां। राजकीय उच्च विद्यालय चौडा बाजार करनाल की कक्षाओं को ि ाफ्ट करना पडा क्यौंकि चौडा बाजार करनाल के स्कूल के किराए का भवन क्षतिग्रस्त तथा असुरक्षित हो गया था।

(ग) हुडडा ने 4.74 एकड भूमि सैक्टर 13, भाहरी सम्पदा में अलाट कर दी है ओर 10 जमा 2 कक्षाओं की व्यवस्था के लिए भवन हुडडा द्वारा भीघ्र बनवाया जाएगा जब कभी भी नए भवन का निर्माण हो जाएगा तब उस स्कूल को ि ाफ्ट कर दिया

जायेगा और यह स्कूल सैक्टर 14, 6 तथा चार चमन कालोनी की आव यकताओं को भी पूरा करेगा।

(घ) इस समय कोई समय सीमा नहीं दी जा सकती।

सेठ लछमन दास बजाजः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि सैक्टर 13, 14, 6 और चार चमन एरिया में केवल एक ही सरकार प्राइमरी स्कूल है। उस स्कूल में भी 700 बच्चे पढते हैं और केवल 5 कमरे ही वहां पर हैं। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जब तक वहां पर किसी और स्कूल की व्यवस्था नहीं की जाती तब तक क्या उस स्कूल में और कमरे बनवा कर उसका दर्जा बढाया जायेगा। यानि उसे दस जमा दो तक कर देंगे ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः स्पीकर साहब, प्राईमरी स्कूल की बिल्डिंग जहां हाई स्कूल चल रहा था वह किराये की थी और उसे असुरक्षित घोशित कर दिया गया था। इस प्राइमरी स्कूल में हाई क्लासिज चल रही हैं और जगह कम है। जो बिल्डिंग बनाई जानी है वह हुडडा द्वारा बनाई जानी है। हमारी यह कोि ा ा है कि हुडडा जल्दी ही इस बिल्डिंग को बनवा दे।

सेठ लछमन दास बजाजः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि जब तक बिल्डिंग के और कमरे नहीं बन जाते क्या बच्चे तब तक बाहर यूं ही बैठे रहेंगे और जब

तक बिल्डिंग बन नहीं जाती, क्या सरकार बच्चों के बैठने के लिये कोई और प्रबन्ध करने की कृपा करेंगी ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, जहां इस समय स्कूल चल रहा है वहां पर 5 कमरे हैं और बरामदा भी है जहां बच्चे बैठ सकते हैं फिर भी यदि कोई आव यकता हुई तो टैंट वगैरा का इन्तजाम करवा दिया जाएगा।

चौधरी सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जहां बिल्डिंग बनाई जा रही हैं, क्या वहां पर बच्चों के खेलने के लिए मैदान की भी व्यवस्था की गई है ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः स्पीकर साहब, जहां खेल के मैदान नहीं हैं सरकार गम्भीरता से विचार करेगी कि वहां पर खेल मैदान उपलब्ध करवाए जाएं।

Panchayat and Shamlat Deh Land

***1232. Sh. Ran Singh Mann:** Will the Development & Panchayat Minister be pleased to state the district wise Panchayat and Shamlat Deh land sold, leased out or acquired during the period from June, 1987 to date in the State togetherwith the names of persons who have taken the possession of said land ?

विकास मंत्री (श्री सुभाश चन्द कटियाल): अभिश्ठ सूचना के संकलन हेतू अपेक्षित श्रम व समय विशय में संभावित उद्दे य प्राप्ति के समरूप नहीं होगा।

श्री रण सिंह मान: स्पीकर साहब, पिछले सै ान में भी मैंने इस बारे में प्र न किया था जो कि ऐडमिट हुआ था लेकिन समय की कमी के कारण वह प्र न टेक अप नहीं हो सका था। करीब 2 महीने पहले मैंने दुबारा यह प्र न डाला था और यह आज के लिए ऐडमिट भी हुआ है। जब पहले ये प्र न ऐडमिट हुआ था तो मैंने तत्कालीन मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी को पत्र भी लिखा था। नि चत रूप से मंत्री महोदय के पास यह सूचना होगी कि किन किन गांवों की पंचायती जमीन पर और भाामलात देह पर किन किन लोगों ने प्र ाासन की मदद से या प्र ाासनिक अधिकारियों की मदद से नाजायज कब्जे कर रखे हैं। (विघ्न) चौटाला साहब के आदमियों ने भी कब्जे कर रखे हैं। (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Mr. Maan this is not the way. Either you put a specific supplementary or take your seat.

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): स्पीकर साहब, मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि पंचायतों की जमीन लोकहित कार्यों के लिए ऐक्वायर की जाती है। अगर कोई व्यक्ति पंचायत की जमीन पर नाजायज कब्जा करता है तो ऐक्ट के तहत उस पर केस चल सकता है। ये कह रहे हैं कि जमीन पर ऐसे वैसे लोगों

का कब्जा है, चौटाला साहब का कब्जा है या चौटाला साहब के लोगों का कब्जा है। स्पीकर साहब, ये इधर उधर की बात न करते हुए अगर कोई स्पैसिफिक बात हो तो मेरे नोटिस में लाएं, मैं बाकायदा उसकी जांच करवाऊंगा।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि यह सवाल मंत्री जी को कब मिला, डिपार्टमैंट में कब आया और सवाल पहुंचने के बाद क्या ऐफर्टस की गई कितना टाईम इनको दरकार था और कितना टाईम इनको मिला ?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, इस प्रकार की 8 लाख एकड सारी जमीन है जो पंचायतों की है। इसमें से 2 लाख एकड जमीन कल्टीवेबल है। हरियाणा में 5792 पंचायतें हैं और अगर एक पंचायत के 10 पटटे भी हों तो 57920 पटटे हो जाते हैं। इतने आदमियों की सूचि तैयार करने में 2–3 महीने का समय तो लगेगा ही।

श्री अध्यक्षः इन का सवाल यह था कि प्र न आपको कब मिला और इस बारे में क्या कोि ा ा की गई है ?

श्री सुभाश चन्द कटियालः यह सवाल डिपार्टमैंट में कुछ दिन पहले आया होगा और मुझे 5–7 दिन पहले ही मिला है। (विघ्न)

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, 1987 से किन किन लोगों ने पंचायतों की जमीन लीज पर ली है, इसका जवाब बनाने में काफी लम्बा समय लगेगा क्योंकि पौने छः हजार पंचायतों की जमीन किन लोगों द्वारा लीज पर ली गई हैं, यह सारी इन्फर्मे ान इकटठी करने में काफी समय लगेगा।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी को सवाल जब जाता है तो वह डिपार्टमैंट के पास बाद में पहुंचता है। पहले मंत्री जी के पास ही जाता है, उसके बाद वह उसको आगे भेजते हैं। आप देखें, मंत्री जी कह रहे हैं कि आया होगा। इतनी बात तो वह अपने अफसर से भी पूछ सकते हैं कि किस दिन आया था ताकि सदन को यह पता लग जाये कि इसके लिये कोई ऐफर्टस हुई भी हैं या नहीं हुई हैं। इसलिये मैंने पूछा है कि किस तारीख को आया, यह बता दें। उसके बाद क्या ऐफर्टस हुई और वे ऐफर्टस करने के बाद उनको यह पता लगा होगा कि कितना टाईम इसके लिये और दरकार था। लेकिन इन्होंने तो यह लिख दिया है कि जवाब देने से हमारा परपज सर्व नहीं होगा क्योंकि इसमें लेबर अधिक लग जायेगी। ये कैसे कह सकते हैं कि कुछ परपज सर्व नहं होगा। आफटर आल वह पंचायत की लैंड है। अगर इसका मिस यूटेलाईजे ान हुआ है तो इसके बारे में सूचना अगर आप सदन के सामने नहीं रखेंगे, हरियाणा की जनता के सामने नहीं आयेगी तो बात कैसे बनेगी। स्पीकर साहब, आप ही बताईये, क्या इस प्रकार का जवाब देना उचित है। (व्यवधान व भाोर)

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर्ज को यह पता है कि पंचायत की जमीन हर गांव में है और वह हर साल पटटे पर दी जाती है। 1987 से हरेक पंचायत की जमीन किस किस आदमी ने ली, कब ली और कितने पैसे में ली, यह इन्फर्मे ान इकट्ठी करने में बहुत समय लगेगा ? (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः नैक्सट क्वै चन प्लीज।

तारांकित प्र न संख्या 1275

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य कैप्टन अजय सिंह यादव सदन में उपस्थित नहीं थे।

वाक आउट

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पंचायत और भाामलात देह सम्बंधी रणसिंह मान जी के सवाल नं0 1232 के बारे में मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। I am not asking any supplementary or any thing of that sort. इस सवाल का जो जवाब आया है, वह आपने देख लिया है। मंत्री जी ने भी कहा और मुख्य मंत्री जी ने भी यह कहा है कि हरियाणा में 6000 के करीब पंचायतें हैं। पूछी गई सूचना यह देने के लिये तैयार नहीं हैं। अगर यह कहते कि इतना टाईम चाहिये एक महीना चाहिये, दो महीने चाहिये, छः महीने चाहिये या ज्यादा समय चाहिये तब भी बात इनकी बन जाती। मगर इन्होंने तो यह जवाब दिया है कि–

"Time and labour involved in collecting the requisite information will not be commensurate with the purpose likely to be derived in the matter."

आपने यह सवाल ऐडमिट किया। कोई भी सवाल जब ऐडमिट आप करते हैं तो पूरी तरह से गौर करके करते हैं कि आया इस सवाल में पब्लिक इन्ट्रैस्ट इन्वाल्वड है या नहीं है। मैं आपसे यह रूलिंग चाह रहा हूं कि क्या सरकार का यह जवाब संतोशजनक है ? क्या इस सवाल में कोई पब्लिक इन्ट्रैस्ट इन्वाल्वड है या नहीं है ?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, मैं भी इनके साथ ही आपसे एक रूलिंग चाहूंगा। जब हमारे मंत्री महोदय ने और मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब दिया और उससे आप संतुश्ट हुए तभी तो आपने दूसरे प्र न के लिये दूसरे मैम्बर को काल अपौन कर दिया था। इसलिए मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा कि जब दूसरा प्र न काल कर लिया गया हो तो क्या पहले प्र न के बारे में कोई जिक्र किया जा सकता है ?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): स्पीकर साहब, यह 1987 से लेकर अब तक की सूचना मांग रहे हैं। इस पीरियड के कम से कम अढाई तीन लाख आदमी बनेंगे जिन्होंने पंचायत की जमीन लीज पर ली है। 1987 से लेकर अब तक के अढाई तीन लाख आदमियों की लिस्ट चाहिये, तो वह तो बडी लम्बी लिस्ट होगी। अगर उसमें एक एक दो तीन चार पंचायतों की जमीन के बारे में

यह इन्फर्मेशन पूछते तो उसको बडी आसानी से दिया जा सकता था।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता था कि जो प्वांयट मैंने रेज किया है उसके बारे में आपकी रूलिंग क्या है ?

Mr. Speaker: It does not require a ruling.

श्री वीरेन्द्र सिंहः अगर आपकी यही रूलिंग है और जिस ढंग से इस सवाल का जवाब दिया गया है हम उससे सन्तुश्ट नहीं हैं तथा वाक आउट करते हैं।

(इस समय विपक्ष के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

तारांकित प्रश्न संख्या 1282 तथा 1310

ये प्रश्न पछे नहीं गए क्योंकि माननीय सदस्य श्रीमती कमला वर्मा तथा श्री परमानन्द क्रमशः इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।

Police Station Jagadhri

***1362. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state –whether there is any proposal under consideration of the Govt. to constructe a

building for the Police Station, Jagadhri City during the financial year 1991-92 ?

Home Minister (Prof. Sampat Singh): No, Sir.

डा0 बृज मोहन गुप्ताः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जगाधरी के थाने की बिल्डिंग की जरूरत नहीं है ? दूसरा सवाल यह है कि इस वक्त जो थाना चल रहा है वह कहां चल रहा है, कब से चल रहा है और उसका किराया कितना है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने यह नहीं कहा कि थाने की जरूरत नहीं है। वहां पर बाकायदा थाने की जरूरत है। स्पीकर साहब, पहले भी वह थाना धर्म ाला में चल रहा था। इन्हीं के कहनेसे वह जगह खाली कराई गई थी। थाने की बिल्डिंग के लिये हमने चार एकड जमीन ले ली है लेकिन धनाभाव के कारण इस साल थाने की बिल्डिंग नहीं बन सकी है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस बिल्डिंग का किराया कितना है कहां वह थाना चल रहा है और क्या जो जमीन थाने के लिये ली गई है, उस पर बिल्डिंग बनाने की ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐप्रूवल मिल गई है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पहले वह थाना धर्म ाला में चल रहा था। और इनके कहने से उसको खाली कराया गया। दो तीन तक धर्म ाला और थाने की बात चलती रही। ग्रिवैन्सिज कमेटी में हाउस में यही बात होती रहती थी।

इसीलिये इनके कहने के मुताबिक वह थाना प्राइवेट बिल्डिंग में ि ाफ्ट कर दिया। जहां तक किराए की बात है हम किराया तो दे रहे हैं। यह ठीक है कि धर्म ाला में किराया नहीं देना पडता था। थाने के लिये चार एकड जमीन ले ली है लेकिन इस साल धनाभाव के कारण वह बिल्डिंग नहीं बन सकी। स्पीकर साहब, हम वहां पर फर्स्ट क्लास बिल्डिंग बनाएंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कितने थाने ऐसे हैं जिनको बिल्डिंग्ज नाकारा हैं ?

Mr. Speaker: Arya Ji, it is not possible to give reply off hand.

श्री योगे ा चन्द भार्माः स्पीकर साहब, फरीदाबाद में सैंट्रल पुलिस स्टे ान, एस0एस0पी0 का दफतर और दो तीन पुलिस डिपार्टमैंट के आफिस स्कूलों में चल रहे हैं और उसके कारण बच्चों को ि ाक्षा नहीं मिल रही है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन स्कूलों की बिल्डिंग्ज को कब तक खाली करवा दिया जाएगा ताकि बच्चों को ि ाक्षा मिल सके ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि बहुत सी बिल्डिंग्ज में उनका नम्बर बताना तो आसान नहीं है, पुलिस के औफिसिज चल रहे हैं। कहीं धर्म ाला में चल रहे हैं, कहीं स्कूलों में चल रहे हैं लेकिन सरकार की पूरी कोि ा ा है कि इनको अपनी ही बिल्डिंग्ज में चलाया जाए। धीरे धीरे पुलिस

के लिए मकान बनाए जाएंगे। अब से पहले इस तरफ ध्यान नहीं था लेकिन अब इस तरफ ध्यान दिया जा रहा है।

Construction of a Bridge on Sadhaura Nadi

***1412. Sh. Bhag Mal:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state –

(a) wether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a bridge on Sadhaura Nadi; and

(b) if so, the time by which the afore-said bridge is likely to be constructed.

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) जी हां।

(ख) पुल का निर्माण धन की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने लिखित उत्तर में यह कहा है कि सढौरा नदी पर पुल के निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन है। अध्यक्ष महोदय, इस पुल के न बनने से कम से कम 15 गांव बिल्कुल कट औफ हैं और वे गांव लगभग साल में आठ महीने दूसरी जगहों से कट आफ रहते हैं। क्या सरकार इस पुल के निर्माण को प्रायरिटी बेसिज पर भीघ्र ही बनवाने का प्रबन्ध करेगी ताकि लोगों को आने जाने में सुविधा हो सके ?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, 26 पुलों पर पहले ही काम चला हुआ है। जितने पुलों की स्वीकृति हमारे पास है उस लिस्ट में इस पुल का नाम भी पडता है। उस पर काम तभी भुरू होगा जब हमें पूरा पैसा मिलेगा।

डा0 हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मारफत मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इन पुलों के निर्माण के संबंध में अगर सरकार ने कोई प्रायरिटी लिस्ट बनाई हुई है, तो वह क्या है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, 26 के 26 पुलों पर काम चालू है। जब जब समय समय पर फण्डज आते रहते हैं उसी के अनुसार काम भी चलता रहता है।

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इस पुल के इलावा मेरे हल्के में कोई और पुल भी मंजूर हुए हैं ? अगर कोई मंजूर हुए हैं तो वे कौन से हैं ?

अध्यक्षः यह प्र न रैलेवेन्ट नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जो पुल इन्होंने बताए हैं इनकी स्वीकृति कब हुई थी ? क्या इनके मंजूर होने के बाद दूसरे और पुल भी बनाये गये हैं ? क्या किसी और पुल पर भी इन पुलों के बाद काम भुरू हुआ है ?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, इन पुलों की स्वीकृति 5.8.87 को हुई थी और 29 लाख रूपए का धन इनके लिये स्वीकृत हुआ था।

श्री योगे ा चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद एक बडा भारी इंडस्ट्रीयल टाउन है और वहां पर तीन चार पुलों की आव यकता है। आज भी पेपर्ज में था कि भाताब्दी एक्सप्रैस के नीचे आकर कल 8 आदमी मर गये हैं क्योंकि वहां पर कोई पुल नहीं है। इसी प्रकार से रोजाना ही वहां पर कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। हजारों आदमी मरते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

गृह मुंत्री (प्रोफेसर सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, हजारों आदमियों के मरने वाली कोई बात नहीं है।

(श्री योगे ा चन्द भार्मा की ओर से विघ्न)

Mr. Speaker: Sharma Ji, is it the way to put a supplementary ? You are an Advocate of Hon'ble High Court. You should put a supplementary with responsibility.

Sh. Yogesh Chand Sharma: Sir, I was just making a request.

Mr. Speaker: But this is not the way. I would not permit you. Please take your seat. Next Question.

Bridge over Ghaggar River

***1405. Sh. Buta Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal to

construct a bridge at Dandota over the Ghaggar River in Gulha Constituency; if so, the time by which the said bridge is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) जी हां।

(ख) पुल का निर्माण धन की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

सरदार बूटा सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल ने ढन्ढोता में घग्गर नदी पर पुल के निर्माण के लिये नींव पत्थर रखा था। क्या यह बात मंत्री महोदय के नोटिस में है ?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, स्वीकृति तो है लेकिन उस पर चौधरी भजन लाल ने नींव पत्थर रखा था, इसका हमें पता नहीं। जो जरूरी सडकें हैं, उनको पहले बनाया जाएगा, उसके बाद ही यह पुल बन सकेगा। जैसे पानीपत से समालखा, पानीपत से गोहाना और फरीदाबाद से गुडगांव वाया बडखल इत्यादि इत्यादि सडकें पहले बननी जरूरी हैं। तभी जाकर पुलों का निर्माण कार्य भाुरू होगो लेकिन इनके पुल का नम्बर तो देर में आने की सम्भावना है।

श्री अध्यक्षः क्वै चन आवर का समय क्योंकि बाकी है इसलिये मैं दोबारा उन मैम्बर साहेबान को काल अपोन करूंगा जो

पहले हाउस में उपस्थित नहीं थे ताकि वे अपने सवाल पुट कर सकें।

तारांकित प्र न संख्या 1239 व 1275

ये प्र न इस समय भी पूछे नहीं गए क्योंकि माननीय सदस्य श्री मोहम्मद असलम खां और कैप्टेन अजय सिंह यादन क्रम ाः सदन में उपस्थित नहीं थे।

Vacant Posts of School Teachers in Yamunanagar District

***1282. Smt. Kamla Verma:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether any posts of Sanskrit, Hindi, Science and Math teachers are lying vacant in Govt. Schools in District Yamuna Nagar at present; if so, the details thereof; and

(b) the time by which the said posts are likely to be filled up ?

कृशि मंत्री (श्री कि ान सिंह सांगवान):

(क) सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ख) इन पदों को आगामी भौक्षणिक सत्र 1991–92 में ही भरे जाने की सम्भावना है।

Statement showing the Post of Sanskrit, Hindi, Science and Mathematics Teachers which are vacant in Govt. Schools in District Yamuna Nagar.

Sr. No.	Name of School	Sanskrit	Hindi	Science	Mathematics
1	Govt. High School, Abaher	1			
2	Do Buria	1			
3	Do Devdhar	1		1	1
4	Do Hebatpur	1	2		1
5	Do Khadri	1	1	1	1
6	Do Sabapur	1		1	1
7	Do Choli Rampur		1		1
8	Do Kalawar		1		
9	Do Kotkalsia		2		1
10	Do Khijrabad		1		
11	Do Karera Khurd		1		
12	Do Laharpur		1		
13	Do Saran		1	2	
14	Do Mugalwali		1	1	

15	Do Salehpur		1		
16	Do Syalba		1		
17	Do Saranwa		1	1	
18	Do Khurdban		1		
19	Do Atawa		1		1
20	Do Ledi		1		2
21	Do Lalhari Kalan		1		2
22	Do Dhanoura		1	2	1
23	Do Bilaspur (G)			1	
24	Do Chamroli			1	
25	Do Fatehgarh			1	
26	Do Gundiana			1	1
27	Do Kunjal Jattan			1	1
28	Do Mussimbal			1	
29	Do Talakur			1	
30	Do Jagadhri (G)			1	
31	Do Haripur (Kamboj)			1	
32	Do Chhachrauli (G)				1
33	Do Mustfabad				1

34	Do Camp Yamuna Nagar				1
35	Do Bahadurpur				1
36	Govt. Middle School, Mehmoodpur	1			
37	Do Pabni Kalan	1		1	
38	Do Kajibans	1			
39	Do Chhappar	1			
40	Do Barsan	1			
41	Do Lakar	1			
42	Do Kheridabdaban	1			
43	Do Tahar Pur Kalan	1			
44	Do Jamalpur		1	1	
45	Do Sadhoura		1		
46	Do Mandebri		1		
47	Do Madhar (Radour)		1		
48	Do Dadupur		1		
49	Do Amadalpur		1		
50	Do Gorabibipur		1		

51	Do Kalesher		1		
52	Do Meharmajra		1		
53	Do Machrouli		1		
54	Do Topra Kalan		1		
55	Do Alipur			1	
56	Do Jagdholi			1	
57	Do Kathwala			1	
58	Do Mandhar (J)			1	
59	Do Pansra			1	
60	Do Tejli			1	
61	Do Sadipur		1		
62	Govt. Senior Secondary School, Chharchrouli		1		
	Total	14	33	26	18

श्रीमती कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहती हूं कि ये रिक्तियां कब से हैं और इनको भरने के लिए अब तक क्या बाधा रही ?

श्री कि ान सिंह सांगवान: स्पीकर साहब, ये रिक्तियां कब से हैं यह तो क्या कहा जाता है। रिक्तियां तो हैं लेकिन इनको भरे जाने की जहां तक बात है इस बारे में पहले ही सारे

हाउस को मालूम है कि इंटरव्यू चल रहे हैं। जे0बी0टी0 का तो इंटरव्यूम खत्म हो चुका है और सैकेण्डरी स्कूल्ज के लैक्चरर का अभी चल रहा है। जितनी भी एडवरटाइजमैंटस हुई थीं, मुझे उम्मीद है कि इस महीने मैं सभी की इंटरव्यू पूरी हो जाएगी।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, पीछे एस0एस0एस0 बोर्ड के जरिए एस0एस0 मास्टर्ज की सिलैक ान हुई थी। क्या वे सभी लगा दिये हैं अगर नहीं तो क्या ये रिक्तियां उनसे पूरी नहीं की जा सकती थीं ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः स्पीकर साहब, जो लिस्ट एस0एस0 एस0 बोर्ड से आई थी उनको सभी को हम नहीं लगा सके क्योंकि 1987 में बोर्ड ने पोस्टस एडवरटाइज की थीं और उनसे लिस्ट अक्तूबर 1988 और मई 1989 में आई। इस दौरान हमने एडहोक बेसिज पर अप्वायंटमैंटस कर लीं। जब उनको हटाने लगे तो वे लोग हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से स्टे ले आए। इसलिए हम पूरे कैंडीडेट नहीं लगा सके। उसके बाद सरकार ने मियाद बढा कर उनको लगाने की कोि ा ा की है लेकिन कुछ अभी भी बचे हुए हैं।

Purchase of Buses

***1310. Sh. Parmanand:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) the number of ful size and mini buses purchased by the Transport Department during the year 1988-89 and

1989-90 todate alongwith the details of cost of chasis, body and make thereof separately; and

(b) the number of seats available in the buses as referred to in part (a) above ?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री वेद सिंह मलिक): (क) तथा (ख) अपेक्षित सूचना अनुबन्ध–बी में दी गई है जो कि विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

अनुबन्ध "बी"

वर्श	खरीदी गई बडी/छोटी बसें	चैसिज की कीमत रूपए	बस बाडी बनाने पर लागत रूपए
1988–89	टाटा बडी बसें 291	229530 से 248116	106704 से 115061.50
	ले लैण्ड बडी बसें 241	231705 से 247292	109849 से 122200.06
	स्वराज माजदा छोटी बसें 21	177403	91711.10
	डी0सी0एम0 टयोटा छोटी बसें 20	174643	91640.80
	आय ार मिनी बसें 20	178200	83854.91
1989–90	टाटा बडी बसें 316	261872 से 279611	116890.97
	ले लैण्ड बडी बसें 269	260547 से 278889	123952.13
1990–91	टाटा बडी बसें 90	290714 से	116890.97

		313898	(टैन्टेटिव)
	ले लैण्ड बडी बसें 90	291163 से 316733	123952.13 (टैन्टेटिव)
	टाटा मिनी बसें 18	215760.35	86000.00 (टैन्टेटिव)
	ले लैण्ड मिनी बसें 20	224277.70	91000.00 (टैन्टेटिव)
	स्वराज माजदा मिनी बसें 65	215724.58	91711.10 (टैन्टेटिव)
	डी0सी0एम0 टयोटा मिनी बसें 60	220253.87	91640.80 (टैन्टेटिव)
	आय ार मिनी बसें 11	225955.00	83854.91 (टैन्टेटिव)

विभिन्न प्रकार की बसों में सीटों की संख्या निम्नलिखित हैं :–

क्रम संख्या	बस का मेक	सीटों की संख्या
1	ले लैण्ड बडी बसें	54
2	टाटा बडी बसें	52

3	ले लैण्ड मिनी बसें	27
4	टाटा मिनी बसें	24
5	स्वराज माजदा मिनी बसें	23/28
6	आय ार मितसुबिसी मिनी बसें	19/22/23
7	डी0सी0एम0 टयोटा मिनी बसें	19/22

श्री परमानन्दः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने जो स्टेटमैंट पटल पर रखी है उसमें यह बताया है कि मिनी बसें खरीदी हैं। मैं जानना चाहता हूं कि मिनी बसों का और बडी बाडी की बस का ब्रेक ईवन प्वायंट क्या बनता है ? यानि कितनी सवारियों पर मिनी बस का खर्चा पूरा होता है ? इस समय जो मिनी बसें चल रही हैं, क्या उनका खर्चा पूरा हो जाता है ?

श्री वेद सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मिनी बस से 2.50 से 2.75 रूपए पर किलोमीटर आय होती है और उसका खर्चा 3.90 रूप्ये पर किलोमीटर आता है। वह प्रति लीटर 6.50 किलोमीटर चलती है। बडी बसों की आय 4.25 रूपये प्रति किलोमीटर है और व्यय 4.22 रूपये है। वे प्रति लीटर 4.25 किलोमीटर चलती हैं।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बताएंगे कि विभाग ने जो मिनी बसें टाटा से खरीदीं, इसके बारे में उसने क्या सिफारि ा की थी ? ये बसें हरियाणा प्रदे ा में उपयोगी नहीं हैं फिर भी इनकी खरीद क्यों हुई ?

श्री वेद सिंह मलिकः स्पीकर साहब, विभाग की तरफ से कोई ऐसी बात नहीं हुई। जब आदरणीय चौधरी देवी लाल जी यहां पर मुख्य मंत्री थी, उस दौरान ये बसें खरीदी गई। उस समय एक हाई पावर्ड परचेज कमेटी बनाई गई थी जिसके चेयरमैन श्री किरपा राम पुनिया थे।

Mr. Speaker: Question Hour is over please.

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैंने एक कालिंग अटैं ान मो ान दिया है। पिछले दिनों हरियाणा में एच0सी0एस0 की परीक्षा हुई थी उसमें बहुत धांधली हुई थी। एच0सी0एस0 की परीक्षा में जो धांधलियां हुई उनके कारण से हरियाणा प्रदे ा की एक कारपोरे ान के चेयरमैन ने अपना त्याग पत्र दे दिया। एच0सी0एस0 आफिसर्ज हरियाणा प्रदे ा के उच्च कैटेगरी के आफिसर्ज हैं जो प्रदे ा का प्र ाासन चलाते हैं। एच0सी0एस0 की परीक्षा में सरकार ने अपने चहेतों को सर्विस में लाने के लिए अलग कमरों में बैठा कर पेपर हल करवाए। (ाोर)

Mr. Speaker: Sharma Ji, would you please listen to me ? I have received the notice of your calling attention motion just today and that is under consideration.

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, कल आपने जब कहा कि कर्मचारियों के बारे में हमारी तरफ से एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस आपको रिसीव हो गया है और उसके बारे में

आप अपना फैसला बाद में बता देंगे तो हम उसी वक्त बैठ गए थे लेकिन भााम को आपकी तरफ से हमें एक चिटठी मिल गई कि वह आपने रिजैक्ट कर दिया। इसलिए हमें यह खद ाा है कि कहीं आप इस बारे में भी कल की तरह ही हमें भााम को चिटठी न दे दें। (ाोर)

Mr. Speaker: Please take your seat. I will look into it. (Noise & Interruptions).

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, एच0सी0एस0 की परीक्षा का मामला बडा अहम है। उसकी परीक्षा में हुई धांधलियों के विरोध में प्रजा का साधारण आदमी कुछ कहे तो और बात है लेकिन राज महल के आदमी ने अपना इस्तीफा दिया है। और इस बिना पर अपना इस्तीफा दिया क्योंकि उसके बच्चों की एच0सी0एस0 परीक्षा में मदद नहीं की गई। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: भार्मा जी, आप बैठिए।

श्री राम बिलास भार्मा: क्या आप इसका कल जवाब देंगे ?

श्री अध्यक्ष: हां, इसका जवाब कल दे देंगै। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैंने आपकी सेवा में एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया है कि फोरेन लाइव स्टोक फार्म भिवानी में गऊएं मर गई हैं। वे गऊएं किस

आफिसर की लापरवाही के कारण मरी हैं, मैं यह जानना चाहता हूं।

Mr. Speaker: I have received it and that is under my consideration.

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री किरपा राम पुनिया द्वारा

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, अभी थोडी देर पहले तारांकित प्र न संख्या 1310 के ऊपर श्री राम बिलास भार्मा जी द्वारा पूछे गए सप्लीमैंटरी का जवाब देते हुए ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर ने कहा कि पुनिया साहब हाई पावर्ड परचेज कमेटी के चेयरमैन थे। उस बारे में मैं इनको बताना चाहता हूं। (ाोर)

Mr. Speaker: Punia Ji, this is not the time.

Sh. Kirpa Ram Punia: Speaker Sir, I would not take much time. Just to put the record straight, I want to submit that I was never a Chairman of the Purchase Committee at any stage when I was a Minister. (Noise & Interruptions).

सहकारिता मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर साहब, पुनिया साहब, पुनिया साहब उस समय हाई पावर्ड परचेज कमेटी के चेयरमैन थे। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे एक निवेदन है कि कल जब मैं सदन में उपस्थित नहीं था तो मेरे

खिलाफ बडे गम्भीर आरोप लगाएं गए। क्या आप मुझे पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देने की इजाजत देंगे ? (ाोर)

Mr. Speaker: Please let me finish the zero hour. (Noise & Interruptions).

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मुझे अभी समय दे दीजिए।

Mr. Speaker: Have you to speak on the Budget or not ? अगर आपने बजट पर बोलना है then you can clarify your position in your speech.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, बजट पर मैं बोलूं या न बोलूं। मुझे आप अपनी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देने के लिए इस समय टाईम दे दें। (ाोर)

Mr. Speaker: When you speak on the Budget, you may clarify your position then.

Please take your seat now and let me proceed further.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा में एक वि ोशाधिकार हनन के मामले संबंधी पत्र भेजा हुआ है, उसके बारे में आपने क्या कार्यवाही की है ? (ाोर)

श्री अध्यक्षः अत्री जी, आप कृपया बैठें।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

हरियाणा ऐग्रो तथा अन्य प्राईवेट एजैंसियों द्वारा घटिया किस्म की कीटना ाक दवाई सप्लाई करने संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of calling attention motion from Sh. Rattan Lal Kataria, M.L.A., regarding pesticides suppled by the Haryana Agro or other private agencies. I admit it. श्री रतन लाल कटारिया अपना नोटिस पढ दें और उसके बाद यदि कन्सर्न्ड मिनिस्टर साहब स्टेटमैंट देना चाहें तो दे दें।

श्री रतन लाल कटारिया: स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा एग्रो द्वारा या अन्य प्राईवेट एजेंसियों द्वारा इस वर्श खरपतवार के विना ा के लिए जो कीटना ाक दवाई सप्लाई की गई उसने गेहूं की फसल के अन्दर 'मन्डूसी' या अन्य खरपतवार का विना ा करने में कोई असर नहीं दिखाया है जिसके कारण से किसानों की फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पडा है जिसके परिणामस्वरूप इसका गेहूं तथा अन्य फसलों की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। इसलिए, मैं निवेदन करता हूं कि सरकार इस संबंध में की गई कार्यवाही के बारे में इस महान सदन को सूचित करे।

वक्तव्य–

कृशि मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

कृशि मंत्री (श्री कि ान सिंह सांगवान): अध्यक्ष महोदय,'मन्डूसी' (कनकी) गेहूं की फसल का हानिकारक खरपतवार है, तथा यदि इस खरपतवार का नियन्त्रण न किया जाये तो पैदावार में काफी कमी आ जाती है। इस खरपतवार का नियन्त्रण आईसोप्रोटूरान खरपतवारना ाक दवाई का प्रयोग करके किया जा सकता है। जैसा कि यह महान सदन जानता है गत वर्शों में इस खरपतवार ना ाक दवाई की काफी कमी महसूस की गई थी। अत सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस खरपतवार ना ाक दवाई का उत्पादन हरियाणा कृशि उद्योग निगम व हैफेड द्वारा कराया जाये। वर्श 1990–91 के दौरान 500 मी0 टन (50 प्रति ात) में आईसोप्रोटूरान खरपतवार ना ाक दवाई को 20 प्रति ात अनुदान पर वितरण करने की योजना बनाई गई थी। हरियाणा कृशि उद्योग निगम द्वारा 350 मी0 टन, जब कि हैफेड द्वारा 123.7 मी0 टन आईसोप्रोटूरान खरपतवार ना ाक दवाई का उत्पादन किया गया था।

हरियाणा कृशि उद्योग निगम तथा हैफेड द्वारा बनाई गई आईसोप्रोटूरान खरपतवार ना ाक दवाई किसानों को प्राथमिक कृशि सहकारी समितियों (मिनी बैंकों) हरियाणा भूमि सुधार निगम, हरियाणा बीज विकास निगम, हरियाणा कृशि उद्योग निगम और सहकारी विपणन समितियों के द्वारा अनुदान पर बेची गई। कुल 900 मी0 टन आईसोप्रोटूरान संस्थागत समितियों व

खुले बाजार के माध्यम से वितरित की गई। इस प्रकार इस वर्श खरपतवार ना ाक दवाई की कोई कमी नहीं आई।

बनाई गई खरपतवार ना ाक दवाई की गुणवता को बनाये रखने के लिये हरियाणा कृशि उद्योग निगम ने 690 नमूने और हैफेड ने 430 नमूने लेकर अपनी प्रयोग ाला में इनको वि लेशण किया। कृशि विभाग ने भी हरियाणा कृशि उद्योग निगम व हैफेड की फैक्ट्रीयों से 28 नमूने (हरियाणा कृशि उद्योग निगम से 15 व हैफेड से 13) लिये। इन दोनो संस्थाओं के सभी नमूने सही पाये गये। इसके अतिरिक्त कृशि विभाग ने एक अभियान चलाकर 122 नमूने सहकारी समितियों व प्राईवेट ट्रेड के द्वारा भण्डारण की गई खरपतवार ना ाक दवाई में से लिये गये। हैफैड और हरियाणा कृशि उद्योग निगम की फैक्ट्रीयों से लिये गये सभी नमूने सही पाये गये, केवल प्राईवेट ट्रेड के 6 नमूने निम्न स्तर के पाये गये। दोशी पाई गई सभी पार्टियों के खिलाफ मुकदमें दायर करने की कार्यवाही आरम्भ की जा रही है।

हरियाणा कृशि उद्योग निगम द्वारा बनाई गई खरपतवार ना ाक दवाई की कम क्रिया ीलता के बारे में अम्बाला, करनला, कुरूक्षेत्र तथा कैथल जिलों के किसानों से केवल 8 ि ाकायतें प्राप्त हुई थी। इन ि ाकायतों को कृशि विभाग और हरियाणा कृशि उद्योग निगम के अधिकारियों द्वारा मौके पर देखे जाने पर पाया कि खरपतवार ना ाक दवाई की क्रिया ीलता गुणवत्ता की कमी से नहीं, बल्कि इस खरपतवार ना ाक दवाई की तकनीकी

ढंग से प्रयोग न करने के कारण हैं कुछ केसों में खरपतरवार ना ाक दवाई को कम मात्रा में डाला गया व कुछ केसों में खरपतवार ना ाक दवाई को सूखे खेतों में प्रयोग किया गया व कुछ खेतों में धान की पराली को जलाये जाने के बाद इस्तेमाल किया गया।

अतः यह सही नहीं है कि खरपतवार का सही ढंग से नियन्त्रण नहीं हुआ है, और इसका गेहूं की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। मैं इस महान सदन को यह वि वास दिलाना चाहता हूं कि सरकार के प्रयत्नों से सभी जरूरी कृशि सामग्री जैसे उन्नत किस्म के बीज, उर्वरक, खरपतवार ना ाक दवाई व बिजली व नहर के पानी की समय पर आपूर्ति किये जाने से इस वर्श हरियाणा के किसानों द्वारा गेहूं की रिकार्ड उपज लेने की सम्भावना है।

श्री रतन लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, दवाएं डालने की जो तकनीक है उससे हमारे किसान अनभिज्ञ हैं यही कारण है कि वे दवाओं का सही उपयोग नहीं कर पाते। मैं आदरणीय मन्त्री जी से आपके द्वारा यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार इस ओर तवज्जो दे रही है और किसानों को कोई ट्रेनिंग वगैरा दी जा रही है जिससे कि इस प्रकार की समस्या पैदा न हो और किसानों को दवाई की सही जानकारी मिल सके और वे उसकी तकनीक भी जान सकें कि किस समय किस दवाई का उपयोग किया जाना चाहिए ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः स्पीकर साहब मैं श्री कटारिया जी को बताना चाहूंगा कि कृशि विभाग के अफसर, ए0डी0ओ0 ओर इन्सपैक्टर लैवल के लोग किसानों को दवाओं की तकनीक के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। 2–3 गांवों को मिला कर दफतर बनाए गए हैं और कृशि विभाग के लोग किसान को पूरी ट्रेनिंग देने का प्रयास करते हैं। फिर भी हम यह मानते हैं किसानों को दवाई के सही उपयोग और टैक्नीक की पूरी जानकारी नहीं है लेकिन सरकार किसानों को टैक्नीक सिखाने के लिये पूरे प्रयत्न कर रही है।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, अभी मन्त्री जी ने यह बताया है कि दवाइयों के कुछ नमूने फेल पाए गए। क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जिन लोगों के नमूने फेल पाए गये हैं उनके खिलाफ एफ0आई0आर0 लौज की गई हैं और यदि हां तो उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः स्पीकर साहब, जब भी कोई नमूना फेल पाया जाता है तो प्रोसिक्यू ान की इजाजत ली जाती है और हम इजाजत देते हैं फील्ड अफसरों को कि केस प्रोसिक्यूट करें। जिन लोगों के नमूने फेल हुए हैं उनमें से कुछ के खिलाफ कार्यवाही की गई है और कुछ के विरूद्ध कार्यवाही हो जाएगी। किसी को छोडा नहीं जाएगा।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हिसार में कुछ गुण्डों द्वारा हमारी पार्टी के औफिस पर हमला हुआ है और इस बारे में मैंने कालिंग अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था, उसका क्या बना ? (विघ्न)

Mr. Speaker: I have not received it as yet. जब वह मेरे पास आएगी मैं तभी उस पर कोई फैसला दूंगा।

कामरेड हरपाल सिंहः मैंने वह सुबह ही दी है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः हरपाल जी, वह लेबरर्ज से सम्बन्धित है, पार्टी के औफिस पर हमले के बारे में नहीं है। (विघ्न) That is not the case. Do not twist the matter and take your seat please.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, कृपया मेरी बात भी सुन लीजिए।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, क्या आप बजट पर बोलना चाहते हैं ?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी प्रार्थना तो सुनिये। मैंने बजट पर बोलना है या नहीं बोलना है, इसे आप छोडिये। (विघ्न एवं भाोर)

श्री उदय भानः गुप्ता जी, आप बैठिये मैं सारी बात स्पश्ट कर दूंगा।

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरे साथ यह बहुत ज्यादती हैं मेरे खिलाफ पहले भी आरोप लगाए गए थे लेकिन आपने मुझे बोलने का मौका नहीं दिया अब फिर मेरे खिलाफ आरोप लगाए गए हैं लेकिन आप मुझे पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के लिए समय नहीं दे रहे हैं।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, दुख की बात तो यह है कि आप मेरी बात को समझ नहीं रहे। Would you please tell me whether you are speaking on budget or not ?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मैं बजट पर नहीं बोल रहा हूं। (विघ्न एवं भाोर)

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, आप मेरी बात भी तो सुनिये। (विघ्न)

Mr. Speaker: Comrade Sahib,k I would not permit you. It is altogether irrelevant. You please take your seat. (Interruptions).

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, भटटा मजदूरों की स्ट्राईक के बारे में हमने एक कालिंग अटैं ान मो ान दी थी जिसकी वजह से जैसा हरपाल सिंह जी ने कहा है कि सी0पी0एम0 के औफिस पर हमला हुआ है। क्या आप बताएंगे कि हमारे उस ध्यानाकर्शण प्रस्ताव का क्या बना ? (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Arya Ji, this is not the way. Please take your seat. I would not permit you to speak like this and I cannot run the House in this manner.

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरी एक रिक्वैस्ट है।

Mr. Speaker: There is no question of request. You are addressing me and seeing towards the press gallery. There is only one issue regarding unrest and beating of labourers which is under my consideration. No other issue is pending with me.

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इस बारे में मुझे अभी टेलीग्राम मिला है और मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं।

Mr. Speaker: If you have received a telegram just now, you give a notice. It is most irrelevant to raise a matter like this. Please take your seat.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ यह बडा भारी अन्याय है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी भी यहां पर विराजमान हैं। इन लोगों ने जब इल्जाम लगाए हैं तो उसका जवाब भी तो सुनें। (विघ्न)

जन स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्री भागी राम): स्पीकर साहब, इन्होंने भी तो हम पर इल्जाम लगाए हैं।

श्री बनारसी दास गुप्ताः मैंने अगर कोई आरोप लगाया है तो उसका जवाब दें ताकि स्थिति स्पश्ट हो। इनको कौन

रोकता है ? (व्यवधान व भाोर) समय देने वाले तो स्पीकर साहब, आप हैं। मैं तो नहीं हूं। मेरी प्रार्थना यह है कि पहले तो यह कोई प्र न ही उत्पन्न नहीं होता कि मैं बजट पर बोलूंगा या नहीं बोलूंगा क्योंकि पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के लिए अलग से प्रावधान है। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: I am not going to hear it. I want to say that you can clarify your position in your budget speech and if you have not to speak on the budget then you can clarify it now.

श्री बनारसी दास गुप्ताः क्या यह पाबन्दी है ?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर सर, यह तो चेयर को चैलैंज करने की बात है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, अगर आप मेरे ऊपर पाबन्दी लगाते हैं तो मैं बजट पर नहीं बोलूंगा।

श्री अध्यक्षः यह पाबन्दी तो नहीं है। मेरा मतलब यह था कि अगर आपने बजट पर बोलना है तो you can clarify your position in your speech.

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, बजट पर तो बजट की ही बातें होती हैं। यह सारी बातें नहीं हीती हैं। लेकिन मैं बजट पर नहीं बोलूंगा। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: All right. Please finish it within two minutes. (Interruptions & Noise)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री बनारसी दास गुप्ता द्वारा

श्री बनारसी दास गुप्ता (भिवानी): स्पीकर साहब, औन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान। मेरी प्रार्थना यह है कि मैं कल लगभग सारा दिन ही सदन में उपस्थित था लेकिन मेरे जाने के कुछ देर बाद एक आरोप मेरे ऊपर लगाया गया। सत्ता पक्ष की एक सुनियोजित साजि ा है कि विपक्ष के एक एक आदमी के खिलाफ आरोप लगाये जायें। राम बिलास भार्मा जी के खिलाफ आरोप लगाये गये। विपक्ष के नेता चौधरी सूरज भान जी के खिलाफ आरोप लगाये गये। इसी प्रकार से चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी के खिलाफ भी आरोप लगाये गये।

Mr. Speaker: This is not the way and I won't permit it. आप केवल अपनी बात करें!

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहब, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। मैं यह कहता हूं कि मेरे बारे में जो कुछ इन्होंने कहा है, यह बिल्कुल निराधार है, गलत है, और बेबुनियाद है कि किसी व्यक्ति से पैसे लेकर मैंने लाईसैंस दिया ही। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहता हूं। मैं इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वे एक इंक्वायरी कमी ान बिठा

दें। जब से यह सरकार बनी है तब से लेकर आज तक के सारे कालोनाईजे ान के और सारे हुडडा के मामले की वह थोरो इंक्वायरी करे। उसमें जो जो भी दोशी पाया जाये, उसके खिलाफ आप कार्यवाही करें। मैं इस बात का चैलेंज स्वीकार करता हूं। दूसरी बात मैं एक और कहता हूं। मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं इनका चुनाव घोशणा पत्र जो है, उसके अनुसार ये लोकायुक्त द्वारा जांच की घोशणा कर दें। मेरे मामले भी और दूसरे सारे मामले भी सारे इसके सुपुर्द कर दें और यह देखें कि इस हमाम में कौन कौन नंगे हैं। इस किस्म के झूठे और निराधार आरोप लगा कर यह हमारी जुबान को बन्द करना चाहते हैं। यह जांच की घोशणा कर दें। लोकायुक्त नियुक्त कर दें। इसके अन्दर सारे मामले वीरेन्द्र सिंह जी का मामला सूरजभान जी का मामला भी और सारे मामले लोकायुक्त को सुपुर्द करें और देखें कि कौन कितने पानी में है। यह सारा पता लग जायेगा। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: Gupta Ji, this is not the way and I won't permit it.

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहब, आप इनको सलाह दें कि ये कांच के मकान में बैठकर दूसरों के ऊपर पत्थर न फैंकें।

Mr. Speaker: Gupta Ji, please take your seat. You wanted to explain your position which you have done. (Interruptions).

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह) : स्पीकर साहब, अभी गुप्ता जी ने अपनी स्थिति स्पश्ट करने की कोि ा ा की है या तो कहते कि मैंने वह लाईसैंस नहीं दिया या फिर अपनी इस बारे में स्थिति स्पश्ट करते, लेकिन इस तरह से इन्होंने नहीं किया। आज भी वह ऐलीगे ान स्टैण्ड करता है जिसको हम सही मानते हैं। जैसे इन्होंने स्थिति स्पश्ट की है, उससे कुछ स्पश्ट नहीं हो पाया है। (व्यवधान व भाोर) फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट में किसी कालोनी के वि ोश आदमी को इन्होंने 450 एकड जमीन के लाईसैंस की रिन्युअल दी। ये खुद कहें कि मैंने रिन्युअल नहीं दी। स्पीकर साहब, इंक्वायरी की कोई जरूरत नहीं है। ये एक दफा अपनी जबान से कहें कि मैंने रिन्यूअल नहीं दी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहब, यह सारा केस फाइल पर मौजूद है। अध्यक्ष महोदय, जिसको भी लाईसैंस दिया गया है वह सारा मामला फाइल पर मौजूद है। सारा रिकार्ड इनके पास है। ये खुद इसकी इंक्वायरी कर लें और इंक्वायरी करने के बाद ये खुद बता दें। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम इनकी जबान से सुनना चाहते हैं कि इन्होंने अस्तीफा देने से एक दिन पहले रिन्युअल दी या नहीं दी ? ये खुद बताएं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ता : आप इंक्वायरी करवा लें, सारी स्थिति स्पश्ट हो जाएगी।

वर्श 1991–92 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : अब आप बैठें। अब 1991–92 के बजट पर जनरल डिस्क ान रिज्यूम होगी। कल हाउस ऐडजर्न होने के समय श्री उदयभान जी बोल रहे थे। वे कृपया कंटिन्यू करें।

श्री उदय भान (हसनपुर– अनुसूचित जाति : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद वाली जमीन के बारे में जो कुछ मैंने कहा था मैं उसको दोहराना चाहता हूं क्योंकि जिस समय मैंने यह बात कही थी उस समय आप यहां नहीं थे। (ाोर एवं व्यवधान) (**इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए**) उपाध्यक्ष महोदय, मैं कल कह रहा था कि सरकार इस बारे में स्पश्टीकरण दे। मैंने यह कहा था कि अनंगपुर गांव में एक व्यक्ति जिसका नाम आर0 कान्त है को, मुझे पता नहीं कि उस व्यक्ति का गुप्ता जी सरकार से क्या संबंध रहा था, 400 एकड जमीन पर कब्जा कराया था। उपाध्यक्ष महोदय, एक नम्बर पर कहा गया कि हरियाणा में श्री जैन द्वारा प्रस्तावित मनोरंजन पार्क की लागत लगभग 100–150 करोड रूपए की होगी। यह पार्क वि व विख्यात डिजनी लैंउ अमरीका की तरह का होगा। (विघ्न) आप एक मिनट सुनने की कृपा करें आपकी पार्टी भी इसमें आएगी। मैं रिकार्ड की बात बता रहा हूं आप सुनने की कृपा करें। यह सीरियस मैटर है, चौधरी बंसी लाल जी ने डिनाई किया है। फिर सी में कहते हैं कि इस तरह के प्रोजेक्ट के लिए 500 एकड जमीन देने के लिए यू0पी0 सरकार से अनुरोध किया गया था और यू0पी0 सरकार ने उन्हें इतनी जमीन दिल्ली

यू0पी0 बौर्डर के पास रिजर्व भी कर दी है। फिर आगे डी में क्या कहते हैं ? श्री जैन ने इस विशय में भारत सरकार से भी विचार विम र्ा किया है तथा भारत सरकार के पर्यटन सचिव ने इस प्रोजैक्ट को लगाने के लिए सभी सम्भव सहायता देने की इच्छा व्यक्त की है। श्री बनारसी दास जी ने जाने से एक दिन पहले उस कालोनाईजर को लाईसैंस दिया। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, टर्म्ज एण्ड कंडी ान दो साल की थी लेकिन उनको बदल कर गुप्ता जी ने पांच साल किया जबकि वह केस कोर्ट में है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है जिस पर हरेक को बोलने की इजाजत दी जाती है। उन्होंने यह भी स्पश्ट किया कि इस प्रोजैक्ट के लिए विदे ाी सेवा प्राप्त करने के लिए विचार विम र्ा चल रहा है जिसको सम्भवतः भीघ्र ही अन्तिम रूप दे दिया जाएगा। आगे श्री जैन ने यह भी अनुरोध किया कि वे इस प्रोजैक्ट को हरियाणा में फरीदाबाद के निकट लगाना चाहेंगे जिसके लिए उनके पुत्र नरेन्द्र जैन ने एक प्रस्ताव औपचारिक तौर से सचिव पर्यटन को पहले ही भेज दिया है। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूं कि अगर सारे मामले की जांच करवा दें तो बहुत कलई खुल जाएगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः साहेबान, मैं सबसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि इस हाउस की गरिमा को बनाये रखने के लिए भाान्ति रखें।

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ): उपाध्यक्ष महोदय, भिवानी के अंदर वै य हाई स्कूल में मास्टर ने पढाते हुए बच्चों से पूछा कि बच्चो बताओ कि गुप्ता काल का अन्त क्यों हुआ था ? इस पत्र में सरकार की सहमति देते हुए कहा गया कि सरकार अव य इस प्रकार के अम्यूजमैंट पार्क बनाने में रूचि लेगी जिसका आपने जिक्र किया है। तो इस प्रकार की इनकी छवित लोगों में है। (ाोर)

श्री उदय भानः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने ि ाक्षा के मामले में सचमुच में सराहनीय कार्य किया है और कर रही है। इसमें बहुत कानूनी पहलू हैं। मु तरका मालिकान की जमीन पंचायत के नाम से ट्रांसफर करवा दी और वह जमीन पंचायत से आगे बिक गई। क्या हुआ क्या नहीं हुआ इस बात की तह में जाएंगे।

स्पीकर साहब, सदन में इस बात का भी जिक्र आया कि स्कूलों में अध्यापक नहीं हैं। अध्यापकों के पांच हजार पद खाली पडे हैं। मैं हाउस को वि वास दिलाता हूं कि हम अध्यापकों के खाली पडे पदों को बहुत जल्दी भरेंगे। जिस स्कूल में भी टीचर्ज की कमी है उस कमी को पूरा कर देंगे। एक बात स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में कही गई। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार जाते जाते एक बडी भारी गलत बात कर गई। बजट में पैसा नहीं है। बहुत मामूली पैसा है। उस सरकार ने वोट लेने के लिए स्कूल अपग्रेड कर दिए। पिछली सरकार ने जाते जाते 350 स्कूल अपग्रेड

करने के आर्डर कर दिए। वह आर्डर हमें आकर रदद करने पडे। उस सरकार ने यह नहीं देखा कि बिल्डिंग है या नहीं है। जब कोई स्कूल अपग्रेड किया जाता है तो वह नौर्म्ज के मुताबिक अपग्रेड किया जाता है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इन स्कूलों को अपग्रेड करके इन्हें सीनियर सैकेण्डरी स्कूल बनाया जाए।

11.00 बजे।

इसके साथ साथ मैं टैक्नीकल ि ाक्षा के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने भी नौर्म्ज के मुताबिक ही स्कूल अपग्रेड किए थे और वह आर्डर लागू भी हो गए थे। मैं इस सरकार से कहता हूं कि पिछली सरकार ने जो कोई स्कीम बनाई उसको मिटाओ नहीं। आपने तो आते ही मलियामेट कर दिया। आपने पिछली सरकार की स्कीमों के बारे में यह फैसला कर लिया है कि उन सभी स्कीमों को मिटा दो। मैं जानना चाहता हूं कि जो इंजीनियरिंग कालेज गुडगांव में खुलना था उसे कब तक खोलने जा रहे हैं ?

श्री उपाध्यक्षः अब आप बैंठे।

श्री उदय भानः ठीक है जी, धन्यवाद।

श्री सूरज भान (मुलाना, अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट स्पीच में ला एण्ड आर्डर के बारे में पेज 17 पर खास तौर पर कहा गया है। इस बात को हम जरूर देख लेंगे अगर बी0एस0एफ0 को कोई आपत्ति होगी तो हम उसको ठीक

कर सकते हैं। और यदि चन्द्र ोखर जी को कोई आपत्ति होगी तो उसको भी ठीक कर सकते हैं। बी0एस0एफ0 को इतने साल में जब कोई रूकावट नहीं आई तो मैं समझता हूं कि आगे भी नहीं आनी चाहिए। अगर फिर भी कोई ऐसी बात है तो उसको दिखा लेंगे।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर कई मुददे उठे। सबसे पहले मैं महम के बारे में जिकर करना चाहता हूं। जिन अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज हैं उनको सस्पैंड किया है। सस्पैंड ही नहीं उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भ्ारू की है। चाहे वह भिवानी का इलैक ान कांड है, चाहे वह मेहम का कांड है, जिन अधिकारियों के खिलाफ किसी दफा के तहत केस दर्ज हुआ है, सबके खिलाफ पूरी जांच करके कानूनी कार्यवाही की जायेगी, उन सबके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्यवाही होगी। किसी को माफ करने का कोई सवाल ही नहीं। जहां तक सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की बात है वह तो करेंगे ही लेकिन सियासी आदमियों को यदि छोड देंगे तो यह बात कोई अच्छी बात नहीं होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि किन किन के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज हैं। ये एफ0आई0आर0 हमारे समय की नहीं, इनके समय की हैं। भिवानी में एफ0आई0आर0 दर्ज हुई, डी0आई0जी0 खान के खिलाफ। मुकदमा नं0 147 दिनांक 22—11—89 — 307 आई0पी0सी0। इसमें धर्मवीर के खिलाफ भी है। लाला के खिलाफ भी है। एस0ए0 खान के खिलाफ भी है।

(विघ्न) दूसरा मुकदमा नं0 492 है। यह दिनांक 22–11–89 का है। इसमें धर्मवीर है, उसका भाई राजवीर है और डी0आई0जी0 खान है। एक मुकदमा नं0 493 है। दिनांक 22–11–89 का 302 का है। यह धारा 148, 149 का है। इसमें चौधरी बंसी लाल जी और सुरेन्द्र सिंह जी हैं। मुकदमा नं0 108–48 दिनांक 12–11–89। इसमें चौधरी बंसी लाल जी, महेन्द्र सिंह और सुरेन्द्र सिंह जी का नाम हैं। इसके अलावा मेहम कांड में मुकदमा नं0 75 दिनांक 1–3–90 है धारा 436, 342, 148, 149 और 427 आई0पी0सी0। इसमें दोशी हैं महेन्द्र सिंह लाठर, सम्पत सिंह, जयप्रका ा और श्री सुखदेव राज डी0एस0पी0। जिनके नाम एफ0आई0आर0 में दर्ज हैं। ये एफ0आई0आर0 उस समय की है जब ये गृह मंत्री थे। मेरे टाईम की नहीं है। फिर मुकदमा नं0 76 दिनांक 3–1–90 है जो जेरे दफा 302, 307, 149 और 148 है। इसमें अभय सिंह पुत्र ओम प्रका ा चौटाला, भाम ोर सिंह, डी0आई0जी0, सुखदेव राज डी0एस0पी0। मुकदमा नं0 164 दिनांक 8–7–90 जेरे दफा 302, 307 और 120बी के तहत है। इसमें ओम प्रका ा चौटाला, वाई0एस0नकई, करतार सिंह तोमर, जिले सिंह, बीर सिंह डी0एस0पी0 और ओम प्रका ा इन्सपैक्टर तथा प्रेम सिंह सब इन्सपैक्टर हैं। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों के खिलाफ मुकदमें दर्ज हैं। अध्यक्ष महोदय, हम सरकारी औफिसर को तो एक मिनट में सस्पैंड कर दें और उनके खिलाफ कार्यवाही कर दें और सियासी आदमियों को यदि छोड दें क्योंकि वह सियासी आदमी हैं तो ठीक नहीं है। जहां तक कानून इजाजत देगा हम उनके खिलाफ भी

कार्यवाही करेंगे और बदले की भावना से कोई काम नहीं करेंगे लेकिन जो लोग कानून की गिरफत में आएंगे चाहे वह कितना ही बडा व्यक्ति हो उसको माफ करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि 22 तारीख को जो मुकदमा दर्ज हुआ है वहां पर ग्रीन ब्रिगेड वालों की गोलियों से लोग मरे थे और घायल हुए थे। वह भी इन मुकदमों के साथ भाामिल करने की कृपा करें। उसमें सम्पत सिंह, जयप्रका ा और श्री तोमर भाामिल हैं। पुलिस ने हमारी रिपिटिड रिक्वैस्ट के बाद भी वहां के एस0पी0, श्री तोमर ने इन सबके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से इंकार कर दिया था और उल्टा मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है इस बारे में मैंने सुना तो है क्योंकि हिसार मेरा अपना जिला है। वहां पर गोलियां चलने से आदमी मारे गए। उसके बारे में भी हम जरूर दुबारा जांच करवाएंगे और जो भी दोशी होगा उसके खिलाफ पूरी कार्यवाही सरकार करेगी।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर सुप्रिया कांड का भी जिक्र आया है। यह एक ऐसा कांड है जो इंसान का दिल दहलाता है। एक पुत्रवधु की जबकि स्टेट के चीफ मिनिस्टर चौधरी देवी लाल खुद हों और वे मौके पर भी हाजिर हों यदि हत्या हो जाये तो उसके बारे में क्या कहा जा सकता है ? मैं आपको बताता हूं कि जब चौधरी देवी लाल जी अबूब भाहर में काला तीतर में ठहरे हुए थे तो उनको इस घटना की जानकारी दी गई। जहां पर वे ठहरे

हुए थे वहीं पर उनको बताया गया कि आपके पोते ने आपकी बहू को मार दिया है तो वहां से चौधरी देवी लाल जी काफी गुस्से में चले और जब वे कार से उतरे तो 20 आदमी मौके पर खडे थे और कहने लगे कि कडै है वह हरामजादा अभय सिंह, उसने हमारी बहू ने मार दियो बोल्यो (जिसने अपनी बहु को मार दिया है)। उस समय उनको पकड कर दूसरे आदमी अन्दर ले गए कि बाहर आदमी सुन रहे हैं, घर का मामला है, मु कल हो जाएगी इसको पर्दे में रखो। फिर लोग अन्दर गए और जिन लोगों ने वहां देखा उन्होंने कहा कि साहब एक नहीं तीन तीन गोलियां चली हैं। एक गोली भी ो में लगी है दूसरी गोली कुछ उसको लगी और कुछ चारपाई में लगी। तीसरी गोली उसको लगी। फिर कहते हैं कि खुदक ी कर ली। मरने वाला कभी भी 3–3 गोलियां नहीं चला सकता। एक गोली माथे में मारेगा और उसके साथ ही उसका काम पूरा हो जायेगा। वहां पर तीन तीन गोलियां चली हैं और फिर कहते हैं कि पोस्ट मार्टम हमने करवाया है। उसके मां बाप को रात के तीन बजे लाया गया और फिर सुबह 7.00 बजे ही दाह संस्कार कर दिया। उसका पोस्ट मौर्टम कतई नहीं हुआ। मैं उसी के जनदीक इलाके का रहने वाला हूं। मेरी सैकडों रि तेदारी उस इलाके में है। जगदी ा नेहरा जी वहां से आते हैं। एक मेरे भाई लछमन दास अरोडा जी भी वहां के रहने वाले हैं पोस्ट मौर्टम हुआ नहीं। हम इनसे पूछना चाहते हैं कि क्या उस केस में कुछ हुआ। मैं बताना चाहूंगा कि खुदक ी अगर कोई करता है तो उसके खिलाफ भी एफ0आई0आर0 दर्ज की जाती है

और जांच की जाती है कि किन हालात में खुदक ी हुई है और इसमें कौन दोशी है। ये उसकी जांच करवाते और बताते कि उसका कोई दोश था या नहीं। जब किसी का दोश नहीं पाया जाता तो एफ0आई0आर0 कैंसिल भी हो सकती है। एफ0आई0आर0 भी दर्ज न करें और पोस्टमौर्टम भी न करें और फिर बूढे मां बाप को बुला करके और उनको डरा धमका करके अपनी बात मनवा लें। अभय सिंह का ससुर जो 80 साल का है, वह क्या करता ? उसने कहा कि कोई बात नहीं जो परमात्मा की होनी थी वह हो गई। वह देहाती आदमी है उसने कहा कि ठीक है। फिर इन्होंने कहा कि हमारी इज्जत बचाने के लिए अपनी दूसरी बेटी भी दे, नहीं तो लोग कहेंगे कि जरूर मार दी ? दूसरी बेटी के साथ भी इन्होंने रि ता कर लिया। लडकी की मां अभी तक कहती है कि मेरी बेटी पर बडा जुल्म हुआ है। एक आदमी के पास इसका टेप है। मैं दावे के साथ तो इस सदन में नहीं कह सकता। उस आदमी ने मुझे बताया कि उसने इसे टेप करने की कोि ा ा की। अभय सिंह की सास ने कहा कि मैं तो इस घर में डांगर भी कोना बैचूं। यह हमारी मारवाडी भाशा है। इसका मतलब यह है कि मैं तो इसके घर में प ाु भी नहीं बेचूं बेटी देने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। इस घर में तो मेरी बेटी की इस तरह से हत्या हुई है। स्पीकर सर, अगर ये बेईमान नहीं थे या बिल्कुल दूध के धोये थे तो इन्हौंने जांच क्यों नहीं करवाई। इनका फर्ज बनता था कि सी0बी0आई0 से जांच करवाते। इन्हें अहसास होना चाहिए था कि ''मैं प्रदे ा का चीफ मिनिस्टर हूं, कल को लोग

मेरे ऊपर उंगली उठाएंगे इसलिए इसकी जांच सी0बी0आई0 से करवाई जाए।'' मेरे खिलाफ लोगों ने मेंमोरेन्डम दिया। मैंने खुद प्रधान मंत्री जी से कहा कि मेरे खिलाफ कमी ान बिठाईये ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए नहीं तो लोग भाोर मचाते रहेंगे। मैंने खुद कह कर कमी ान बिठवाया था और कमी ान ने मुझे निर्दोश ठहराया। अगर इनमें हिम्मत थी तो ये कमी ान बिठाते तथा इस बात को लोगों में साबित करके दिखाते कि चौधरी देवी लाल बिल्कुल बेकसूर हैं और हम भी मान जाते। कमी ान न बिठाते, सी0बी0आई0 से ही इन्कवायरी करवा लेते फिर भी हम इन्हें निर्दोश मान लेते। इनके खिलाफ करप ान के और कई दूसरे सीरियस चार्जिज हैं क्या इन्होंने कहा है कि ''मेरे खिलाफ कमी ान बिठाईये।'' अगर आज भी ये कमी ान बिठाना मान लें तो फिर भी हम मान लेंगे कि ये बडे ईमानदार हैं। स्पीकर साहब, हम साबित करके दिखाएंगे इन्होंने अपने 4 साल के भाासन में किस तरह से और किस प्रकार के अन्याय और जुल्म लोगों के साथ किये हैं और किस तरीके से इन्होंने नाजायज सम्पत्ति बनाई है। सारे प्रदे ा के लोग जानते हैं कि किस तरह का माहौल और किस तरह के हालात इन लोगों ने प्रदे ा में पैदा किये। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ किस तरह से इन के छोटे बेटे जगदी ा ने खेत में रहने वाले एक गरीब आदमी की बीबी के साथ बलात्कार किया। इस बात को सारा दे ा जानता है। अध्यक्ष महोदय, इस समय सारा सदन बैठा हुआ है, जगदी ा के बारे में पता करवा लें कि वह 24 घण्टे भाराब के न ो में रहता है। रात

को पीकर सोता है और सवेरे बची हुई बोतल से ना ता करता है। यह बात मैं आप को औन औथ कहता हूं क्योंकि वह मेरे पडौस में रहता है। सवेरे ना ता भाराब से करता है, फिर दोपहर को पी लेता है और भााम से फिर पीना भुरू हो जाता है। उसने उस गरीब औरत के साथ बलात्कार किया, उनको घर से नहीं निकलने दिया और फिर पुलिस वहां बैठी रही। बडी मु कल से रात को छुप कर वह वहां से निकला और जगदी ा नेहरा उसको साथ लेकर मेरे पास दिल्ली आए। उस गरीब आदमी ने मुझे बताया कि उसके साथ यह बुरा हाल हुआ है। हम लोग राश्ट्रपति से मिले। राश्ट्रपति जी को हमने पूरा ज्ञापन बना कर भी दिया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि राश्ट्रपति की कितनी मर्यादा होती है और कहां तक वह किसी मामले में कार्यवाही कर सकते हैं। उन्होंने मामला नीचे गवर्नमैंट को भेजा और गवर्नमैंट ने उठा कर उसे ठण्डे बस्ते में डाल दिया या फाड कर फैंक दिया होगा।

अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिला चौधरी देवी लाल का खुद का जिला है लेकिन सिरसा के कितने ही पत्रकारों के खिलाफ झूठे मुकदमें दर्ज किए गए और अनेक पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। ये इन लोगों के कारनामें हैं जो कहा करते थे "सारे पत्रकारों ने ही दे ा आजाद करायो है" आज ये कैसी भाशा का इस्तेमाल करते हैं। पत्रकारों का तो सम्मान होना चाहिए लेकिन इन लोगों ने पत्रकारों का यह सम्मान किया कि उनके खिलाफ झूठे मुकदमें बना कर उन्हें जेलों में बन्द किया।

अध्यक्ष महोदय, पुलिस भर्ती की बात भी आई। पुलिस के बारे में एक बात चौधरी बंसी लाल जी ने कही कि पुलिस की ऐसोसिये ान होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं सर्टिफिके ान आफ राईटस ऐक्ट, 1966 के अधीन पुलिस यूनियन के गठन पर पाबन्दी लगी हुई है। अध्यक्ष महोदय, हमारी पुलिस बहुत बहादुर है और उनके कारनामें बहुत अच्छे हैं। सिपाही से लेकर ऊपर तक हम उनको बडा भारी सम्मान करते हैं। अध्यक्ष महोदय, पुलिस और फौज दो ऐसे महकमें हैं जहां अगर यूनियन बनाने की प्रथा चल पडी तो मुल्क में अमन नहीं रह सकेगा और बडी मु कल खडी हो जाएगी। हमें जितने भी पुलिस के कर्मचारी या अधिकारी हैं उन सबसे पूरी हमदर्दी है। अगर उनकी कोई ऐनोमली है चाहे वह वेतन में है, चाहे प्रमो ान में है या और किसी किस्म की ज्यादती है तो हम उसको ठीक करेंगे और पुलिस कर्मचारियों को कोई गिला नहीं रहने देंगे कि उनके साथ कोई अन्याय हो गया है। अध्यक्ष महोदय, इस मामले पर हम चाहेंगे कि बहुत गहराई से विचार करना होगा। पुलिस और फौज का मामला दूसरे तरीके का है। हम इस पर जरूर गौर करेंगे और जो ठीक बात होगी वह करेंगे। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है और खासतौर से इस हाउस के सभी महानुभावों से कि फौज और पुलिस के मामले में हमें स्वायतता की बात नहीं करनी चाहिये ताकि वातावरण और अमन में कोई बाधा बडे। ऐसा माहौल हमें नहीं बनाना चाहिये। कर्मचारियों की हालत देखकर मुझे यह भोयर याद आता है –

"याद रहते हैं बुरे वक्त के साथी किस को,

सुबह होते ही चिरागों को बुझा देते हैं।"

1987 में इन कर्मचारियों ने अपनी नौकरियों को खतरे में डाल कर न्याय युद्ध में हिस्सा लिया था। फौज का तो हमें न अधिकार है और न वह स्टेट के मातहत है। पुलिस की ऐसोसिए ान की बात मैंने कही है। इस सम्बन्ध में श्री धर्मवीर, जो इस प्रदे ा के गवर्नर रह चुके हैं, रिटायर्ड आई0सी0एस0 हैं, गवर्नमैंट आफ इंडिया में कैबिनेट सैकेट्ररी रह चुके हैं, की चेयरमैन ाप में गवर्नमैंट आफ इंडिया ने एक कमी ान बनाया था और उस कमी ान ने यह सिफारि ा की थी कि पुलिस को ऐसोसिए ान बनाने की इजाजत दी जाए और चौदह प्रदे ाों ने ऐसोसिए ान बनाने की इजाजत दे रखी है। लेकिन उनकी मांगों को पूरा करने की बजाय उन पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया गया। (विघ्न)

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): डिप्टी स्पीकर साहब, कर्मचारियों की कोई तंगी नहीं है बल्कि यही लोग भडका कर उनको यहां पर लाए थे।

श्री सूरज भानः डिप्टी स्पीकर साहब, इस बर्बरतापूर्ण तरीके से उन पर लाठीचार्ज किया गया कि 150 के करीब कर्मचारियों को चोटें आई। मैंने कहा है कि इसको देख लेंगे। मैंने कोई आउट राइट इसको रिजैक्ट नहीं किया। लेकिन इस

मामले में बहुत गहराई से विचार करने की जरूरत है क्योंकि यह मामला बडा सैंसटिव है। एक मिनट में कोई बात ऐसी कह देंगे तो बडी मु कल हो जाएगी हमारे लिए। चाहे फौज हमारे अण्डर न हो लेकिन यह बात सारे मुल्क की है। जब मुल्क में पुलिस की ऐसोसिए ान बना देंगे तो क्या फौज आपसे ऐसोसिए ान बनाने की मांग नहीं करेगी ? स्पीकर साहब, इस मामले में बहुत सोचने की जरूरत है। हिसार में लोडिड ट्रकों की हवा निकाल दी और उनके नम्बर भी दिए हैं। स्पीकर साहब, इस बारे में मैं क्लीयर कहना चाहता हूं कि प्रदे ा में कुछ फैक्टरीज के मालिक हैं। उन्होंने सेल्ज टैक्स की चोरी करने के लिए प्राईवेट ट्रक ले रखे हैं। कुछ ट्रैक्स ऐसे हैं जो इनके खुद के नहीं हैं और उनके बारे में कहते हैं कि ये हमारे ऐसो ाएट ट्रक हैं। हमारे साथ जुडे हुए ये ट्रक हैं। ट्रक यूनियन से ट्रक नहीं निकलवाते। सीधे फैक्टरी से माल लादा और दिल्ली ले गए। रिकार्ड में उनको दिखाओ या न दिखाओ। हम ऐसे ट्रकों को बिल्कुल नहीं जाने देंगे। सैल्ज टैक्स की चोरी को बचाना है जिससे कि प्रदे ा की जो इनकम है उसको नुकसान न हो। टैक्स का सवाल है उसमें हेराफेरी करने की किसी आदमी को इजाजत नहीं देंगे। मैं कहता हूं कि टैक्स की चोरी करने की बिल्कुल किसी करे इजाजत न दी जाए मगर क्या मुख्य मंत्री ने हिसार की ट्रक ऐसोसिए ान को अधिकार दे रखा है कि टैक्स की चोरी वे बताएं और क्या ट्रक ऐसोसिए ान कानून के तहत किसी को मजबूर कर सकती है कि कोई व्यक्ति ट्रक लाद नहीं सकता ?

उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट में कर्जा माफी का जिक्र भी आया है। यह बात ठीक है कि कुछ तो किया गया है। मुझे याद है जब यूनियन में सब को नम्बर दिखाना पडता है और बारी से जिसका नम्बर आ जाए वह ट्रक लोड करता है। स्पीकर साहब, इसमें भाई चारे की बात है। इसमें क्या है कि जब कोई ट्रक जाता है तो बाकायदा बिल्टी कटती है जिसको टी0आर0 कहते हैं यानि ट्रक रिसीट और उस ट्रक रिसीट को बाकायदा सैल्ज टैक्स वाले जब वह खत्म हो जाती है तो अपने साथ ले जाते हैं। इससे यह पता लगता है कि कौन कौन सा ट्रक लदा, किसका माल लोड हुआ और आगे किस फर्म में जाकर उतरा। उसकी चैंकिंग करते हैं कि माल यहां से गया और आगे माल उतरा या नहीं उतरा। अगर रिकार्ड ही नहीं होगा तो कारखानेदार अपना माल सीधा ही लोड करके फैक्टरी से सीधा ले जाएगा। टैक्स उसका टैक्स किससे लेंगे ? बैरियर पर भी अपने ही भाई भतीजे बैठे हैं, बैरियर और किसी के थोडे ही हैं, वे भी अपने ही हैं। जो आदमी ऐसे ट्रक लोड कर सकता है तो क्या बैरियर वालों को कुछ दे लेकर उसे टपा नहीं सकता। लेकिन हम उसको भी चैक करेंगे। जहां से ट्रक में माल लदता है और जहां उतरता है वहां पर ट्रक को चैक होना चाहिए। बाकी की जगह पर तो देखिए कि रि वत ली जाती है और बिना काम के हैरासमैंट होती है, चीजें महंगी होती हैं, टाईम लगता है और रोड ब्लौक होती है। स्पीकर साहब, मैं यह समझती हूं कि ट्रक वाले जो ड्राइवर्ज हैं वे भी तो हमारे ही हैं। यह हो सकता है कि किसी के पास ज्यादा ट्रक हों। ट्रक ओनर बेचारे

कुछ ऐसे भी हो सकते हैं जो खुद ट्रक चलाते हैं। वे खुद ट्रक ओनर हैं और खुद ड्राईवर हैं और उनकी भी हैरासमैंट इतनी ही होती है क्योंकि जगह जगह विदे ाों की तरह बैरियर बने हुए हैं। स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से यह कहना चाहती हूं कि जो बैरियर हैं ये नहीं होने चाहिये। मैं इसके अगेन्स्ट कोई दलील नहीं दे रहा हूं बल्कि यह कह रहा हूं कि सैक ान 4 को इतना रोजोडली लागू नहीं करना चाहिये जिससे कि किसान परे ाान हों और उनके नाक में दम आ जाये। (व्यवधान व भाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप जल्दी करें।

श्री सूरज भानः उपाध्यक्ष महोदय, बजट में यह कहा गया है कि हम टैक्स की प्रणाली को सरल बनायेंगे। एक बात मैं इसके बारे में कहना चाहता हूं। हिन्दुस्तान में हिमाचल प्रदे ा एक ऐसी स्टेट है। जिसने पहली बार यह काम करके दिखा दिया है कि सेल्ज टेक्स पहली स्टेज पर लगेगा। रेटस के बारे में अर्ज यह है कि व्यापारियों के नुमाइंदे तथा यूनियन के नुमाइंदे बैठ कर आपस में रेट तय किया करेंगे ताकि किसी को नुक्सान न हो और महंगाई भी न बढे लेकिन चोरी को रोकने के लिये तो हम उपाय करेंगे ही, वह तो हमें करने ही पडेंगे। स्पीकर साहब, नारनौल के अन्दर पत्रकारों की पिटाई हुई, यह एक निन्दनीय बात है। स्पीकर साहब, इस सदन के अन्दर बुढापा पैन् ान का भी जिकर किया गया। अध्यक्ष महोदय, पहली सरकार ने वोट लेने के लिए 65 साल से वृद्धावस्था पैन् ान भाुरू की लेकिन पैन् ान पाने के लिये जो

सही हकदार थे उनको पैन ान नहीं मिली। 55–55 साल के जो इनके चहेते थे, उनको तो पैन ान मिली लेकिन गरीब और सही आदमियों को पैन ान नहीं मिली। 50–55 साल के पैन ान तो ले रहे हैं लेकिन 60–70 साल के जो बूढे हैं उनको पैन ान नहीं मिल रही है। यमुनानगर जिले के छछरौली का एक मामला हमारे नोटिस में आया है। एक गांव में उन आदमियों को मरे कम से कम 12–12 व 15–15 साल हो गये और ये लोग उनके नाम की पैन ान बांट रहे हैं। कौन ले रहा है, कौन अंगूठा लगाकर के ले रहा है, इसको कुछ पता नहीं है ? उस गांव के लोगों ने ि ाकायत की कि वहां के डी0सी0 से इसकी रिपोर्ट लें। स्पीकर साहब, इस सरकार के वक्त के डी0सी0 ने नहीं बल्कि इनकी पिछली सरकार के डी0सी0 ने इस बारे में रिपोर्ट दी। गांव के लोगों ने ि ाकायत की कि साहब गलत पैन ानें बांटी जा रही हैं और वे अफसर गलत अंगूठा लगवा करके पैसे अपने जेबों में डाल रहे हैं। डी0सी0 की रिपोर्ट पर उस अफसर को हमने सैस्पैन्ड किया है। इस तरह के बहुत से केसिज लोगों ने हमें बताये हैं। एक बुजुर्ग हमारे पास आये और उन्होंने कहा कि मुझे पैन ान नहीं मिल रही है। मैं और चौधरी भोर सिंह उस वक्त दोनों साथ थे। हमने कह कि तेरी उम्र क्या होगी तो उसने कहा कि मुझे पैन ान नहीं मिल रही, मेरा बेटा ले रहा है। इसी तरह से चौधरी बंसी लाल जी ने इन्कम टैक्स की लिमिट के बारे में जो 22 हजार से बढाकर 60 हजार करवाने की बात कही है उसको भी केन्द्र सरकार के साथ अव य टेक अप करें, यह मेरी रिकवैस्ट है। मेरा

प्वायंट आफ और्डर है। मुख्य मंत्री जी ठीक कह रहे हैं। ऐसी बातें हो जाती हैं कि कम उम्र वालों को पैन् ान मिली है। स्पीकर साहब जहां आठ लाख लोगों को पैन् ान मिल रही हो, जहां इतने लोगों की संख्या इनवौल्व हो, वहां तो आप खुद जानते हैं कि अगर एक परसैंट भी ऐरर मानेंगे तो उसमें भी कितने आदमी आ जाते हैं लेकिन सरकार बाकायदा हर साल उसकी इन्कवारी करवाती थी और जब ऐसे नामों का सबूत मिल जाता था तो उनका नाम डिलीट भी किया जाता था। ऐसी कोई बात नहीं कि हम कोई नई बात कर रहे हैं, इतने लाखों लोगों में गल्तियां रह जाती हैं। यदि कोई अफसर गलती कर देता था या कोई दूसरा कर्मचारी गलती कर देता था तो नोटिस में आने के बाद गलत आदमी का नाम डिलीट कर देते थे।

सवाल तो नीयत का है, गलती तो हो सकती है। मेरे से भी हो सकती है और आपसे भी हो सकती है। सवात तो यह है कि इनकी नीयत कैसी थी, मरे हुए लोगों की पैन् ान लेते रहे हैं। गलती से तो एक बार कोई दूसरा आदमी ले जा सकता है लेकिन तीन साल लगातार लेते रहे।

यह तो मरे हुए की बात बता कर मैंने एक जगह की मिसाल दी है। इसके अलावा कितने कम उमर के लोग पैन् ान ले रहे हैं और जो सही पात्र हैं उनको मिलती नहीं है। हम भाानदार तरीके से एक सही सिस्टम बनाएंगे जिससे कि पैन् ान के हकदार को ही पैन् ान मिलें। अब मैं भी साल साल से ऊपर हो गया और

6 अक्तूबर को 61 साल का हो जाऊंगा। क्या सम्पत सिंह जी मुझे भी मिलनी चाहिए ? (विघ्न) मैं आपसे पूछता हूं। उधर चौधरी बंसी लाल जी भाायद 70 साल से ऊपर के हो गए होंगे या होने वाले हैं। क्या उनको भी पैन् ान मिलनी चाहिए ? मैं आपसे सवाल कर रहा हूं ? आपने उमर के हिसाब से कहा कि हमने सब को पैन् ान दे दी। तो क्या उनको मिलनी चाहिए ? मेरे कहने का मतलब यह है कि क्या हमको पैन् ान मिलनी चाहिए ? पैन् ान गरीब आदमियों को मिलनी चाहिए जिनके पास साधन नहीं हैं जो जरूरत मन्द हैं और जिनका कोई हीला नहीं है। गरीब आदमी हरिजन हैं, बैकवर्ड हैं और दूसरे भाई छोटे छोटे जमींदार हैं। गरीब आदमी को पैन् ान मिलनी चाहिए। क्या बडे आदमी उस पैन् ान को लेंगे ? हम दोबारा से ऐप्लीके ांज इनवाइट करेंगे और लोगों के घरों पर फार्म पहुंचाएंगे। कोई प्रौबलम नहीं होने देंगे और पिछली की हम जांच करेंगे। जिस अधिकारी ने गलत पैन् ान दी है उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे। गलत पैं ान को काट कर सही आदमी को देंगे। उसकी एक पौलिसी और नौर्म बनाएंगे। जिनको यह मिलनी चाहिये उनको देंगे ताकि आम आदमी और गरीब आदमी की पैन् ान मिल सके।

हाउस के लीडर कह रहे हैं कि हम आर्थिक आधार पर पेन् ान करने जा रहे हैं। स्पीकर साहब, एक आदमी जो 60, 65 या 70 साल का हो चुका है और कहीं अगर ये उसकी पैन् ान को उसके परिवार का आर्थिक आधार करेंगे तो यह उसके साथ ना

इन्साफी होगी। (विघ्न) उसकी अपनी इंडिविजुअल इंकम को यदि आधार मानोगे तब तो ठीक है वरना चाहे कोई आई0ए0एस0 क्यों न हो, कोई इंडस्ट्रियलिस्ट क्यों ने हो उसका बाप भी अगर अपने तौर पर ऐलीजीबल है तो उसको पैन् ान देनी चाहिए। स्पीकर साहब, सवाल सम्मान देने का है। आज कल ऐसी फैमिलीज भी हैं जिनके पेरैंटस अलग हैं। तो उन बूढों का इंडिविजुअल आधार मानना चाहिए न कि उसके परिवार वालों का। हम 60 साल की आयु के बुजुर्ग को पैं ान देंगे और उसको तब तक पैं ान देंगे जब तक वह बुजुर्ग जिन्दा रहेगा। हम 100 रूपया महीना देंगे और चौधरी देवी लाल की तरह 10 परसैंट वापिस नहीं लेंगे। क्या ऐसा भी हो सकता है कि कोई सरकार आम आदमी को दी गई पैं ान का 10 परसैंट सरकारी खजाने का पैसा वापिस ले ले ? चौधरी देवी लाल कहते थे कि मैं आपके पास 100 रूपये भेज रहा हूं इसमें से 10 रूपए आप मेरे पास भेज देना। यह बात आपके सामने है कोई गलत बात तो है नहीं। क्या सरकारी खजाने से कोई आदमी इस तरह से पैसा ले सकता है ? कोई आदमी पार्टी का पैसा दे करके तो कह सकता है भाई यह पार्टी का पैसा है पार्टी को वापिस करना है। यदि यह इतना आसान काम होता तो इन्होंने 8 महीने क्यों गुजारे ? हम इसको दोबारा से देखेंगे और हर महीने की 7 तारीख को पैं ान देंगे। जो आदमी पैं ान का हकदार है, पात्र है उसी को देंगे। अगर पिछली पैं ान बकाया रहती है तो वह भी देंगे लेकिन हम सही तरीके से जांच करेंगे कि जो आदमी पैं ान ले रहा है वह जिन्दा है या नहीं है या 60 साल

की आयु का है या नहीं है। यह जांच तो हम करेंगे कि वह 55 साल का तो नहीं है। इसलिए मैं चाहता हूं कि एम0एल0ए0 को यह पावर दी जाए। इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री श्री तैयब हुसैन ने जो वर्श 1991–92 के बजट अनुमान सदन के सम्मुख प्रस्तुत किए हैं, उन पर आज चर्चा चल रही है। वित्त मंत्री जी ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि हरियाणा राज्य एक ऐसा प्रान्त बन गया है जहां पर टैक्स लगाने की कोई गुंजाइ ा ही नहीं रह गई है। यह सब कुछ हाउस के रिकार्ड पर है। मेरे पास कापी है उसकी। कोई कच्ची बात नहीं है। यह सदन है। सदन में जो कहूंगा बिल्क ुल ईमानदारी से और सच्चाई से कहूंगा। नहीं तो मेरे खिलाफ प्रिविलिज मो ान ला सकते हैं कोई दिक्कत नहीं है। स्पीकर साहब, मैं तो रिकार्ड की बात कह रहा हूं। दे ा और प्रदे ा की जनता को पता है। मेरे पास कापी हैं मैं उसको लाकर दिखा दूंगा। वह रिकार्ड में है। स्पीकर साहब, उस रिकार्ड को निकलवाकर देख लेंगे। यह आप लोगों की स्पीच है। स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण बनाने की कोि ा ा की कि कानून नाम की चीज इस प्रदे ा में कोई नहीं रही। रात को किसी की बहू, बहन और बेटी निकल नहीं सकती थी। फिर मण्डल कमी ान पर किस तरह का वातावरण सरकार ने बनाने की कोि ाश की और बसें जलाई गईं। राम बिलास भार्मा ने कल

बिल्कुल ठीक कहा। कई इल्जाम उन्होंने सही लगाए। उन्होंने जो कुछ कहा वह ठीक कहा, कोई गलत नहीं कहा। स्पीकर साहब, एस0पी0, डी0सी0 को कहने लगा कि तेरे को पता नहीं कि मैं सरकार का आदमी सूं। वह कहने लगा कि सरकार का आदे ा यही है। स्पीकर साहब, बनारसी दास पर हमला हुआ। मैं मिलने गया, मेरी गाडी जला दी। स्पीकर साहब, मुझे कोई दुख नहीं आया क्योंकि यह काम सरकार करवा रही थी। कितनी बसें जलाई गईं, कितनी बिल्डिंग्ज जलाई गईं और कितने सरकार मकान जलाए गए कि गिनती नहीं की जा सकती। सरकारी प्रौपर्टी और दूसरे लोगों का बहुत नुकसान हुआ और जो नुक्सान हुआ वह आपके सामने है। जब रक्षक ही भक्षक हो जाए तो वह दे ा और प्रदे ा कैसे चलेगा ? स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण इन लोगों ने बनाकर खडा किया। इन लोगों ने इस प्रदे ा का माहौल इतना बिगाडा कि कुछ कहा नहीं जा सकता। स्पीकर साहब, इस प्रदे ा का नाम सारे संसार में ऊंचा था। हरियाणा प्रदे ा की लोग मिसाल देते थे। इन्होंने इस प्रदे ा का नाम इतना बदनाम करके रख दिया जिसका कोई अन्त नहीं और इसका नतीजा इस प्रदे ा के लोगों ने इनको दे दिया। स्पीकर साहब, मैंने प्रैस में इनका बयान पढा। सम्पत सिंह कहते हैं कि नि ाान बदल दिया पता नहीं कि क्या हो गया। हलधर का नि ाान पता नहीं कुछ और हो गया। पता नहीं कि हमारा क्या हो गया क्या नहीं हो गया। इतने जीत कर ये गलती से आ गए। स्पीकर साहब, इनकी पार्टी में दस तो सिर्फ एक हजार वोट से कम से कम जीतकर

आए हैं, केवल दस लोग (ाोर एवं व्यवधान) हमारे दो उम्मीदवारों में से एक बेचारा तो अठतीस वोट से हारा है और एक छियासट वोट से हारा है। (विघ्न) एक 77 से भी हारा है। मैं कहता हूं कि एक जिले में तो 180 से हारना बताया है। (ाोर एवं व्यवधान) इनके जो गलत कारनामें हैं वे हम जनता के सामने लाएंगे। हम लोगों की भलाई के काम करेंगे। आपकी तरह से लूट खसूट नहीं करेंगे। हम विकास के काम करेंगे और लोगों को बता देंगे कि इस सरकार ने बहुत अच्छे काम किए हैं। प्रदे ा के अन्दर हम लोग अमन और भाांति लाएंगे। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा जो विकास में नम्बर एक पर था जिसकी लोग मिसाल देते थे उसको इन्होंने चार साल में दसवें नम्बर पर लाकर खडा कर दिया। (ाोर एवं व्यवधान) अगली बार तो तुम्हारे में से किसी की जमानत भी नहीं बचेगी। हम प्रदे ा के अन्दर विकास का काम करके दिखाएंगे और लोगों को बता देंगे कि सरकार ने बहुत भाानदार काम किया है। चार सालों में कोई विकास का काम किया आपने ? कहीं पर कोई तरक्की की ? इस प्रदे ा के हर गांव को पक्की सडकों से मैंने मिलाया था। चौधरी बंसी लाल जी ने हर गांव को बिजली से जोडा था लेकिन आज बिजली की क्या हालत है, सबको पता हैं आज ये लोग कहते हैं कि बिजली चौधरी देवी लाल के राज में ही मिली। इस तरह का गलत प्रचार ये लोग करते हैं। क्या यह बिजली आपकी पैदा की हुई है। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि बिजली पैदा करने के लिये साढे पांच साल से सात साल का समय लगता है। एक थर्मल प्लांट की

आधारि ाला आज हम रखेंगे तो साढे पांच साल से पहले यदि कोई बिजली पैदा करके दिखा दे तो मैं इस्तीफा दे करके घर चला जाऊंगा। जो बिजली आज मिल रही है, जो आपके राज में मिल रही थी वह सारी की सारी बिजली चौधरी भजन लाल की ही देन है। क्यों देन है, क्योंकि हमने पानीपत में 220 मैगावाट का थर्मल प्लांट चालू किया, यमुनानगर में हाईडल प्रोजैक्ट, जिससे 1200 मैगावाट बिजली पैदा होनी थी, की आधारि ाला रखी थी। उनमें से किसी को एक साल में, किसी को 6 महीने में और किसी को डेढ साल में पूरा होना था। हुआ क्या कि उस समय हमको जाना पड गया और इन महानुभावों को आना पड गया। उस समय सारे थर्मल प्लांट चालू हो गये और इनका नाम हो गया। स्पीकर साहब, गंगा ने आना था, नाम भागीरथ का हो गया। लेकिन मैं इन्हें यह कहता हूं कि ये गीता पर हाथ रखकर कह दें कि इन थर्मल प्लांटस की आधारि ाला रख कर चौधरी देवी लाल ने इस प्रदे ा को बिजली दी है तो आपका जूता और सिर मेरा। (विघ्न) श्रीमान जी बिजली साढे पांच साल से पहले बन ही नहीं सकती। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी के पास यह विभाग रहा है वे बता दें कि एक थर्मल प्लांट को बनने में कितना समय लगता है ? अगर एक थर्मल प्लांट पर दिन रात भी काम चले तो भी वह थर्मल प्लांट साढे पांच साल से पहले चालू नहीं हो सकता। स्पीकर साहब, इनका राज पूरे चार साल भी नहीं रहा। क्या यह बिजली इन्होंने चालू की है ? यह बिजली तो हमारी देन है।

मैं कोई गलत बात तो नहीं कह रहा हूं। जो सही बात है वही कह रहा हूं। स्पीकर सर, इन लोगों ने प्रदे ा में इस तरह का वातावरण बना दिया जैसे भाखडी में बान्दर चालै सै। इन्होंने ऐसा वातावरण प्रदे ा के अन्दर बनाया कि सारे प्रदे ा का सत्याना ा कर दिया। आज ये कहते हैं कि अफसरों की बदली कर दी। क्या हम ऐसे अफसरों की बदली नहीं करेंगे जिन्हें आपने इतना करप् ान में डुबो दिया जिसका कोई अन्त नहीं है। ये अफसर क्या करेंगे ? अध्यक्ष महोदय, जिले के सब अधिकारी करप्ट कर दिए। फरीदाबाद और गुडगांव इण्डस्ट्रियल एरियाज में जाते थे और कहते थे कि टर्न ओवर पर एक परसैंट हमें मिलना चाहिए। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि बडी बडी फैक्टरीज की टर्न ओवर करोडों और अरबों रूपयों में होती है लेकिन इसमें घाटा भी हो सकता है। लेकिन इन्हें घाटे से कोई मतलब नीं इन्हें तो टर्न ओवर का एक परसैंट चाहिए। स्पीकर साहब, मेरी जानकारी में है कि एक आदमी बेचारा 10 लाख रूपये लेकर आया और कहा कि मेरे पास तो 10 लाख ही बने हैं तो उसे कहा गया कि यह 10 लाख तो यहां रख दे बाकी कल लेकर आना। उससे दस लाख रूपये भी वहीं रखवा लिए कि कहीं ये भी वापिस न ले जाए। मैं इस बात को साबित कर सकता हूं। उस आदमी ने मुझे खुद आकर बताया था। मुझे यह तो पता नहीं है कि वह आदमी बयान दे सकेगा या नहीं क्योंकि पता नहीं उसके पास पक्का अकाउंट है या नहीं, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन मैं यह बात औन ओथ कह रहा हूं। स्पीकर साहब, उस आदमी ने

कहा साहब मैं गया और उसने कहा कि 50 लाख रूपये चाहिएं। मैं बडी मु कल से 10 लाख रूपये का प्रबन्ध कर पाया था। उन्होंने यह नहीं कहा कि ये 10 लाख रूपये वापिस ले जाओ। वह 10 लाख रूपये तो वहां रखवा लिए और कहा कि 40 लाख रूपये कल लेकर आना। उन्हें भाायद यह अन्दे ाा था कि कहीं 10 लाख रूपये ले जाए और फिर वापिस ही न आए। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं इन्हें यह बताना चाहता हूं कि अगर मुझ में कोई कमी होती तो मैं दोबारा यहां नहीं आ सकता था। 4 साल इनका राज रहा है लेकिन इन्हें हमे ाा यही डर लगा रहा कि अगर इनका कोई सियासी दु मन है तो वह चौधरी भजन लाल ही है। मेरे खिलाफ इन्हें जो नहीं करना चाहिए था वह भी कर के देख लिया जो कोई भी जांच करनी थी वह भी कर के देख ली। दरियापुर में 36 लोग उग्रवादियों द्वारा मौत के घाट उतार दिए गए। यह काण्ड इनका राज बनते ही हुआ था। श्रीमान चौधरी देवी लाल जी यहां पर खडे होकर क्या कहते हैं ? उन दिनों बनारसी दास गुप्ता जी डिप्टी चीफ मिनिस्टर हुआ करते थे, आजकल वे हमारी पार्टी में हैं। सच्चाई कहने में मुझे कोई ऐतराज नहीं है। उन्होंने यहां पर खडे होकर कहा कि यह चौधरी भजन लाल का काम है, इन 36 लोगों के मरवाने में चौधरी भजन लाल का हाथ है। श्रीमान सम्पत सिंह जी ने कहा कि जब हमें पता नहीं चला तो चौधरी भजन लाल को कैसे पता चला और वे सबसे पहले वहां पर कैसे पहुंचे। अरे भाई, मेरा वह जिला है, मेरा गांव है, मेरा घर है तो मुझे कैसे पता नहीं चलेगा ? स्पीकर साहब, मेर गांव का सरपंच बेचारा उस

बस में था। फतेहाबाद से मेरे भाई के लडके का टेलीफोन आया कि महमूदपुर गांव का सरपंच उन 36 आदमियों में है जो मारे गए हैं। आप जानते हैं कि दरियापुर फतेहाबाद के पास है। केवल दस किलोमीटर दूर है। ज्यों ही कोई आदमी बस को चलाकर अस्पताल में लाया, सारा भाहर वहां इकटठा हो गया। मेरे पास साढे दस बजे या दस बजे रात को टेलीफान आया। मैंने राजीव गांधी को टेलीफोन किया और कहा कि ऐसा वाक्या हो गया है। छत्तीस आदमी मारे गए और बहुत से जख्मी हो गए हैं। राजीव गांधी ने मुझे आदे ा दिया कि भजन लाल फौरन मौके पर जाओ। मैं वहां से साढे दस ग्यारह बजे चला और डेढ दो बजे के करीब फतेहाबाद पहुंचा। ये श्रीमान जी कहते हैं कि भजन लाल को कैसे पता लग गया। भजन ला ने उनको मरवाया है इसलिए वह पहुंच गया। स्पीकर साहब, क्या मरवाने वाला सबसे पहले कहीं पहुंचता है ? यह कोई कायदे की बात है ? स्पीकर साहब, आगे ये कहते हैं कि उनको छडियों, दे ाी रिवाल्वरों से मारा गया। मैंने कहा कि खुदा के वास्ते कुछ तो अकल की बात करो। कल को अगर वे असली मुलजिम पकडे जाएं, वे उग्रवादी पकडे जाएं तो उनकी कैद कौन करेगा। स्पीकर साहब, जब प्रदे ा का मुख्य मंत्री यह कहे और प्रदे ा का होम मिनिस्टर यह कहे कि दे ाी पिस्तौल और छडियों तथा लाठियों से लोग मारे गए थे तो क्या कोई मुलजिमों की कैद कर देगा ? इनकी अकल का तो ऐसा दिवाला निकला हुआ है। ऐसा करने से इन विधवाओं की प्रोब्लम ही खत्म हो

जायेगी और उनको काफी लाभ मिलेगा क्योंकि उनका कोई सहारा नहीं है। धन्यवाद।

श्री मक्खन सिंह (पुंडरी): स्पीकर साहब, 8 तारीख को वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट इस सदन में पे ा किया है, वह बहुत ही सराहनीय है जिसका विवरण इन सारी किताबों को भी पढ कर यदि दिया जाये तो कम रहेगा। जो भी इसमें कार्य दिये गये हैं, वे प्रदे ा के हित के लिये ही दिये गये हैं। राज्यपाल महोदय ने इस सदन में 10 तारीख को जो अपना अभिभाशण दिया, उसके लिये हम उनके बहुत ही आभारी हैं। उन्होंने सरकार की नीति, सरकार की पोलिसी और प्रोग्राम के बारे में सारे सदन को जो अवगत करवाया है, उसके लिये हम किन लफ्जों से उनका धन्यवाद करें ऐसे भाब्द तो ढूंढने से भी नहीं मिलते। लेकिन एक बात अव य ही कहनी पडती है कि अपोजी ान के इन भाइयों ने जिनको इस सदन में सबसे बडी पार्टी कहते हैं और है भी, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जिस प्रकार का प्रद ान किया वह बडी ही खेदजनक बात है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय साल में एक बार ही इस सदन में आते हैं और फिर ये लोग उनका आदर व सम्मान न करें तो कोई अच्छी बात नहीं है। प्रदे ा की जनता, दे ा की जनता, हमारी इन सारी बातों की तरफ देखती हैं स्पीकर साहब, अपोजी ान का भी कोई रोल होता है। उस रोल के तहत वह अपना कोई प्वायंट उठाए तो समझ में आ सकता है, सरकार का क्रिटिसिज्म करें समझ में आ सकता है।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय एक बहुत नेक आदमी हैं वे गांधी वादी हैं और लोहिया के वे चेले और भगत हैं। ये इन्हीं के नेता यानी चौधरी देवी लाल के लगाए हुए हैं और यही लोग उनके खिलाफ प्रद र्ान करें तो बात जमती नहीं। इसीलिए हमें इस बात का दुख है।

अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं राज्यपाल महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने सारे प्रदे ा में बहुत ही निश्पक्ष चुनाव करवाए, किसी जगह भी गुंडा गर्दी बूथ कैपचरिंग नहीं होने दी। मैं सारे प्र ाासन को भी बधाई देना चाहता हूं। जो इलैक ान से जुडे हुए लोग थे उन सभी अधिकारियों ने बहुत ही निश्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ काम करके जो प्रदे ा पर बहुत बडा कलंक लग गया था उस कलंक को धोने की कोि ा ा की है। उसके लिए मैं उनको बधाई देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि प्रजातन्त्र में अगर हम प्रजा को वोट न डालने दें तो प्रजातन्त्र का कोई अर्थ नहीं रहता, क्योंकि इसी वोट के लिए कितनी ही माताओं के सपूतों ने और बहिनों के भाइयों ने फांसी के फंदे को चूमा। प्रदे ा में पिछले चार सालों में किस तरह से प्रजातन्त्र की हत्या की गई थी, इसकी मिसाल इतिहास में आपको कहीं भी देखने को नहीं मिलेगी। जैसे कि अभी हमारे माननीय साथी आनन्द सिंह डांगी ने मेहम की बहुत विस्तार से चर्चा की, मैं उतने विस्तार में नहीं जाऊंगा क्योंकि जो बातें कही गई हैं उनको दोहराने का

फायदा नहीं है। लेकिन जिस तरह की हालत जिस तरह का माहौल इन्होंने बनाया वह बडा भारी दुखदाई है। चौधरी देवी लाल जी प्रजातन्त्र की बडी दुहाई दिया करते थे। किस तरह से प्रजातन्त्र की धज्जियां उन्होंने उडाई इसकी मिसाल नहीं मिलती। प्रजातन्त्र ही नहीं उम्मीदवार की हत्या कर दी गई। अमीर सिंह के बारे में बडी भारी चर्चा है, लोगों में बडा भाक और भ्राुबह है कि उनकी हत्या किस तरह से की गई। आज मैं कोई बात कहूं जरा अच्छी नहीं लगेगी, ये भाई कहेंगे कि अभी इन्कवायरी पैंडिंग है और चीफ मिनिस्टर साहब ऐसी बातें कहते हैं। लेकिन रात को 12 बजे पहले साथ साथ खाना खाएं, उसके बाद गैस्ट हाउस से अपनी गाडी में बिठा कर ले जाएं और दो बजे अध्यक्ष महोदय मुंढाल में उसको मार कर डाल दें। क्या और कोई आदमी उसको मार सकता है ? फिर एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ जो चुनाव लड रहा हो यह कह देना कि यह कत्ल इन्होंने किया है यह बात जमती नहीं। आखिर आप जानते हैं कि जो इस संसार में पैदा हुआ है उसने एक दिन मरना भी है लेकिन इन्सान को इन्सानियत से तो नहीं गिरना चाहिए। जो सरकार इन्सानियत से गिर जाती है वह सरकार बहुत लम्बे अरसे तक चल नहीं सकती और न ही इन्सान बहुत ज्यादा अरसे तक जी सकता है उसके लिए भी पाप का घडा बहुत जल्द भर जाता है। सरकार ने एक जगह नहीं जितने भी पिछले चार साल में चुनाव हुए, चाहे वे मयूनिसिपल कमेटी के थे और चाहे पंचायत के थे गडबड की। आप जानते हैं कि हांसी का कांड किसी से छिपा हुआ नहीं है। किस तरह से

कि ान खंडेलवाल की हत्या की गई, किस तरह से दूसरी जगह बूथ कैप्चर किए गए और किस तरह से भिवानी के इलैक ान में हुआ। अध्यक्ष महोदय जब 1989 में लोक सभा के इलैक ान हुए तो क्या माहौल इन्होंने बना कर रखा हुआ था। ग्रीन ब्रिगेड के नाम से बडे फख्र से कहते हैं ये लोग कि हमारा ग्रीन ब्रिगेड तो इलाहाबाद तक गया आप इस बात का अन्दाजा लगाएं कि चौधरी देवी लाल जी लोक सभा में खडे होकर यह कहें कि वी0पी0 सिंह तो कुछ था ही नहीं, जीरो था उसको तो ग्रीन ब्रिगेड ने बना दिया। यह कितनी गलत बात है। उनको ऐसी बात कहना भाोभा नहीं देता। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि इन्होंने प्रदे ा के अन्दर किस तरह का माहौल पैदा किया और किस तरह से प्रजातंत्र की हत्या की आप सभी अच्छी तरह से जानते हैं। यदि दे ा में और प्रदे ा में प्रजातंत्र कायम नहीं होता तो क्या चौधरी देवी लाल और वी0पी0 सिंह दे ा के उप प्रधान मंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते थे? क्या मोरार जी भाई और चरण सिंह इस दे ा के प्रधानमंत्री बन सकते थे ? कांग्रेस पार्टी ने कभी भी ऐसी कोई बात नहीं की। यदि कांग्रेस पार्टी चाहती तो सब कुछ कर सकती थी क्योंकि उसके हाथ में ताकत थी लेकिन कांग्रेस पार्टी ने कभी ऐसा सोचा तक भी नहीं। जनता जिसको वोट देने का अधिकार है, वह जिसको चाहे अपना वोट दे कर गददी पर बैठा सकती है लेकिन लोगों को उनका वोट न डालने दिया जाए और गरीब लोगों को उनके घरों से न निकलने दिया जाए तो इससे बुरी बात और कोई नहीं हो सकती। अध्यक्ष महोदय, मेरे सामने

जो लोग बैठे हैं इन्होंने दे ा में और प्रदे ा में ऐसा माहौल पेदा किया कि लोगों को वोट तक नहीं डालने दिया। लेकिन इस दे ा के और प्रदे ा के लोग बडे समझदार हैं जनता ने इनको सबक सिखा ही दिया। इन्साफ में देरी तो हो सकती है, समय तो लगता है, परमात्मा के घर में देर तो हो सकती है, अंधेर नहीं हो सकती, न्याय जरूर मिलता है। जनता ने इन लोगों को सबक तो सिखा ही दिया। मैं हरियाणा प्रदे ा की जनता का आभार प्रकट करता हूं कि प्रदे ा की जनता ने बहुत भाानदार निर्णय किया है। उपाध्यक्ष महोदय, बस मैं इतना ही कह कर खत्म करता हूं। और इस बजट का समर्थन करता हूं।

श्री ि ाव प्रसाद (अम्बाला भाहर): उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पे ा किया है उसमें सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया गया है। चौधरी देवी लाल जो समुद्र की तीन चुल्लु करते थे, जिसको ये मेरे सामने बैठे भाई अपना लीडर मानते हैं उस चौधरी देवी लाल को हरियाणा प्रदे ा की जनता ने असैम्बली का मुंह नहीं देखने दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात भी दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर चौधरी देवी लाल गांव में सरपंच का चुनाव लडें तो वह सरपंच का चुनाव भी नहीं जीत सकते। अगर वह सरपंच का चुनाव जीत जाए तो कहना भजन लाल क्या कह रहा है। चौधरी देवी लाल के गांव से हमारे सामने बहन सांगवान बैठी हैं, चुनाव जीत कर आई हैं। आप सभी जानते हैं कि जब अन्याय और जुल्म होता है तो उसका मुकाबला

जनता करती है। इन लोगों ने प्रदे ा के अन्दर बहुत खराब वातावरण पैदा कर दिया था। मैं कहता हूं कि बडा आदमी बनने के बाद इन्सान को ठीक चलना चाहिए और अपने परिवार को अपनी मुटठी में रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, चोधरी देवी लाल कहा करते थे कि नेहरू फैमिली इस दे ा में अपने परिवार का भाासन बना करके घर का राज बनाना चाहती थी। अध्यक्ष़ा महोदय, मैं कहता हूं कि नेहरू परिवार की इस दे ा के लिए बहुत बडी कुर्बानियां हैं। इस दे ा का इतिहास आपके सामने है। मोती लाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू, इन्दिरा गांधी, संजय गांधी और राजीव गांधी इनके किसी के राज में इनके परिवार के किसी आदमी ने कोई दखल नहीं दिया लेकिन चौधरी देवी लाल जिनके बेटे, जिनके पोते और पडपोते तक राज में इतना दखल दें जिसका कोई हिसाब नहीं और लोगों के साथ बहुत ज्यादतियां और जुल्म करें इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, आप जाकर देखें गुडगांव जिले में, आप जाकर देखें फरीदाबाद जिले में आप जाकर देखें खुद के जिले सिरसा में और आप जाकर देखें हिसार जिले में, सारे प्रदे ा मके लोगों के साथ उन लोगों ने बडे जुल्म और ज्यादतियां की हैं। इतनी ज्यादतियां और जुल्म किए हैं उसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। उन लोगों ने बहुत सारी जमीनों पर नाजायज कब्जे किए हैं। जो मु तरका मालिकान जमीन होती है उस पर सारे गांव के लोगों का हक होता है लेकिन चौधरी देवी लाल के परिवार ने प्रदे ा के अन्दर मु तरका मालिका की जमीन को पंचायत के नाम ट्रांसफर करवा करके और

पंचायतों से प्रस्ताव पास करवा करके बहुत सस्ते दामों पर फर्जी बोली दिखा करके 15–15 और 20–20 हजार रूपए एकड के हिसाब से हजारों एकड जमीन अपने रि तेदारों के नाम और दूसरे लोगों के नाम बेनामी करवा करके 5–5 और 6–6 लाख रूपए एकड के हिसाब से बेच दी। ऐसा जुल्म और अन्याय आपको कहीं पर भी देखने को नहीं मिलेगा। यह नहीं प्रदे ा के अन्दर कोई मकान, कोई जगह, कोई जमीन ऐसी नहीं जिस पर उस परिवार ने नाजायज कब्जा न किया हो और एक जगह नहीं कई जगह पर तो उन्होंने स्कूलों और अस्पतालों पर भी नाजायज कब्जे कर लिए। यही नहीं यदि कोई भाई अपने मकारन को ताला बंद करके 15–20 दिन के लिए गांव से बाहर चला गया या भाहर से बाहर चला गया तो उसका ताला तोड करके उसमें बैठ गए। इतना जुल्म और अन्याय इन लोगों ने प्रदे ा की जनता के साथ किया है। इन्होंने प्रदे ा के अन्दर किसी भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं रखी। इनके समय में प्रदे ा के अन्दर किसी भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। प्रदे ा में कोई भी बहन बेटी दिन छिपने के बाद अपने घर से बाहर नहीं निकल सकती थी। इन्होंने इस तरह का माहौल पैदा किया हुआ था। इन लोगों ने ग्रीन ब्रिगेड के गुण्डों को बाकायदा कार्ड दिए हुए थे और उन गुण्डों को यह कह रखा था कि अगर कोई अफसर आपसे पूछे तो यह कार्ड दिखा देना। इन लोगों ने इस तरह का माहौल पैदा कर रखा था। हमने यह फैसला किया है और प्रदे ा के अन्दर हम कानून व्यवस्था ऐसी बनाने जा रहे हैं कि कोई भी बदमा ा

आदमी किसी भी बहन बेटी की तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकेगा। अगर कोई बहन बेटी रात के 12.00 बजे भी अपने घर से बाहर जाएगी तो कोई भी बदमार ा आदमी उसकी तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकेगा। यदि कोई बदमा ा कुछ कहेगा तो उसकी जगह जेल में होगी उसकी जगह किसी भाहर में या गांव में नहीं होगी। ऐसे बदमा ा लोगों की अगर कहीं पर जगह है तो वह जेल मे है। अध्यक्ष महोदय, हम ऐसा इन्तजाम करेंगे ताकि हर बहन बेटी की इज्जत बने। हम ऐसा इन्तजाम करेंगे जिससे बहन बेटी की भाान बने। ये कहते हैं कि अब भी कोई गैंग बनी फिरती है। मैं कहता हूं कि दिन में तो लोग ग्रीन ब्रिगेड के लोगों को पहचान लेते हैं इसलिए वही लोग अब किसी और गैंग के नाम से बन गए हैं। कहीं कच्छा गैंग बन गई है, कहीं कहते हैं कैंटर गैंग बन गई है। वही ग्रीन ब्रिगेड के लोग दूसरे लोगों को बदनाम करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय अब 15 दिन के अन्दर अन्दर हम उनका इलाज कर देंगे। यदि 15 दिन के बाद हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कोई गैंग, कोई गुण्डा, कोई बदमा ा बदमा ाी करता हुआ मिल जाए तो कहना भजन लाल क्या कह रहा था। ऐसा इलाज कर देंगे कि पूरे प्रदे ा के अन्दर अमन हो जाएगा। हमारी पूरी कोि ा ा है कि हमारे प्रदे ा के अन्दर अमन और भाांति हो। यदि कोई सरकार किसी बहू बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं रख सकती तो वह कोईग सरकार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला कहते थे कि वह मुख्य मंत्री क्या है जिसका नाम रात को यदि सोये हुए व्यक्ति के सपने में आ

जाए और वह बहक करके और चमक चमक करके चारपाई से नीचे न पडे। उनकी यह बडी भारी बात है और बडा नाम कमाया चौटाला साहब ने। अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा का मुख्य मंत्री वह होना चाहिए जिसका नाम याद आने पर आराम से नींद आ जाए और वह यह समझे कि तेरी जान माल को कोई खतरा नहीं है। तेरी इज्जत महफूज है। तेरे सामने कोई देखने वाला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप सभी रोजाना अखबारों में पढते थे, रोजाना पब्लिक मीटिंग में चौटाला ने यह बात कहीं कि वह आदमी ही क्या जिसके नाम से हजारों चौंक न पडें। ऐसा मुख्यमंत्री होना चाहिए जिसके नाम से हजारों आदमी चौंक जाएं। क्या ऐसा राज ज्यादा दिन चलेगा ? अध्यक्ष महोदय, हम लोगों के चुने हुए सेवक हैं इसलिए हमारा यह कर्त्तव्य बनता है कि हम लोगों की सेवा करें हमारा कर्त्तव्य यह नहीं है कि हम लोगों के साथ ज्यादती जुल्म और अन्याय करें और लोगों के साथ लूट खसूट करें। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जब चौधरी सम्पत सिंह हाउस में बोल रहे थे तो कह रहे थे कि आप कोई सबूत बताएं। मैं कहता हूं कि अगर कोई एक सबूत हो तो बताएं, पूरे महाभारत की पोथी आपकी बनने वाली है। आपने जो कारनामे किए हैं उनकी महाभारत से भी बडी पोथी आप लोगों की बनेगी। हम किस किस का गुनाह बताएं ? यदि आपने प्रदे ा के अन्दर कोई एक गुनाह किया हो तो बताएं। इस प्रदे ा में सिपाही से छोटी नौकरी और क्या हो सकती है ? मेरे पास 20 लोगों के ऐफिडैविट आए हैं कि साहब पिछली सरकार ने हमारे से 30–30 हजार रूपए ले लिए और

नौकरी लगाए नहीं मेहरबानी करके वह पैसे तो आप हमारे उल्टे दिलवा दें। मेरे पास ऐफिडैविट आए पडे हैं। मैं यह बात सच कह रहा हूं। हम आप लोगों को बताएंगे कि आप लोगों ने प्रदे ा की जनता के साथ क्या क्या बेइन्साफी की है। सिपाही की भर्ती हुई, क्लर्कों की भर्ती हुई, कंडक्टर्ज की भर्ती हुई सभी से पिछली सरकार ने पैसे लिए। केवल यही बात नहीं औफिसर्ज को भी आप लोगों ने प्रदे ा के अन्दर इतना जलील करके रख दिया जिसका कोई अंत नहीं है। आप लोगों ने प्रदे ा के अन्दर अपने हिसाब के औफिसर्ज लगा दिए और उन औफिसर्ज के जिम्मे यह लगा दिया कि आप लोगों ने इतने पैसे इकटठे करके हमें देने हैं। डी0सी0 को कह दिया कि पांच लाख रूपए महीने के इकटठे करके हमें देने हैं। कुछ डी0सीज0 के नाम लोगों ने प्रौपर्टी डीलर रखे हुए थे जो जमीनों की लेन देन का काम करते थे। ऐसे कई डी0सी0 हैं जिन्होंने पंचायतों से प्रस्ताव पास करवाया और पंचायतों से प्रस्ताव पास करवा करके इन लोगों के नाम जमीन की बिक्री दिखा करके इन लोगों के नाम कर दी। ऐसे एक नहीं बल्कि कई डी0सी0 हैं, फरीदाबाद में था गुडगांव में था रोहतक में था। यहीं नहीं कुछ औफिसर्ज तो यह भी कहते थे कि चौधरी देवी लाल जी के चार बेटे हैं लेकिन पांचवां बेटा मैं हूं। कोई औफिसर्ज अपने आपको छटा बेटा बता देता और कोई औफिसर सातवां बेटा बता देता। अब हमें चौधरी देवी लाल जी से पूछना पडेगा कि उनके कितने बेटे हैं। हम तो मु कल में फंसे पडे हैं। कभी चौधरी देवी लाल कहते हैं कि यह ओम प्रका ा मेरा बेटा

को नी। प्रताप सिंह हमारा भाई लागै है, गैलरी में बैठा है, यो कहते हैं मैं देवी लाल का बेटा नहीं। यदि मैं एक मिनट बाद में पैदा होता तो भाायद अमरीका में पैदा होता। (विघ्न) स्पीकर साहब, अगर इनके पैदा होने में एक मिनट का फर्क रह जाता तो पता नहीं ये कहां पैदा होते। खैर, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि किस तरह से इन लोगों ने इस प्रदे ा को तथा प्र ाासन को बदनाम करने की कोि ा ा की। अध्यक्ष महोदय, जिस कर्मचारी या अधिकारी की जिम्मेदारी लगा दी जाए कि उसे 5 लाख रूपया इकटठा करना चाहिए तो क्या वह सिफ्र 5 लाख रूपये ही इकटठा करेगा ? वह तो 10 लाख रूपये इकटठे करेगा और 5 लाख रूपये के बारे में आगे बताएगा। सिर्फ यही नहीं सेल्ज टैक्स वालों का क्या, फूड सप्लाई वालों का क्या डी0सी0 और तहसीलदार क्या अलग अलग पदों के रेट थे और स्टे ान्ज बिकते थे। इस स्टे ान पर लगने के लिए इतने रूपए दो, कहीं तहसीलदार लगना है या एस0डी0एम0 लगना है तो इतना पैसा देना पडेगा। आपको कोई जगह ऐसी नहीं मिलेगी जहां क्रप् ान की बू न आती हो। पता नहीं कैसे ये लोग सीना तान कर बोलते हैं। इन लोगों को तो लज्जा आनी चाहिए कि इनका किरदार क्या रहा है और इस प्रदे ा के लौगों ने इन्हें क्या फतवा दिया है। जो इनके नेता थे वे आज कहां हैं? कहां है इनका ओम प्रका ा ..... ? मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि कहां है इनके चौधरी देवी लाल ? मैं कोई गलत बात तो नहीं कह रहा हूं। जो सही बात है वही कह रहा हूं। स्पीकर सर, इन लोगों ने प्रदे ा में इस तरह का

वातावरण बना दिया जैसे भाखडी में बान्दर चालै सै। इन्होंने ऐसा वातावरण प्रदे ा के अन्दर बनाया कि सारे प्रदे ा का सत्याना ा कर दिया। आज ये कहते हैं कि अफसरों की बदली कर दी। क्या हम ऐसे अफसरों की बदली नहीं करेंगे जिन्हें आपने इतना करप् ान में डुबो दिया जिसका कोई अन्त नहीं है। ये अफसर क्या करेंगे ? अध्यक्ष महोदय, जिले के सब अधिकारी करप्ट कर दिए। फरीदाबाद और गुडगांव इण्डस्ट्रियल एरियाज में जाते थे और कहते थे कि टर्न ओवर पर एक परसैंट हमें मिलना चाहिए। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि बडी बडी फैक्टरीज की टर्न ओवर करोडों और अरबों रूपयों में होती है लेकिन इसमें घाटा भी हो सकता है। लेकिन इन्हें घाटे से कोई मतलब नीं इन्हें तो टर्न ओवर का एक परसैंट चाहिए। स्पीकर साहब, मेरी जानकारी में है कि एक आदमी बेचारा 10 लाख रूपये लेकर आया और कहा कि मेरे पास तो 10 लाख ही बने हैं तो उसे कहा गया कि यह 10 लाख तो यहां रख दे बाकी कल लेकर आना। उससे दस लाख रूपये भी वहीं रखवा लिए कि कहीं ये भी वापिस न ले जाए। मैं इस बात को साबित कर सकता हूं। उस आदमी ने मुझे खुद आकर बताया था। मुझे यह तो पता नहीं है कि वह आदमी बयान दे सकेगा या नहीं क्योंकि पता नहीं उसके पास पक्का अकाउंट है या नहीं, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन मैं यह बात औन ओथ कह रहा हूं। स्पीकर साहब, उस आदमी ने कहा साहब मैं गया और उसने कहा कि 50 लाख रूपये चाहिएं। मैं बडी मु कल से 10 लाख रूपये का प्रबन्ध कर पाया था। उन्होंने यह

नहीं कहा कि ये 10 लाख रूपये वापिस ले जाओ। वह 10 लाख रूपये तो वहां रखवा लिए और कहा कि 40 लाख रूपये कल लेकर आना। उन्हें भाायद यह अन्दे ाा था कि कहीं 10 लाख रूपये ले जाए और फिर वापिस ही न आए। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं इन्हें यह बताना चाहता हूं कि अगर मुझ में कोई कमी होती तो मैं दोबारा यहां नहीं आ सकता था। 4 साल इनका राज रहा है लेकिन इन्हें हमे ाा यही डर लगा रहा कि अगर इनका कोई सियासी दु मन है तो वह चौधरी भजन लाल ही है। मेरे खिलाफ इन्हें जो नहीं करना चाहिए था वह भी कर के देख लिया जो कोई भी जांच करनी थी वह भी कर के देख ली। इस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस पैसे को जल्दी रिफंड कराने के लिये कोई टाईम बाउंड नीति बनाई जाये।

श्री अध्यक्षः मास्टर जी आप पहले ही काफी बोल चुके हैं इसलिये अब आप बैठ जाइए।

श्री ि ाव प्रसादः ठीक है जी, धन्यवाद।

श्री टेक चन्द (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, हमारे वित्त मंत्री महोदय ने जो कर रहित बजट पे ा किया है उसके लिए मैं इन्हें मुबारकवाद देता हूं। हमारी सरकार ने जो काम किए हैं उसके बारे में हाउस के सभी साथी अच्छी प्रकार से जानते हैं। कांग्रेस के समय में बिजली की क्या हालत थी और अब क्या हालत है इसका भी सभी को अच्छी तरह से पता है। इस समय

किसानों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। सरकार की जो सही बात है उसे सभी को मान लेना चाहिए। अगर किसी बात पर कोई कमी सरकार की तरफ से रह गई है तो उसे भी सरकार ठीक करने के लिए तैयार है। बिजली के मामले में आज हमारे गांवों की हालत पहले की अपेक्षा बहुत अधिक अच्छी है। अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय नेता चौधरी देवी लाल जी ने कर्जा माफी करने की घोशणा करके एक मिसाल सारे हिन्दुस्तान में कायम की और 266 करोड रूपये के कर्जे करीब 10.50 लाख लोगों के माफ हुए। इसी तरह से हमारी सरकार ने लोगों को बुढापा पैं ान देना भ्ारू किया है और किसानों की जिन्सों के भाव पहले से अधिक दिए हैं। हरिजन महिलाओं को पहला और दूसरा बच्चा होने पर 300 रूपये की सहायता दी जाती है। इसी प्रकार से हरिजन चौपालें हर गांव में बनाई जा रही हैं और लडकों के स्कूलों के लिये डबल मैचिंग ग्रान्ट और लडकियों के स्कूलों के लिये तीन गुणा मैंचिंग ग्रान्ट सरकार की तरफ से दी जाती है। इसी प्रकार से सरकार इस बात के लिये भी प्र ांसा की पात्र है कि ओला वृश्टि से हुए नुकसान का मुआवजा अब किसानों को मिलने लगा है। यह काम आज से पहले किसी सरकार ने भ्ारू नहीं किया था। इस सारे काम का श्रेय चौधरी देवी लाल जी को जाता है। जो भी काम हुए हैं मैं समझता हूं कि उसका ठीक प्रकार से प्रचार नहीं हुआ और सरकार को जो य ा अपने कामों का मिलना चाहिए था वह नहीं मिल रहा। या तो पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट की तरफ से ठीक प्रचार नहीं हुआ या हमारी आपसी तालमेल की कमी रही है।

जिसकी वजह से हमारी सारी स्कीमों की जानकारी आम लोगों तक नहीं पहुंच पाई हैं। हम जो पब्लिक के नुमाइन्दे हैं अगर हम सभी पब्लिक के साथ इन टच रहे तो अच्छा है।

श्री योगे ा चन्द भार्मा: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। नैन साहब, बजट का रिप्लाई दे रहे हैं या बजट स्पीच पर बोल रहे हैं।

Mr. Speaker: Mr. Sharma, this is no point of order.

श्री टेक चन्द: स्पीकर साहब, अब मैं अपने हल्के की मांगों की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। नरवाना माईनर की ऐक्सटैं ान के बारे में मैंने रिप्रेजैन्ट किया था और मुख्य मंत्री जी से इसकी एक्सटैं ान करने बारे बात भी हुई थी। इस माईनर के ऐक्सटैंड होने से करीब 8–10 गांवों को फायदा होगा और इससे 2800 एकड अतिरिक्त जमीन की सिंचाई होगी और जो मारू इलाका है वह नहरी हो जाएगा। इस माईनर के ऐक्सटैंड होने से गांव भिखेवाला कटैन कलां, फौन खुर्द, कलौदा कलां, दनौदा खुर्द, सच्चा खेडा और चिम्मेवाला आदि की पानी की समस्या हल हो जाएगी। अगर सरकार इस स्कीम पर 95 पैसे खर्च करे तो उसे अढाई रूपये का फायदा होगा। मैंने आई0पी0एम0 साहब को भी इस बारे में लिख कर दिया है। मैं यह गुजारि ा करूंगा कि इस बारे में वे सिम्पैथैटिकली विचार करें।

चौधरी देवी लाल जी ने कण्डी सडक का टुकडा बनवाने का ऐलान किया था लेकिन उस सडक को ठेकेदार बीच में ही छोड कर चला गया। इस समय पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर साहब यहां पर बैठे हुए नहीं हैं। मैं वित्त मंत्री चौधरी तैयब हुसैन जी से अनुरोध करूंगा कि एस0ई0 हिसार से कहकर 2–4 किलोमीटर का इस सडक का यह टुकडा पूरा करवाने की मेहरबानी करें। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में प्राईमरी स्कूलों में 2–2 कमरे बनवाने की स्कीम के तहत 5–6 प्राइमरी स्कूल हैं जिनकी बिल्डिंगे बनवाई जानी हैं। मैं सरकार से इन्हें भीघ्र बनाने का निवेदन करूंगा। इस बारे में हमने सरकार को रिप्रैजैंटे ान भी भेजी हुई है। प्राइमरी स्कूलों के लिए जहां दो दो कमरे बनवाएं जाने हैं वे भीघ्र बनवाएं जाएं और जिन बिल्डिंगों की रिपेयर की जानी है वह भी भीघ्र ही की जाए। स्पीकर साहब, नरवाना में पिछले कई वर्शों से मिनि सैक्रेटेरियेट मंजूर हुआ है लेकिन अभी तक उसके लिए जमीन ऐक्वायर नहीं की गई है। डी0सी0 जीन्द को कहा जाए कि जमीन ऐक्वायर की जाए ताकि मिनि सैक्रैटेरियेट बन सके। नरवाना में रोडवेज की वर्क ाप बनवाने के लिये 25000 रूपये की सैक ान हो चुकी है लेकिन अभी तक इस पर काम भुरू नहीं हुआ है। सरकार ने इस काम के लिए पैसा अलौट कर दिया है इसलिये इसको जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करें।

स्पीकर साहब, गांव लोन में मिडल स्कूल को हाई स्कूल में और गांव धनोरी में हाई स्कूल को दस जमा दो में

बनाने के बारे में ि ाक्षा मंत्री महोदय ने एक पब्लिक मीटिंग में ऐलान किया था। इनको भी जल्दी पूरा करने का मैं अनुरोध करता हूं। क्योंकि यहां से 15–20 किलोमीटर के दायरे में कोई भी कालेज नहीं है इसलिये मैं सरकार से चाहूंगा कि इस ओर भी वह ध्यान दे। इसके अलावा जो प्राइमरी स्कूल मिडल स्कूलों में जो मिडल स्कूल हाई स्कूलों में अपग्रेड किये जाने हैं वे भी भीघ्र किए जाए। गांव घरौंदी में प ाुओं के लिये एस0एम0सी0 बनवाने का केस भी महकमें के पास भेजा हुआ है। इसलिये मैं मन्त्री महोदय से यह अनुरोध करूंगा कि इस वेटरनरी होस्पीटल को भी जल्दी ही बनवने की मेहरबानी करें। स्पीकर साहब, इसमें जो मेरे हल्के की अन्य समस्यायें हैं मैं सरकार से चाहूंगा कि वह उनको भी सुलझाए। स्पीकर साहब, इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

Mr. Speaker: Now, Prof. Parma Nand ji, will speak. But Prof. Sahib, please remember that brevity is the sould of the wit.

श्री परमा नन्द (जीन्द): अध्यक्ष महोदय, आपने बिल्कुल ठीक कहा। मैं बजट पर बोलते हुए सबसे पहले कर्जा माफी पर अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। सरकार ने 224 करोड के करीब कर्जे माफ करने कील बात कही है और वाक्या ही सरकार ने ये कर्जे माफ कर दिए हैं जिसके लिये सरकार बधाई की पात्र होनी चाहिए थी लेकिन 128.64 करोड के कर्जे तो आदरणीय वी0पी0 सिंह द्वारा केन्द्र सरकार से दिए गए धन से माफ किये गये हैं

दुर्बल और कमजोर लोगों के कितने कर्जे माफ हुए इसकी जानकारी भी सरकार को होगी लेकिन सरकार अनजान बनी बैठी है। इस 224 करोड रूपये में से 128.64 करोड रूपया जो मिनी बैंक्स का है, वह माफ किया गया है। यह कर्जा देहातियों को माफ किया गया है जिसके बारे में सरकार यह दिन रात प्रचार करते हुए थकती नहीं है कि हमने गरीब देहातियों के कर्जे माफ किये हैं। बाकी के कर्जे सरकार अब तक माफ नहीं कर सकी है। हम ये कर्जे भी माफ नहीं कर सकते थे ब ार्ते कि इनको अपना हिस्सा जो 64 करोड 32 लाख रूपये का था, कर्जे के तौर पर अगर नहीं देते जो इन्होंने तीन साल में ब्याज समेत वापिस देना है। इसके मुकाबले में आप देखें आज ये कहते हैं कि सरकार हमारी है। जनता दल (एस) की सरकार है। लेकिन पता नहीं वे कहां चले गये। आज जो जनता दल की सरकार केन्द्र में है, जिसके प्रधान मंत्री श्री चन्द्र ोखर जी हैं उसमें उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल जी भी हैं। पहले जो केन्द्र में वी0पी0 सिंह की सरकार थी, उसमें भी चौधरी देवी लाल जी उप प्रधानमंत्री थे। उस समय में और आज के समय के कामों में कितना फर्क है। उस समय की वी0पी0 सिंह की सरकार ने 128 करोड रूपये का कर्जा देकर इस सरकार को इस काबिल बना दिया कि ये कर्जे माफ कर सकें लेकिन इस चन्द्र ोखर जी की और चौधरी देवी लाल जी की मौजूदा जनता दल की सरकार ने जो गाडगिल फार्मूला अपनाया है, उससे हरियाणा को नुकसान हुआ है। इस गाडमिल फार्मूले के लागू होने से पहले प्रान्त को जो 138.70 करोड रूपया मिलना था,

उसकी बजाये अब 123 करोड रूपया दिया गया है। यानी 15 करोड रूपये कम आए हैं। इसी तरह से उत्पाद भाुल्क की बात है। उसका तीन परसैंन्ट हिस्सा स्टेट को मिलता है। पिछले साल इस स्टेट के हिस्से में 16.50 करोड रूपया आया था और अक की बार चौधरी देवी लाल जी की जनता दल सरकार के समय में केवल 12 करोड रूपया दिया गया है। कहने का मतलब यह है कि दोनों काउन्टस में सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों को धक्का लगा है। यह इनकी नीयत को जाहिर करता है।

सहकारिता मंत्री (श्री धीर पाल सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मेरा संबंधित साथी से यह कहना है कि वह बार बार वी0पी0 सिंह सरकार की प्र ांसा कर रहे हैं, लेकिन यह जो नीति बनायी गयी थी कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर 10000 तक के कर्जे माफ होंगे, उस बारे में इनको यह भी याद होगा कि इनकी वी0पी0 सिंह की सरकार ने यह भी कहा था कि 10000 से ज्यादा एक पेसा भी कर्जे का माफ नहीं होगा। हरियाणा सरकार ने और चौधरी देवी लाल जी ने बार बार उस समय भी यह कहा था कि हरियाणा के किसान चूंकि खु ाहाल हैं और यहां के किसान की लेन देन की सीमा 10000 से ज्यादा है इसलिये इस नीति में ढील दी जाये। तब जाकर यह कर्जे माफ हुए हैं। (व्यवधान व भाोर)

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, धीरपाल जी आपसे परमि ान लिये बिना ही अपनी बात बोल गये। लेकिन मैं एक बात

कहना चाहता हूं। आदरणीय चौधरी देवी लाल जी ने वोट लेने के टाईम 240 करोड रूपये के कर्जे माफ करने का वायदा किया था। उस वायदे के भरोसे दो बारे उन्होंने इलैक ान के दौरान वोट लिये 1987 के बाद केवल 140 करोड रूपये के कर्जे माफ किये गये थे। हम 10 करोड रूपया ही बैंकों में जमा करा सके थे। बाकी के 130 करोड रूपये के कर्जे तो हम आज तक भी माफ नहीं कर सके हैं। एक बात जनरल ऐडमिनिस्ट्रे ान के बारे में कहना चाहूंगा। आज एक कुप्रथा चल पडी है। पता नहीं केसे चली है कि केडर पोस्टस के ऊपर सिलैक्ट लिस्ट के आदमियों को ही लगाना चाहिए। आज सिलैक्ट लिस्ट के अन्दर अफसर नीं होते लेकिन उन लोगों की कैडर पोस्टस पर लगाया हुआ है। इस प्रान्त के अन्दर कई डी0सीज0 और कई एस0पीज0 ऐसे लगे हुए हैं जिनका नाम सिलैक्ट लिस्ट में नहीं है। लेकिन फिर भी उनको काडर पोस्टस पर लगाया हुआ है। ऐसा इसलिये है कि सरकार के कुछ चहेते अफसर हैं जिनको जायज नाजायज अच्छी जगहों पर लगाते हैं। इसके साथ साथ ही मैं यह बात भी कहना चाहता हूं कि अगर हम सीनियर और काबिल लोगों को इस तरह से इग्नोर करके चापलूस लोगों को लगायेंगे तो एडमिनिस्ट्रे ान खराब होगी। सरकार ने जो कुछ कहा है और किया है क्या यही इसके विकास का नमूना है ? अगर आप आंकडे देखें तो पता चलेगा कि बजट के अन्दर वर्श 1990–91 के रिवाईजड ऐस्टीमेटस में जहां 653 करोड रूपये का प्रोवीजन किया गया था वहीं विकास योजनाओं के लिये ऐनुअल प्लान आउट ले 765 करोड रूपये की

मंजूर हुई है। आप भी यह तो मानेंगे कि इस दौरान में 25 प्रति ात महंगाई बढ गयी है। अगर उस हिसाब से भी देखा जाये तो यह ऐनुअल प्लान केवल 640 करोड रूपये की ही रह जायेगी। इसलिये विकास की गति धीमी रहेगी।

इसके साथ ही साथ इस सरकार ने जो बजट पे ा किया है उसमें कर्जे की स्थिति बहुत ही भयावह है। हरियाणा पर पहले 159.76 करोड का कर्जा था लेकिन 31 मार्च 1990 तक 1868.51 करोड हो गया और 31 मार्च 1991 को 2141.44 करोड कर्जा हो जाएगा ऐसा अनुमान है। इस प्रकार इस सरकार ने इन सालों के अन्दर इस प्रान्त पर हजारों करोड रूपए का कर्जा बढाया है। इसमें ग्राम पेयजल योजना का जिक्र आया है। एक मुख्य मंत्री पिता की ऊंगली पकड कर यहां पर आए। उन्होंने नव वर्श की पूर्व संध्या पर घोशणा की कि 31 दिसम्बर 1990 तक सभी गांवों में पानी की सुविधा उपलब्ध करवा दी जाएगी। इन्होंने कहा है कि 85 समस्याग्रस्त गांव ऐसे हैं जहां पानी की सुविधा देनी है। इसके साथ साथ 356 गांव ऐसे हैं जो समस्याग्रस्त तो नहीं है लेकिन वहां पर पानी की कमी है। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार इस साल में केवल 86 गांवों को पानी दे पाई है जबकि इन्होंने वायदा सभी समस्याग्रस्त गांवों को पानी देने का किया था। अब ये इस काम को दो साल के अन्दर पूरा कर पाएंगे। स्पीकर साहब, 28 प्रति ात आबादी भाहरों के अन्दर रहती है। पता नहीं कि किन कारणों से भाहरों की उपेक्षा की जा रही है।

काफी भाहरों में भी पानी की किल्लत है। मल निकास यानी सिवरेज सिस्टम के बारे में कहना चाहता हूं कि भाहरों में इसकी हालत बहुत खराब है। इस सरकार ने मल निकास और जल निकास के लिए 2.95 करोड रूपया और 1.60 करोड रूपया रखा है। इतनी थोडी रकम से केवल दो चार भाहरों में यह सरकार काम कर पाएगी। यह सरकार अटठाईस प्रति ात आबादी की उपेक्षा कर रही है। ये कहते हैं कि म्यूनिसिपल कमेटियों द्वारा काम करवाया जाएगा लेकिन म्यूनिसिपल कमेटियों के लिये तो केवल एक करोड का प्रावधान है और हरियाणा में 81 म्यूनिसिपल कमेटियां हैं। एक करोड रूपए से 81 म्यूनिसिपल कमेटियां केसे काम कर पाएंगी यह बात हमारी समझ में नहीं आती।

स्पीकर साहब, अनुसूचित जाति और पिछडे वर्ग के कल्याण के लिये बहुत कम धन रखा गया है। जहां 17 प्रति ात आबादी हो उनके लिये 4 करोड 42 लाख रूपये का प्रावधान रखा है। इस साल छात्रवृत्तियों के लिये धन कम रखा गया है जबकि विद्यार्थियों की गिनती बढती जा रही है लेकिन छात्रवृतियां कम की गई हैं इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि यह रकम बढाई जाए।

स्पीकर साहब, जहां तक श्रम तथा रोजगार का संबंध है इस बजट में खान मजदूरों के बारे में कोई जिक्र नहीं है। बदरपुर में तथा स्लेट की खानों में जो मजदूर काम करते हैं उनका बडा भाोशण होता है। स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार कृशि के दायरे

में लोगौं के बीच बडी डींग हांका करती थी। मैं केन्द्रीय सरकार के एक व्यक्ति वि ोश का नाम लेकर चर्चा करना चाहता हूं। चौधरी देवी लाल कहते थे कि गेहूं का भाव 183 से 215 कर दिया। स्पीकर साहब, अगर हम 15 प्रति ात महंगाई को कम कर दें तो यह भाव 183 रह जाएगा। इसी तरह से कपास, सरसों और गन्ने की हालत है। यह कहते हैं कि गन्ने का भाव 46 रूपया क्विंटल कर दिया। अगर पन्द्रह प्रति ात महंगाई घटा दें तो गन्ने का भाव 39.10 रूपया रह जाएगा।

श्री अध्यक्षः बस अब आप खत्म करिए।

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, बस अभी खत्म कर रहा हूं। मैं अब डिवैलपमैंट के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, इसके लिए धन कम रखा गया है। स्पीकर साहब टूरिज्म की बात इसमें कही गई है। हरियाणा में चार ऐसे टूरिस्ट काम्पलैक्स हैं जो लगातार घाटे में जा रहे हैं लेकिन फिर भी वहां पर स्वचालित म्यूजिकल फाउंटैन्ज लगाए जा रहे हैं। मुझे समझ नहीं आता कि जहां घाटा हो रहा है वहां इस प्रकार के इंस्ट्रूमैंट लगाने की क्या जरूरत है ? स्पीकर साहब, हो सकता है कि यह सब कुछेक लोगों को या उनके बच्चों को ऐ ा कराने के लिये पैसा खर्च कर रहे हैं या वास्तव में टूरिज्म की तरक्की के लिए काम कर रहे हैं ?

जहां तक सडकों को गांवों से जोडने का सवाल है, इस बारे में मैंने पिछली बार भी कहा था कि केवल एक गांव ही सडक से जोडा गया है लेकिन इनके इकनौमिक सर्वे में यह लिखा है कि दो गांव जोडे गये हैं तो मैं यह जानना चाहता हूं कि जो 69 गांव बाकी हैं उनको किस प्रकार सडकों से जोडा जाएगा और कब यह काम पूरा होगा ?

अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के जीन्द के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं। वहां पर सडकों की बुरी हालत है। इसलिये वहां पर सडकों के साथ साथ सीवरेज का भी प्रबन्ध किया जाए। हसनपुर व भामदो माईनर्ज का काम भी भुरू करवाया जाए ताकि लोगों की दिक्कतों को दूर किया जा सके। इसी तरह से जो सडकें भूग्रर मिल को मिलाती हैं, उनकी ओर भी खास तवज्जों दी जाए अगर इन सडकों की ओर ध्यान दिया जाएगा तो इससे 30–30 किलोमीटर का लोगों को आने जाने में फर्क पडेगा। इन सडकों के न बनने के कारण रोजाना वहां पर ऐक्सीडैंट भी होते हैं। ऐसे कुछ गांवों की लिस्ट मैं मन्त्री महोदय को दे देता हूं ताकि उन गांवों को पक्की सडकों से जोडा जा सके।

इसी तरह से बुढापा पैन् ान के बारे में कहना चाहता हूं कि हैड क्वार्टर की बजाय बुढापा पैन् ान का वितरण एवं स्वीकृत करने का अधिकार जिला स्तर पर ही दे दिया जाए तो बेहतर रहेगा। जिला स्तर पर ही यदि किसी अफसर को इसके लिये नौमीनेट कर दिया जाए तभी लोगों को समय पर पैन् ान

मिल सकेगी। (ाोर) मैं आपको बताता हूं कि एक विधवा को मेरे इलाके में पिछले अढाई साल से पैन् ान नहीं मिली है। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री अ ाोक कुमार (थानेसर): अध्यक्ष महोदय, हमारे वित्त मंत्री महोदय जी ने कर रहित बजट इस हाउस में प्रस्तुत किया है, इसके लिये मैं उनको बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस बजट के समर्थन में अपने विचार रखना चाहता हूं। इस बजट में सरकार द्वारा किसानों को बहुत सी राहतें दी गई हैं और आज ये अपोजी ान के भाई जो बडी बढ चढ कर किसानों के हितों की बातें करते हैं इनको अपने मन से यह पूछना चाहिये कि उन्होंने आज तक किसानों की भलाई के लिये किया ही क्या है ? सभी हरियाणा के लोग इस बात से पूरी तरह से अवगत भी हैं कि पिछली सरकार ने किसानों की भलाई के लिये कुछ नहीं किया। मुझे याद है कि हमने जब एक बार गन्ने का रेट केवल एक रूपया बढाने के लिये यमुनानगरे में भाूगर मिल के सामने प्रद ान किया था तो कांग्रेस सरकार के भाइयों ने हम पर लाठियां बरवाई थीं और सर्दियों के दिनों में लोगों के ऊपर फव्वारों का पानी फैंका था। (ोम भोम की आवाजें) फिर ये लोग किस मुंह से कहते हैं कि इस सरकार ने किसानों के लिये कुछ नहीं किया और हमारी सरकार ने ही किसानों के भले के लिये बहुत कुछ किया था हमारी इस सरकार ने किसानों को मैक्सीमम 46 रूपये क्विंटल के हिसाब से गन्ने का भाव दिया है जिससे किसान बेहद खु ा हैं। जहां

तक कोआपरेटिव सैक्टर की बात है, उसके बारे में तो हमारे माननीय मन्त्री श्री धीर पाल सिंह जी ने बताया है कि पहले इनके वक्त में भूगर मिलों में चीनी का भाव 13–14 रूपये के0जी0 होता था और अब चीनी का भाव 9 रूपये पर किलो ग्राम है। पहले गन्ने का भाव 23 रूपये क्विंटल का था लेकिन अब 46 रूपये प्रति क्विंटल का है। इसके बावजूद भी आज हमारी भूगर मिलें प्रौफिट में जा रही हैं। (तालियां)

इससे आगे मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में पानी का लैवल बहुत नीचे चला गया है जिसकी वजह से पैडी की फसल में भारी कमी आई है। इसलिए सरकार इस ओर ध्यान दे।

अध्यक्ष महोदय, भूगर मिलों के बारे में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हमारे इलाके के अन्दर गन्ने की फसल बहुत ज्यादा होती है लेकिन वहां पर भूगर मिल का अभाव है। इसलिये मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि मेरे हल्के में मदाना के अन्दर एक भूगर मिल लगाई जाए ताकि किसानों को अपनी फसल का सही रेट मिल सके। गन्ने का जो भाव दूसरे किसानों को मिलता है। वही भाव हमारे इलाके के किसानों को भी मिलना चाहिये क्योंकि वे भी गन्ने की ज्यादा पैदावार करते हैं। सरकार इस ओर ध्यान दे।

ि ाक्षा के बारे में सरकार ने जो लडकियों के स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे विचार किया है, वह सचमुच में ही

सराहना के काबिल है। सरकार ने इस बजट स्पीच में कहा है कि वर्श 1991–92 में लडकियों के लिये 100 प्राथमिक स्कूल खोले जाएंगे और 50 माध्यमिक स्कूलों का दर्जा बढाया जाएगा। यह बडी अच्छी बात है लेकिन थानेसर भाहर में एक लडकियों का स्कूल है जो बहुत पुराना है। वहां पर दो ि ाफ्टों में काम हो रहा है। फिर कुरूक्षेत्र जिला के अन्दर 10+2 का कोई स्कूल लडकियों के लिए नहीं है। इसलिये इस स्कूल का दर्जा बढा कर इसको 10+2 कर दिया जाए। यह मेरी सरकार से प्रार्थना है।

स्पीकर साहब, सरकार ने अपनी बजट स्पीच में 71 परसैंट पैसा देहातों में खर्च करने का प्रावधान किया है। यह भी एक सराहनीय काम है। इसके लिये मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं। स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने चने की दला पर चार परसैंट से सेल्ज टैक्स घटा कर एक परसैंट किया है। ऐसा करके सरकार ने व्यापारियों को बडी भारी सुविधा दी है। इससे व्यापारी काफी परे ाान थे क्योंकि दिल्ली में इस पर एक परसैंट सेल्ज टैक्स था और यहां पर चार परसैंट था। जहां तक कानून और व्यवस्था की बात है, हमारे होम मिनिस्टर साहब मुबारिकबाद के पात्र हैं। यहां पर कुछ भारारती तत्वों ने मंडल के नाम पर और कमंडल के नाम पर कानून व्यवस्था को खराब करने की कोि ाश की। मैं होम मिनिस्टर साहब को मुबारिकबाद देता हूं कि उन्होंने कानून व्यवस्था को ठीक रखा। (विघ्न) जहां तक कर्मचारियों को सुविधा देने की बात है हमारी सरकार ने अपनी कथनी और करनी में

कोई अन्तर नहीं रखा। सरकार ने उनकी मांगे पहले ही पूरी कर दीं अब तो ये लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिये कहते हैं कि हम उनके साथ हैं वरना और कोई बात नहीं है। इस सरकार ने 24 घंटे बिजली देकर किसानों को बहुत खु ाहाल बनाया है। मेरा हलका पैडी का हल्का है वहां पर बिजली की बहुत कमी रहती है। पिपली का जो सब स्टे ान है वह पहले 66 के0वी0 का था और अब वह 132 के0वी0 का मंजूर हुआ है। मेरा निवेदन है कि उसे भीघ्र पूरा किया जाए। सरकार ने न्यूनतम मजदूरी 815 रूपये बांधी है इसके लिये मैं सरकार को मुबारिकबाद देता हूं। इन भाब्दों के साथ जो बजट श्री तैयब हुसैन जी ने पे ा किया है मैं उसका समर्थन करता हूं।

कामरेड हरपाल सिंह (टोहाना): स्पीकर साहब, बजट के ऊपर कल से चर्चा चल रही है। मुझे मालूम नहीं कि बजट पर पहले किस तरह से चर्चा होती थी लेकिन दो तीन साल को तो मेरा भी तजुरबा है, बिटर एक्सपीरिएंस है कि विधान सभा के अन्दर लोगों की मांगों को लेकर जब सवाल रखा जाता है तो उसका जवाब किस प्रकार से दिया जाता है। अगर पूछा जाता है कि फलां जगह भ्रश्टाचार है तो उसका जवाब आता है कि हम तो करेंगें आप हमारा क्या करेंगे। मैं सरकार से दर्खास्त करूंगा कि यहां पर लोकायुक्त का गठन किया जाए। ऐसी बातें पहली बार देखने को मिली हैं। विधान सभा के अन्दर जितने मंत्रीगण हैं या सदस्य हैं उनके बारे में देखा जाए कि चार साल पहले उनके

परिवार की क्या सम्पत्ति थी और आज क्या है ? यह देखा जाए कि पिछले चार सालों में किसने कितना धन अर्जित किया है और कहां कहां से अर्जित किया है। इस बात की जानकारी के लिये लोकायुक्त नियुक्त किया जाना बहुत जरूरी है। यहां पर टैक्सिज का जिक्र आया कि कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। मैं इनके भाब्दों को कारीगरी को मानता हूं। सै ान भुरू होने से पहले आर्डिनैंस द्वारा टैक्स लगा दिया जाता है और उस आर्डिनैंस को सैं ान में पास करवा दिया जाता है। इसके बाद सै ान उठने पर दोबारा फिर आर्डिनैंस के जरिए टैक्स लगा दिए जाते हैं। इसके अलावा बजट स्पीच में यह नहीं बताया गया कि घाटे को कैसे पूरा किया जाएगा। पिछले साल का बजट स्पीच में यह नहीं बताया गया कि घाटे को कैसे पूरा किया जाएगा। पिछले साल का बजट सात सौ करोड रूपए का था उसको घटा कर 653 करोड रूपए का कर दिया गया। स्पीकर साहब, इस साल बजट में 765 करोड रूपए का प्रावधान किया गया है। यह इस साल के आखिर तक कितना रह जाएगा यह नि चत नहीं है क्योंकि 1990–91 के भुरूआती घाटे व दूसरे कारणें से 700 करोड बजट की रकम घट कर 653 करोड रूपए रह गई थी। इसमें 14 परसैंट की बढौतरी दिखाई गई है जबकि मूल्य सूचकांक में 12 परसैंट की बढोतरी दिखाई गई है जो खुदरा मूल्य में और भी बढ जाती है। यदि इस सारे हिसाब को कम्पेयर करें तो बजट योजना खर्च 1990–91 के बराबर ही बैठता है बल्कि इससे कम रह जाएगा। इसलिये इससे विकास की उम्मीद रखना बिल्कुल फजूल है। इस बजट में प्रदे ा

के विकास की झलक नहीं दिखाई देती है। इस बजट में कोरी भाब्दों की कारीगरी है केवल भाब्दों की बाजीगरी है। यहां सदन के अंदर बार बार माननीय सदस्य मांग करते हैं कि उनके हल्कों में विकास के कार्य किए जाएं जैसे मैंने अपने हल्के टोहाना के अंदर कालेज के ग्रांउड के बारे में बात कही, होस्पीटल के बारे में बात कही उन सभी बातों का सरकार की तरफ से एक ही जवाब आया कि धन उपलब्ध होने पर उन कामों का निर्माण करने की कोि ा ा की जाएगी। इस बजट में कहा गया है कि टोटल बजट का 71 परसैंट पैसा देहात के विकास के कार्यों पर खर्च किया जाएगा। मैं इस सरकार से यह जानना चाहता हूं कि वह 71 परसैंट पैसा देहात के कौन कौन से विकास के कार्यों पर खर्च करेगी ? उस बारे में इस बजट में कुछ नहीं बताया गया है। मेरे हल्के में 6–7 गांव ऐसे हैं जो सडक न होने के कारण टोहाना से नहीं जुडे हुए। उन गांवों की सडकें बनाने के लिये मैंने सरकार को लिस्ट दे दी है। बरसात के दिनों में उन 6–7 गांवों के सिकान अपना अनाज टोहाना की मंडी में नहीं ला सकते। सडक न होने के कारण उन गांवों के किसानों को बहुत ही परे ाानी होती है। जब मैंने उन सडकों के निर्माण के बारे में कहा तो सरकार की तरफ से यही जवाब दिया गया कि धन उपलब्ध होने के बाद उन सडकों का निर्माण कार्य भाुरू हो पाएगा। मेरे हल्के में 1988 में बहुत फ्लड आया था। उस समय रंगोई नाले के कारण जाखल से लेकर फतेहाबाद तक किसानों की फसलें तबाह हो गई थी। दो साल बीत गए सरकार ने उस रंगोई नाले की तरफ कोई ध्यान

नहीं दिया। रंगोई नाला हर साल उस क्षेत्र में नुकसान करता है। मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सरकार उस नाले के चौडा कराए ताकि मेरे हलके में किसानों की फसलें तबाह न हों। एक बात मैं भूना भूगर मिल के बारे में कहना चाहता हूं। उस मिल की कंस्ट्रक ान का काम करते हुए एक ठेकेदार बीच में ही भाग गया। हमें पता लगा है कि उस ठेकेदार ने उसमें करोडों रूपये का गबन किया है। (ाोर) इस ओर भी सरकार ध्यान दे।

श्री अध्यक्षः कामरेड साहब, आपको समय खत्म हो गया है अब आप बैठे। (ाोर)

कामरेड हरपाल सिंहः ठीक है जी, धन्यवाद।

श्री आत्मा सिंह गिल (रतिया–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मैं आप जी दी आज्ञा नाल बोलदे होए जो बजट पे ा कीता गया है ओस दा स्वागत करदां हां। साडी सरकार ने ऐसे बजट विच कोई वी टैक्स नहीं सी लगाया एकलई ऐह सरकार बधाई दी पात्र है। चौधरी देवी लाल जी ने जिन्ने वादे हरियाणा दी जनता नाल कीते सी ओह सारे वादे पूरे कर दिते हन। हरियाणा प्रान्त विच चौधरी देवी लाल जी दी सरकार बणदे ही उन्होंने सारे किसानां दे कर्जे माफ कीते। बुढयां नूं पैं ान दिती। हरियाण प्रान्त दे किसानां नूं बिजली 24 घंटे दिती जांदी है जेहडी कांग्रेस दे राज विच नहीं सी मिलदी। 40 साल कांग्रेस पार्टी दी सरकार रही ओसने हरियाणा प्रान्त दे किसानां लई बिजली पानी

दा प्रबंध नहीं सी कीता। चौधरी देवी लाल जी दी ढाई साल पहले ते साढे तिन साल हुण सरकार रही है उन्होंने हरियाणा प्रान्त दे किसानां नूं पूरी तरां बिजली ते पानी दित्ता है।

मैं चौधरी सम्पत सिंह जी दी वी सराहनां करदां हां कि उन्हां दे सिंचाई ते बिजली मन्त्री बणन तों बाद हरियाणा विच बिजली दी कोई कमी नहीं रैह गई है। किसाना नूं 24 घंटे बिजली मिल रही है। जदों चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी सिंचाई ते बिजली मन्त्री हुंदे सन ओस टाईम विच हरियाणा दे किसानां नूं बिजली नहीं सी मिलदी। पहिलां मजदूरां दी दिहाडी 19 रूपए हुन्दी सी, हुण चौधरी देवी लाल जी ने मजदूरां दी दिहाडी 31 रूपये 40 पैसे कीती है। चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा दी जनता नाल जिन्ने वी वादे कीते सन ओह सारे वादे उन्होंने पूरे कीत हन। ऐसे तरां कणक दा रेट 32 रूपए क्विंटल दे हिसाब नाल वधाया सीं गन्ने दा रेट 45 रूपए क्विंटल कीता सी। सारे हिन्दुस्तान विच ऐसी सरकार नहीं है। मेरे जिहडे साथी सदन विच बैठे हन, ऐह कल तक तां इस सरकार विच भाामिल सी अते चौधरी देवी लाल दा गुणगाान कर रहे सन, हुण इन्हानूं कुर्सी नहीं मिली, ऐस लई उन्हांनूं हैरानी हो रही है। (विघ्न) जदां तो चौधरी हुकम सिंह जी दी सरकार आई, उदों तों इन्हांनें कोई गडबड नहीं होण दित्ती (विघ्न) जदां बी0डी0 गुप्ता करीब करीब दो महीने तक सी0एम0 दे ओहदे ते हुंदे सन तां चौबीसों घंटे राज्य विच गडबड रहिंदी सी। (विघ्न) चौधरी देवी लाल जी दी सरकार दे समय विच

भावें कोई सिख होवे जां हिन्दू होवे या किसी होर बिरादरी दा होवे, किसे नूं कोई तकलीफ नहीं सी हुंदी। (विघ्न) चौधरी भजन लाल दे समय दी इक गल मैं तुहानूं बताउणा चाहंदा हां कि उस समय सिक्खां दे नाल बडी ज्यादती होंदी सी। उस समय विच सिक्खां दी पगडी तक उतारी गईं सी। अज्ज चौधरी देवी लाल जी अते मास्टर हुकम सिंह दी सरकार विच सिक्ख अते दूजियां सारियां कौमां ऐ ा ले रहियां हन, किसे नूं कोई तकलीफ नहीं है। चौधरी देवी लाल जी नूं जिहडे साडे साथी धोखा देकर गये हन, उन्हांनूं नां ते जनता बख्भोगी अते न मालिक बक ोगा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप जल्दी खत्म कीजिए।

श्री आत्मा सिंह गिलः अध्यक्ष महोदय, हुण मैं अपने हलके दी गल आपजी दे नोटिस विच लियाणा चाहुंदा हां। अज तक मेरे हल्के दे अन्दर इक वी सडक नहीं बणी। (विघ्न) मैं सरकार ने नोटिस विच लाउणा चाहुंदा हां कि रंगोई नाले ते जो कम भाुरू हो चुकिया है, उसनूं पूरा कीता जावे, क्योंकि उस कम दे पूरा न होण दी वजह नाल हड दे समय हर साल तकरीबन डेढ करोड रूपये दी फसल खराब हो रही है। इसलई मेरी सरकार तों विनती है कि इस कम नूं जल्दी तों जल्दं पूरा कीता जावे ताकि इस होण वाले नुकसान नूं रोकया जावे। इसे तरां तो सडकां मेरे हलके विच बनाइयां जाणियां हन, उनहां नूं वी जल्दी तों जल्दी बनाया जावे। (घंटी) इसलई मेरी सरकरर तों दोबारा विनती है कि

मेरे हल्के विच जिहडे अधूरे कम पेय होये हन, उन्हांनूं छेती तों छेती पूरा कीता जावे। धनवाद।

श्री मुनी लाल (बावल–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, हमारे मंत्री महोदय श्री तैयब हुसैन ने जो बजट पे ा किया है, उसमें कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया गया है क्योंकि इनकी अब टैक्स लगाने की आव यकता भी नहीं थी क्योंकि आज से दो महीने पहले ही ये काफी मात्रा में टैक्स लगा चुके हैं। जैसे टोल टैक्स लगाया है, खाद पर टैक्स लगाया है और सीमेंट आदि पर टैक्स लगाया है। जब इतनी सारी चीजों पर ये पहले ही टैक्स लगा चुके हों तो अब टैक्स लगाने की जरूरत नहीं थी। हमारे वित्त मंत्री महोदय ने कहा है कि बजट का 71 प्रति ात पैसा देहात में खर्च होगा। (विघ्न) मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि जो विपक्ष के एम0एल0एज0 हैं उनके हलकों में सरकार कोई काम नहीं कर रही। मैं गुजारि ा करता हूं कि सरकार हमारे इलाके में भी स्कूलों का स्तर ऊंचा करे और नए हस्पताल व बिजली पानी का प्रबन्ध किया जाये। हमारे इलाके में सडकों की बहुत खराब हालत है। खस्ता हालत में जो सडकें हैं, उनको भी ठीक किया जाये।

13.00 बजे।

गांव में जो पंचायत भवन नहीं बने हैं या जो हरिजन चौपालें नहीं बनी हैं उनको बनाया जाए और जो रिपेयर होने

लायक हैं उनकी रिपेयर भी की जाए। इसके साथ ही साथ जो गांव सडकों से नहीं जुडे हुए हैं उनको भी सडकों से जोडा जाए। अभी तक भी ऐसे गांव हैं जो 43 वर्श की आजादी के बाद भी सडकों से नहीं जोडे गए हैं। मैं सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं। मैं खुद उस गांव से विधायक हूं जिसे सडके के साथ नहीं जोडा गया है। इस सडक को बनाने के लिये तीन बार ऐस्टिमेटस बने हैं और तीनों ही बार कैंसल हुए हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस तरफ भी ध्यान दिया जाए। स्पीकर साहब, हमारी सरकार वैसे तो किसानों की बहुत ही हमदर्द है और इस बात का प्रचार भी खूब किया जाता है लेकिन आज तक इस सरकार ने किसानों को बीज, खाद, कीटना ाक दवाईयां आदि उचित मूल्य पर उपलब्ध नहीं करवाई। जो कीटना ाक दवाईयां हैं उनके रेटस बहुत ज्यादा हैं और उनसे कोडे मरते भी नहीं क्योंकि दवाएं नकली होती हैं। स्पीकर साहब, डीजल के रेटस भी बहुत ज्यादा हो गए हैं। आज डीजल 6 से लेकर 8 रूपये लीटर तक बिक रहा है और वह भी मिलता नहीं है और इसकी ब्लैक की जा रही है। स्पीकर साहब, खाडी युद्ध से पहले तेल का मूल्य 34 हजार प्रति बैरल था जबकि अब तेल का मूल्य 16 डालर प्रति बैरल हो गया है लेकिन भारत सरकार के पास फारेन करन्सी की कमी होने के कारण वह अधिक तेल खरीद नहीं रही है। डीजल एक बहुत ही आव यक वस्तु है लेकिन बडे बडे लोगों द्वारा इसकी ब्लैक करके भंडार किया जा रहा है। दूसरी ओर सरकार वितरण व्यवस्था में सुधार नहीं कर

सकी (विघ्न) सम्पत सिंह जी, आपने और श्री चौटाला ने मेरे पेट्रोल पम्प पर पुलिस बिठा दी थी और पैट्रोल बिकने नहीं दिया था। (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Sh. Muni Lal Ji, this is not the way. Please address me.

प्रो0 सम्पत सिंहः जब पैट्रोल और डीजल की ब्लैक होगी तो पुलिस तो वहां पर जाएगी। (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: No interruptions please.

श्री मुनी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं यह मांग करूंगा कि किसानों को डीजल भाीघ्र और सस्ता मिलना चाहिए। दूसरी तरफ सरकार यह कहती है कि हमने गेहूं का रेट बढा कर 215 रूपये क्विंटल कर दिया। किसान को तो रेट कम दिया जाता है परन्तु लाला की दुकान पर साढे पांच रूपये किलो के हिसाब से गेहूं बिक रहा है। (विघ्न) स्पीकर साहब, सरकार कहती है कि हमने सरसों का रेट बढा दिया है, रेट ऊंचा कर दिया है। सरकार का रेट 600 रूपये क्विंटल का है। जबकि इसका बाजारी भाव 1100 रूपये प्रति क्विंटल है। यह बढा हुआ पैसा किसान को नहीं मिलता बल्कि दुकानदार ले जाता है। स्पीकर साहब, अब मैं सिंचाई के बारे में थोडा सा कहना चाहूंगा। (विघ्न) स्पीकर साहब, हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा है और एस0वाई0एल0 नहर हरियाणा की जीवन रेखा है। हरियाणा प्रदे ा के रिवाडी महेन्द्रगढ और नारनौल जैसी जगहों पर सिंचाई के साधन बहुत ही कम हैं और

सिंचाई के लिहाज से ये क्षेत्र बहुत ही पिछडे हुए हैं क्योंकि इनको नहर का पानी नहीं लगता और वाटर लैवल भी बहुत नीचे चला गया है। मैं सरकार से गुजारि ा करूंगा कि वह इस ओर वि ोश ध्यान दे एम0आई0टी0सी0 के 10 टयूबवैल्ज मेरी कांस्टिचुऐंसी में हैं। इन दसों टयूबवैल्ज की मोटरें खराब हैं या किसी अन्य कारण से या खराबी से टयूबवैल्ज बन्द पडे हैं जिसके कारण किसान बडे परे ाान हैं।

जवाहर लाल नेहरू कैनाल हमारे रिवाडी भाहर की ओर से निकलती है लेकिन मेरे हल्के में नालियां पक्की नहीं हैं खाले नहीं हैं जिस कारण हमारे इलाके में पानी नहीं मिलता और बेचारे किसान खेाती नहीं कर पाते हैं। स्पीकर साहब, अब मैं कर्जे माफी के बावत थोडी बात कहना चाहता हूं। कर्जे माफी के नाम पर गरीबों का कोई भला नहीं किया गया केवल उन लोगों के कर्जे माफ हुए हैं जो बडे बडे किसान हैं या जिनके पास ट्रैक्टर हैं। अनुसूचित जाति तथा पिछडा वर्गों तथा छोटे लोगों के कर्जे माफ नहीं किए गए हैं और उन्हें कर्जे माफी की स्कीम का कोई लाभ नहीं हुआ है जबकि इस बजट में अनुसूचित जाति तथा पिछडा वर्ग कल्याण निगम और हरिजन कल्याण निगम द्वारा 7.54 करोड रूपये के कर्जे माफ करने की बात कही गई है। चौधरी देवी लाल जी ने इलैक ान के समय कर्ज माफी का वायदा भी किया था लेकिन गरीब लोगों को इससे कोई खास फायदा नहीं हुआ है।

Mr. Speaker: Muni Lal Ji, this is not the way. Please be relevant and wind up too.

श्री मुनी लालः स्पीकर साहब, धारूहेडा के अंदर उद्योग लगे हुए हैं मैं सरकार से गुजारि ा करूंगा कि बडे बडे उद्योगों की बजाए छोटे उद्योगों को बढावा दिया जाए ताकि ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सके।

स्पीकर साहब, एक बात की ओर मैं हरियाणा सरकार का ध्यान जरूर दिलाना चाहूंगा कि वहां पर जो लोकल लोग होते हैं, उनको मजदूरी दी जाये। बडे बडे उद्योगपति वहां से लोकल लोगों को न लेकर बाहर से मजदूर लाते हैं।

Mr. Speaker: Mr. Muni Lal Ji, now you please take your seat. (Interruptions).

श्री मुनी लालः स्पीकर साहब, सरकार को इसकी तरफ भी ध्यान देना चाहिये। बडे बडे उद्योगों में चाहे वे फरीदाबाद के अंदर हों, पानीपत के अंदर हों या कहीं दूसरी जगह हों, हमारे लोगों को प्रैफरैंस मिलना चाहिये और जैसे खाद की या बाटा की एजेंसियां हैं, ये हमारे यहां के पढे लिखे नौजवानों को प्रायरिटी पर मिलनी चाहिये।

Mr. Speaker: Mr. Muni Lal, you please take your seat. (Interruptions).

श्री मुनी लालः स्पीकर साहब, हरियाणा परिवहन के मामले में सबसे आगे है। ये कहते हैं कि हरियाणा की परिवहन

हिन्दुस्तान में सबसे अच्छी है। मैं भी इस बात को मानता हूं लेकिन क्या मंत्री जी यह बताएंगे कि डीलक्स और ए0सी0 बसों के अंदर बी0सी0 आर0 क्यों नहीं चलते जबकि पैसेंजर से चार्जिज पूरे लिये जाते हैं। ये चण्डीगढ से दिल्ली तक ए0सी0 बस का एक सीट का किराया 141 रूपये चार्ज करते हैं। ये कहते हैं कि हमारी ए0सी0 बस हैं लेकिन दिसम्बर और जनवरी के सर्दी के महीनों में उनमें होटिंग का नाम भी नहीं होता है। क्या वे पैसेन्जर्ज से चीटिंग नहीं है ?

Mr. Speaker: Mr. Muni Lal, this is the height of indiscipline on your part. Now you please take your seat. (Interruptions).

श्री मुनी लालः ठीक है जी, धन्यवाद।

वित्त मंत्री (श्री तैयब हुसैन): मोहतरिम स्पीकर साहब, मैं अपने साथियों का म ाकूर हूं कि उन्होंने बजट पर जनरल डिस्क ान में हिस्सा लिया और कुछेक ने कंस्ट्रक्टिव सुझाव भी दिये। इनमें से जिन्हौंने मुखालफत की, वह बराये नाम मुखालफत की बात की है। तो मैं ज्यादा वक्त नहीं लूंगा। जहां तक इस बजट में डैफि ाट की बात कही गयी है, अगर यह आंकडों के हिसाब से देखा जाये तो डैफि ाट 65 करोड रूपयें का था लेकिन अगर आप क्लोजिंग बैलैन्स देखेंगे तो 63 करोड का है। तो एक तरह से यह 2 करोड रूपये का सरप्लस का बजट है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः आपने घाटा तो 95 करोड रूपये का दिखाया है।

श्री तैयब हुसैनः 30 करोड रूपया रिलीफ जो एम्पलाईज को दिया गया, उसको मिलाकर 95 करोड रूपये का घाटा बना है। अब यह घाटा 63 करोड रूपया रह गया है। इस तरह से यह दो करोड रूपये सरप्लस का बजट है। एक तरफ तो आप लोग घाटे की बात करते हो और दूसरी तरफ यह कहते हो कि मुलाजिमों को सब कुछ दिया जाना चाहिये। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप मुझे ऐड्रैस करें। आप सैकंड फोरम क्यों क्रिएट कर रहे हो ?

श्री तैयब हुसैनः इसमें हमने 30 करोड रूपये का रिलीफ तो जो एम्पलाईज को दिया है, वह है। वरना तो यह 2 करोड रूपये से ज्यादा का सरप्लस बजट बनता है। यह आंकडे आप देख लें। अगर आपके साथी न समझें तो आप उनको समझा दें। 63 करोड रूपया हमारा क्लोजिंग बैलैन्स है। यह आप देख लीजिये। (व्यवधान व भाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, बजट तो सरप्लस अच्छा नहीं होता, बजट तो घाटे का ही अच्छा होता है।

श्री तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, यह 65 करोड रूपये का तो घाटा छोड कर गये थे और 30 करोड रूपये का रिलीफ हमने मुलाजिमों को दिया है। इसके साथ ही हमने अपने जवानों को भी

और सुविधा दी हैं। हमारे एच0ए0पी0 के जो कांस्टेबल हैं, डाईट मनी उनकी हमने 100 रूप्ये से बढाकर 150 रूपये की है और बाकी दूसरे सिपाहियों को क्योंकि उनको भी औड आवर्ज में डियूटी देनी पडती है 100 रूपये महीना दिया है। इसका खर्चा पौने चार करोड रूपये के करीब बैठता है जो हमने अपने पुलिस के मुलाजिमों को दिया है। इस तरह से कुल लगभग 34 करोड रूपये का रिलीफ हमने अपने मुलाजिमों को दिया है। इसको चाहे आप घाटा कह लो या ज्यादा कह लो या कुछ और कह लो। हमने सारे के सारे मुलाजिमों को इस तरह से रिलीफ दिया है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः घाटा तो गलत बात नहीं है लेकिन आप यह बतायें कि इस घाटे को आप किस तरह से पूरा करेंगे ? क्या तरीका अपनायेंगे ?

श्री तैयब हुसैनः गुप्ता जी मैं उस पर भी आ रहा हूं। मैं यह अर्ज कर रहा था कि इस सिलसिले में प्रोफैसर परमानन्द जी ने वी0पी0 सिंह का जिक्र किया। मैं इस बारे में इनसे पूछना चाहूंगा कि जब मोडीफाईड गाडगिल फार्मूला पे ा किया गया था, उस समय प्रधान मंत्री कौन था ? (विघ्न) मैं इनको बताना चाहूंगा कि उस समय वी0पी0 सिंह ही प्रधान मंत्री थे, जब यह गाडगिल फार्मूला पे ा किया गया। यह जो फार्मूला पे ा किया गया, उसके तहत हमारी स्टेट को घाटा हुआ है और उस समय वी0पी0 सिंह ही प्रधान मंत्री थे।

स्पीकर साहब, मैंने सारी बातें बजट में खोल कर रख दी है। हमें जो नुकसान हुआ है वह गाडगिल फार्मूले के कारण तथा फाइनैंस कमि ान के कारण हुआ है। मैं तो यह कहता हूं कि हमारा जो डाइसैन्टिग नोट था वह भी प्रोसीडिंग्ज में दर्ज नहीं हुआ। स्पीकर साहब जब वी0पी सिंह प्राइम मिनिस्टर थे तो गाडगिल फार्मूला और फाईनैंस कमि ान की सिफारि ा मंजूर की गई थीं। फाईनैंस कमि ान कांग्रेस गवर्नमैंट ने बनाया था। स्पीकर साहब, चौधरी धीरपाल जी ने कर्जा माफी का जिक्र किया और सदन को बताया कि चौधरी देवी लाल की इंटरवैन ान के बाद ही वह मामला हमारी स्टेट में लागू हो गया। कर्जा माफी से 10.36 लाख लोगों का 266.05 करोड रूपया माफ हुआ है। (ोर एवं व्यवधान)

स्पीकर साहब, गुप्ता जी कह रहे हैं कि जो घाटा है उसको पूरा कैसे करेंगे ? इसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि अभी सैन्टर का पूरा बजट पे ा नहीं हुआ। एक तो उसके तहत जो रकम आनी है उससे पूरा होगा और दूसरे हम अपने खर्च में भी कमी करके पूरा करेंगे। हम अपने खर्च में इकौनौमी करेंगे। स्पीकर साहब, जैसे कि आपने देखा है कि पहले भूगर मिल्ज में घाटा था लेकिन अब वे मिलें मुनाफे में चल रही हैं। इस बजट स्पीच में हमने सारी बातें कहीं हैं। कोई बात इस सदन से छिपाई नहीं है। सारी बातें तफसील से बताई हैं। श्री हरनाम सिंह जी ने कहा कि कर्जा लेने से डिवैलपमैंट के काम रूक जाएंगे क्योंकि

कर्जे का ब्याज बहुत अधिक देना पडेगा और स्टेट पर बडा बोझ पडेगा। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि डिवैल्पमैंट के काम के लिए अगर कर्जा लिया जाए तो कोई बुरी बात नहीं। अगर हमें अपनी स्टेट को आगे बढाना है तो कर्जा लेने में क्या हर्ज है ?

स्पीकर साहब, रावत जी ने कहा कि पहले 54 प्रति ात लोग ऐग्रीकल्चर पर निर्भर थे और अब घटाकर 44 परसैंट पर आ गए हैं। स्पीकर साहब, वे भाायद समझ नहीं पाए। यह तो अच्छी बात है। उनकी डाईवरसिफिके ान हुई है। वे ऐग्रीकल्चर से हट कर दूसरी तरफ चले गए हैं। जहां तक मैंचिंग ग्रांट का ताल्लुक है जो भी हमने प्रोवीजन किया है वह आपके सामने है। स्पीकर साहब, पहले यह रा ि ा 1.42 करोड थी लेकिन अब 1.62 करोड रखी गई है। स्पीकर साहब, मैं गुप्ता जी से कहना चाहता हूं कि वे आगे भी पढें। मैंने इस बजट में आगे कहा है और इस सदन को यकीन दिलाना चाहता हूं कि मैंचिंग ग्रान्ट का कोई अभाव नहीं होगा और नियमानुसार सारे काम होंगे।

मोहतरिक स्पीकर साहब, एस0वाई0एल0 के बारे में आज ही सुबह आई0पी0एम0 साहब ने क्वै चन आवर में बडी तफसील के साथ बताया है। हम बार बार यह कह रहे हैं कि जो 55 करोड रूपया हमने एस0वाई0एल0 पर खर्च किया है, केन्द्र सरकार उसे हमें वापिस करे और ऐसा हम पहले भी कहते आ रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान) इसी तरह से आगरा कैनाल के बारे में भी रावत साहब ने कहा कि फरीदाबाद और गुडगांव दोनों जिलों

में इसकी प्रोबलम है। वह इसलिये है कि इस नहर का ऐडमिनिस्ट्रेटिव प्रबन्ध यू0पी0 सरकार का है। यह मामला हमने यू0पी0 सरकार के साथ टेक अप किया हुआ है। हम यह चाहते हैं कि इसका सारा कंट्रोल हरियाणा सरकार के पास आए ताकि यह दिक्कत हमे ाा के लिये दूर हो जाए और वहां पर ड्रेनज व नहर इत्यादि बन सकें।

स्पीकर साहब, जहां तक पुलिस के खर्चे की बात है, इस पर भी काफी चर्चा यहां हाउस में चलती रही है। मेरा कहना यह है कि अगर ला एण्ड आर्डर को हमने ठीक रखना है तो पुलिस के ऊपर ज्यादा खर्च करना ही पडेगा। आपको पता है कि हमारी योग्य और बहादुर पुलिस ने जो पंजाब की भारी समस्या थी और है उसको हरियाणा के अन्दर दाखिल नहीं होने दिया है। उस समस्या को हमने आगे बढने नहीं दिया है। उसको पीछे धकेल कर हमने वहीं का वहीं रहने दिया है।

इसी तरह से मोहतरिम स्पीकर साहब, सेल्ज टैक्स के बारे में भी बहुत कुछ कहा गया। मैं यह बताना चाहता हूं कि सेल्ज टैक्स में जो कन्र्स ांज इस साल दी गई हैं, वहीं पिछले साल भी दी गई थीं और यह सब चौधरी देवी लाल जी के भाासन काल की ही बात है। कुछ बातें बजाज साहब ने भी कहीं। करनाल से आज 66 परसैंट यंत्र बाहर जाते हैं उन पर भी टैक्स हटाया गया है। मैं सभी माननीय सदस्यों को यह आ वासन दिलाता हूं कि जो भी जायज होगा उस पर सरकार बडी हमदर्दी से गौर

करेगी। सेल्ज टैक्स के बारे में जो हमारी प्रोग्रैस थी, वह हम सब के सामने है।

कुछ बातें यहां पर हमारे माननीय सदस्यों ने कहीं कि कई हल्कों के साथ काम काज के हिसाब से भेदभाव रखा गया है। यह ठीक बात नहीं है। हमारी हमे ाा ही यह कोि ा ा रही है कि पूरी स्टेट के अंदर सभी हलकों के साथ एक समान व्यवहार किया जाए ताकि सभी जगहों पर प्रोग्रेस हो। इसलिए ऐसी भेदभाव वाली कोई बात नहीं है। मेरे एक माननीय साथी श्री रणसिंह मान जी ने एक बात कही कि उन्होंने इस बजट स्पीच को बडी नजदीकी, करीबी और ध्यान से दखा है, पढा है लेकिन मैं मान साहब को यह बताना चाहता हूं कि जिस बात को वे पहले कहते थकते नहीं थे उस बुढापा सम्मानित पैं ान के बारे में उन्होंने एक लफज भी नहीं कहा। अगर मान साहब ने बुढापा पैं ान के बारे में कुछ कहा होता तो अच्छा लगता क्योंकि उनको वि ोश तौर पर इसकी ओर ध्यान रहता था। लेकिन वे कहते भी कैसे क्योंकि सरकार ने इस क्षेत्र में बडा ही सराहनीय काम किया है। इसलिये स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि इस सरकार के दिल में किसी के हलके के साथ कोई भेदभाव वाली बात नहीं है। भाई महेन्द्र प्रताप सिंह जी यहां पर बैठे नहीं है। मैं उन से भी कुछ कहना चाहता था।

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय वित्त मंत्री जी ने कहा कि बुढापा सम्मानित

पैन ान हमने दी है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि फार्म के अन्दर बुढापा सम्मानित भाब्द नहीं लिखा है बल्कि बुढापा सहारा पैन ान लिखा है।

श्री तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, डा0 साहब बहुत पढे लिखे आदमी हैं और इन्होंने पी0एच0डी0 भी कर रखी है। हम तो साधारण आदमी हैं इसलिए ये खुद ही समझ लें कि क्या लिखा है। महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा कि इसमें दो सौ करोड रूपए तो सैंटर का है। उन्होंन स्पीच अच्छी तरह से नहीं पढी। इसमें लिखा है कि 123 करोड रूपया सैंटर से आया है बाकी सारा अपना है। उन्होंने अच्छी बातों को जैसे कर्जा माफी है और पैन ान की बात है उसकी भी बैसाखी बनाने की कोि ा ा की। यह गलत बात है इनको अच्छी बात को तो अच्छा कहना चाहिए था।

वे झुग्गी झोंपडियों का भी जिक्र कर रहे थे। उसके लिए हमने एक योजना बनाई है। हमने फरीदाबाद में फेज वन में 90 एकड जमीन इस काम के लिए रखी है। हम झुग्गी झोंपडियों वालों को 150 रूपये गज के हिसाब से 35–35 गज जमीन देंगे ताकि उनका आउटरनेटिव इन्तजाम हो सके। तो स्पीकर साहब, ये सब चीजें हैं जो हमने की हैं, किसी तरह का कोई फर्क नहीं है। एक बात यहां कही गई कि किसानों को कोई बैनिफिट नहीं दिया गया। हमने इसी साल पैस्टीसाइडज और सीडज पर सेल्ज टैक्स माफ किया है। श्री अनिल विज जी कह रहे थे कि व्यवस्था में

परिवर्तन की कोई बात नहीं हुई है। स्पीकर साहब, यह सब को पता है कि चौधरी देवी लाल जी ही व्यवस्था में परिवर्तन लाए हैं। (विघ्न) कर्मचारियों के बारे में हमारे साथी अनिल विज जी बोल रहे थे, वे भाायद यह नहीं समझ पाए कि कर्मचारियों की मांगें क्या हैं और क्या नहीं हैं ? मुख्य मंत्री जी ने इस मसले को तय करवाया वरना यह इतनी जल्दी तय होने वाला नहीं था। विज साहब ने कहा कि 1.1.86 को यह हो गया और 1.1.91 को वह हो गया। मैं इन दोनों डेटस के बारे में इनको बता देता हूं। स्पीकर साहब 1.1.86 से चौथे पे कमी ान की रिकमैंडे ांज लागू हुई। जो पुरानी तनख्वाह थी वह बढ कर मिलने लग गई। 1.1.91 से हमने ऐडवांसमैंट स्कीम को लागू किया है। पिछली बजट स्पीच में यह कहा गया था कि दो ऐडवांसमैंटस का पूरे साल का खर्चा 4–5 करोड रूपए पडेगा। हमने बढा कर वह खर्चा साढे आठ करोड रूपए कर दिया है। जहां तक मुलाजिमों की बात है, मुझे इनकी सारी यूनियनों से बात करने का मौका मिला था। मेरे साथ चीफ सैक्रेटरी भी थे और फाइनैंस सैक्रेटरी भी थे। सर्व कर्मचारी संघ के लोग सात तारीख को जब आए तो इतने उत्सुक थे और चाहते थे कि आठ तारीख को ही इन बातों का जब आए तो इतने उत्सुक थे और चाहते थे कि आठ तारीख को ही इन बातों का ऐलान कर दिया जाए। मेरे अपने दफतर के कमरे में उनके साथ बातचीत हुई थी। हमने कहा जितनी भी हरियाणा में यूनियन्ज हैं चाहे वह हरियाणा सबोर्डीनेट सर्विस फैडरे ान है, चाहे वह कर्मचारियों को कोई यूनियन है और चाहे सैक्रेटेरियट के

कर्मचारियेां की ऐसोसिए ान है उन सभी से बात होगी। लगातार 15–16 दिन तक बात करके उनकी मांगों के बारे में सरकार ने फैसला किया है। कुछ माननीय सदस्यों ने कहा कि किसी भी यूयिन ने सरकार का लिखित रूप में धन्यवाद नहीं किया। मैं कहता हूं कि कुछ यूनियनों ने बाकायदा लिखित रूप में सरकार का धन्यवाद किया है। आप अगर किसी पोलिटीकल मकसद को पूरा करने के लिए यह बात कहते हैं तो वह अलग बात है लेकिन उससे आपको कुछ हासिल होने वाला नहीं है। हरियाणा के कर्मचारियों को जितनी भी यूनियन्ज हैं उन सभी से बाकायदा मेरी बात हुई है। उन सभी से बातचीत करके ही सरकार ने उनकी मांगों को माना है जिसके लिए कुछ यूनियनों ने लिख करके सरकार का धन्यवाद किया है। उनकी जो सही मांगें थीं वें हमने मान ली हैं और वे सारीं बातें आपके सामने अनाउंस भी की हैं।

बैठक का समय बढाया जाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का टाईम 15 मिनट ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम 15 मिनट ऐक्सटैंड किया जाता है।

वर्श 1991–92 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री तैयब हुसैनः अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि कर्मचारियों की सब बातें सुन करके फैसला किया जाए। इसलिए हमने हरियाणा के कर्मचारियों की तमाम यूनियनों के लोगों को बुला करके उनके साथ बात की। ऐसी कोई भी यूनियन नहीं है जिसके वर्कर के साथ हमारी बात न हुई हो। सभी के साथ बात करके यह फैसला लिया गया था।

स्पीकर साहब, अपोजी ान लीडर श्री सूरज भान जी ने हरिजनों के बारे में कुछ बातें कहीं हैं। मैं उनको बडे अदब के साथ अर्ज करना चाहूंगा कि इस मौजूदा सरकार ने हरिजनों के साथ न कभी पहले कोई भेदभाव किया है और न ही आगे कोई भेदभाव करने का इरादा रखती है। हरिजनों के बारे में सरकार पर जो आरोप लगाए गए हैं वे निराधार और बेबुनियाद हैं।

मैं एक बात बडे अदब के साथ और अर्ज करना चाहूंगा कि ओला वृश्टि के कारण हुए फसलों के नुकसान का मुआवजा देना हमने भाुरू किया था। जिस समय यह योजना लागू की गई उस समय यह बात सामने आई थी कि हरिजनों का लामणी में जो पांच परसैंट मिलता है वहीं पांच परसैंट इस तरह के प्राकृतिक प्रकोप से हुए नुकसान के मुआवजे में से भी दिया जाए। वह पांच परसैंट पैसा उनको भी मिलता है। इसके अलावा चौधरी देवी लाल जी ने हरिजनों को दो बच्चों तक बच्चा और जच्चा के लिए इमदाद देने की बात कही थी वह इमदाद भी उनको दी जा रही है। हिन्दुस्तान के किसी भी दूसरे सूबे में हरिजनों को ऐसी

सहूलियतें नहीं दी जा रही हैं। इसके अलावा कई माननीय सदस्यौं ने एक परिवार एक रोजगार के बारे में बहुत कुछ कहा। स्पीकर साहब, मेरी समझ में यह बिल्कुल नहीं आता कि रोजगार मिलने से इनको क्या परे ाानी है ? (विघ्न) मोहतरिम स्पीकर साहब, अगर सरकार कोई अच्छी बात करने जा रही हो तो उससे इनको परे ाानी नहीं होनी चाहिए। (विघ्न) आप मुझे बोलने का मौका दें। मैं सारी स्थिति स्पश्ट कर दूंगा।

Mr. Speaker: Mr. Vij , is it the way. Please take your seat.

(श्री अनिल कुमार विज की ओर से विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय फरमा रहे हैं कि सरकार कोई अच्छा काम करे तो उससे हमें कोई परे ाान क्यों ? मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि हमें कोई परे ाानी नहीं है। परन्तु आपकी ही सरकार ने हाई कोर्ट में ऐफिडेविट दिया है कि हमारे पास जगह खाली नहीं है। (विघ्न) एस0एस0एस0 बोर्ड से जो लडके सिलैक्ट हुए थे और जिनको लगाया नहीं गया था उन लोगों की तरफ से रिट की गई थी और उसके जवाब में सरकार ने कहा है कि हमारे पास कोई जगह खाली नहीं हैं जब जगह खाली नहीं थी तो ये रोजगार कैसे दैंगे ? (ाोर) ये या तो अदालत में गलत बात कह रहे हैं या यहां पर गलत बात कह रहे हैं।

Mr. Speaker: He is clarifying the position. Please take your seat.

श्री तैयब हुसैनः कुछ ऐसे लोगों को परे ाानी हो सकती है जिन लोगों ने पहले ही नौकरियों पर कब्जा किया हुआ है और जो अब भी कब्जा रखना चाहते हों। सरकार जो व्यवस्था अब करने जा रही है उससे ऐसे लोगों को नौकरियां हथियाने का मौका नहीं मिलेगा। इसलिए उनको यह परे ाानी हो रही है। (विघ्न)

स्पीकर साहब, यहां पर अर्बन वाटर सप्लाई के बारे में भी चर्चा की गई। मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि इस काम के लिए चालू साल में 5.60 करोड रूपये खर्च किए गए हैं और अगले साल इस पर 8.60 करोड रूपये खर्च किए जाएंगे। मान साहब ने कहा कि कम्यूनिटी डिवैल्पमैंट के लिए सिर्फ 2.60 करोड रूपये ही रखे गए हैं। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि बहुत सी ऐसी स्कीमें हैं जिन के जरिए कम्युनिटी डिवैल्पमैंट के काम किए जाते हैं। जैसे जवाहर रोजगार योजना है डि सेन्ट्रेलाइज्ड प्लानिंग है, वाटर सप्लाई की स्कीम है या मैंचिंग ग्रान्ट जैसी बहुत सारी स्कीमें हैं जिनके जरिए कम्यूनिटी डिवैल्पमैंट के काम किए जाते हैं। इन सब स्कीमों को भाायद इन्होंने देखा नहीं। इन्होंने बजट का अध्ययन तो बडे गौर से किया है लेकिन इनकी निगाहें इन स्कीमों से रह गई क्योंकि उस वक्त इनकी निगाहें कहीं और होंगी। (विघ्न) स्पीकर साहब,

कई साथियों ने बोलते हुए अपनी बात कही। अपोजी ान के साथियों ने सिवाय मुखालफत के और कुछ नहीं किया। इस प्रकार से भगवान सहाय रावत ने अपनी बात कहते हुए कहा कि हथीन क्षेत्र की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा। मैं इनको बताना चाहता हूं कि हथीन ब्लाक अकेला उनका ही नहीं है। मेरे हल्के में भी हथीन ब्लाक का क्षेत्र आता है। हथीन की जितनी ज्यादा चिन्ता इन्हें है उतनी मुझे भी है। मैं इन्हैं बताना चाहता हूं कि मेवात विकास बोर्ड के लिए चालू साल में 2 करोड 40 लाख रूपये रखे गए थे जो अब बढा कर 3 करोड 30 लाख रूपये किए गए हैं। साथ ही साथ मैं इन्हें यह बताना चाहता हूं कि हथीन क्षेत्र इण्डस्ट्रीयल बैकवर्ड घोशित किया गया है। इसी प्रकार से वहां पर मानपुर से पानी लाने के लिए एक करोड रूपये खर्च करने की योजना है ताकि पानी की समस्या को कुछ हद तक दूर किया जा सके। इसके अलावा वहां पर एक माडर्न स्कूल खोला जा चुका है। इसके अतिरिक्त वहां पर तीन आई0टी0आईज0 भी पहले ही खोली जा चुकी है। इसी प्रकार से हथीन क्षेत्र के लिए और भी बहुत से काम किए जा रहे हैं। अंत में मोहतरिम, स्पीकर साहब, मैं उन सभी सदस्यों का भाुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने इस बजट का कन्स्ट्रक्टिव क्रिटिसीजम किया है। (धन्यवाद)

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल सुबह साढे नौ बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

13.35 बजे।

(तत्प चात सदन बुधवार, दिनांक 13 मार्च 1991 प्रातः 9.30 बजे तक स्थगित हुआ।)